धनबाद
शुक्रवार 21.02.2025
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-31 अंक-2 पृष्ठ- 12
फाल्गुन कृष्ण पक्ष-9
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

हाईकोर्ट ने कांट्रेक्ट आधारित असिस्टेंट प्रोफेसर की नई नियुक्तियों पर लगाई रोक

रांची (एजेंसी): झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य में कांट्रेक्ट आधारित असिस्टेंट प्रोफेसरों की नई नियुक्तियों पर रोक लगा दी है। अदालत ने संजिता कच्छप और अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए सरकार के जारी विज्ञापन की प्रक्रिया को स्थगित कर दिया।

न्यायमूर्ति आनंद सेन की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि मौजूदा कांट्रेक्ट कर्मचारियों को नए कांट्रेक्ट कर्मचारियों से प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता है। अदालत ने इस संदर्भ में 'मनीष गुप्ता बनाम जन भागीदारी समिति' मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का हवाला देते हुए कहा कि ऐसा करना कानून के खिलाफ है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता अमृतांश वत्स और अमर्त्य चौबे ने पक्ष रखा, जबकि राज्य सरकार की ओर से डॉ. अशोक कुमार सिंह, शेरोन टोप्पो और ऋषभ कौशल उपस्थित थे। याचिकाकर्ताओं ने अदालत को बताया कि सरकार द्वारा जारी नया विज्ञापन उन कांट्रेक्ट कर्मचारियों को हटाने के लिए लाया गया है, जो पहले से सेवाएं दे रहे हैं।

अदालत ने सरकार को निर्देश दिया है कि वह इस मामले में आठ सप्ताह के भीतर जवाबी हलफनामा दायर करे। साथ ही, आठ हफ्तों के बाद इस मामले को स्वीकृति श्रेणी में सूचीबद्ध किया जाएगा।

झारखंड सरकार ने १२ मार्च २०२४ को एक विज्ञापन जारी कर जरूरत आधारित असिस्टेंट प्रोफेसरों की भर्ती की घोषणा की थी।

याचिकाकर्ताओं का दावा है कि यह विज्ञापन पहले से कार्यरत कांट्रेक्ट प्रोफेसरों की जगह नए प्रोफेसरों की भर्ती के लिए था, जो कानूनन गलत है। हाईकोर्ट ने इस पर हस्तक्षेप करते हुए नियुक्ति प्रक्रिया को रोक दिया है।

रेखा गुप्ता बनीं दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री, कैबिनेट मंत्रियों ने भी ली शपथ

नई दिल्ली (ईएमएस): दिल्ली में आज से रेखा सरकार का आगाज हो चुका है। रेखा गुप्ता (५० वर्ष) ने गुरुवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। रामलीला मैदान में आयोजित भव्य समारोह में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इस मौके पर गृहमंत्री अमित शाह समेत बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और एनडीए के वरिष्ठ नेता एवं अनेक राज्यों के मुख्यमंत्री व उप मुख्यमंत्री मौजूद रहे।

गौरतलब है कि रेखा गुप्ता दिल्ली की ९वीं और चौथी महिला मुख्यमंत्री बनी हैं। उनसे पहले सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित और आतिशी इस पद पर रह चुकी हैं। बीजेपी ने २७ साल बाद दिल्ली की सत्ता में वापसी की है, जिससे यह पार्टी के लिए एक ऐतिहासिक अवसर बन गया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ उनकी कैबिनेट के अन्य मंत्रियों ने भी शपथ ग्रहण की है। मंत्री पद की शपथ ग्रहण करने वालों में प्रवेश वर्मा, आशीष सूद, मनजिंदर सिंह सिरसा, रविंद्र इंद्राज, कपिल मिश्रा और पंकज सिंह के नाम शामिल हैं।

यहां बताते चलें कि रेखा गुप्ता ने शालीमार बाग विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी की बंदना कुमारी को २९,००० से अधिक वोटों से हराकर जीत दर्ज की थी। वहीं, प्रवेश वर्मा ने नई दिल्ली विधानसभा सीट से अरविंद केजरीवाल को हराया।

इस शपथ ग्रहण समारोह के साथ बीजेपी ने दिल्ली की राजनीति में एक नई शुरुआत की है। अब सबकी नजरें रेखा गुप्ता और उनकी सरकार के आने वाले फैसलों पर टिकी हैं।

जैक की हिंदी और विज्ञान की परीक्षा रद्द, प्रश्नपत्र हुआ था वायरल

रांची (एजेंसी): झारखंड में ११ फरवरी से शुरू हुई जैक बोर्ड की १०वीं की परीक्षा के दौरान हिंदी और विज्ञान का पेपर लीक हो गया है। बताया जा रहा है कि २ दिन पहले ही पेपर लीक हो गया था। जैक बोर्ड की जांच में इसको सही पाया गया है। अब बोर्ड ने पूरे राज्य में परीक्षा रद्द कर दी है। दरअसल आज परीक्षा के बाद जब वास्तविक प्रश्न पत्र से मिलान करने पर लिखा हुआ प्रश्नपत्र हूबहू पाया गया। इस कारण से हिंदी और विज्ञान की परीक्षा रद्द हो गई है। हिंदी की परीक्षा १८ फरवरी को ली गई थी वहीं विज्ञान की परीक्षा आज आयोजित हुई थी। सबसे पहले गिरिडीह और कोडरमा में यह प्रश्न पत्र वायरल होने की सूचना आई। एक वॉट्सएप ग्रुप में क्यूआर कोड डाला गया और मैसेज भेजा गया कि मैट्रिक और इंटरमीडिएट की आयोजित परीक्षा के प्रश्नपत्र चाहिए तो इसके लिए ३५० रुपए डालना होगा। मैसेज में २० फरवरी को होने वाली साइंस की परीक्षा का प्रश्नपत्र देने का दावा किया जा रहा था। कुछ देर बाद पीडीएफ मोड में साइंस का प्रश्न पत्र वहां डाला गया, जिसका स्क्रीनशॉट पूरे राज्य में वायरल हो गया।

महागठबंधन की बैठक में बनेगी विपक्ष को घेरने की रणनीति

रांची (एजेंसी): झारखंड विधान सभा का बजट सत्र २४ फरवरी से शुरू होने जा रहा है। सत्र की शुरुआत से पहले इंडी गठबंधन के विधायक दल की नेताओं की बैठक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में कांके रोड स्थित सीएम आवास में होगी। इस बैठक में विपक्ष को घेरने की रणनीति बनाई जाएगी। वहीं, गठबंधन विधायक दल की बैठक से ठीक पहले कांग्रेस विधायक दल की बैठक होगी, जिसमें कांग्रेस प्रदेश प्रभारी के राजू मौजूद रहेंगे।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने विधायक दल की बैठक से संबंधित जानकारी देते हुए कहा कि बजट सत्र से पहले २३ फरवरी को दोपहर में पार्टी के विधायक दल की बैठक होगी, जिसके बाद गठबंधन विधायक दल की बैठक मुख्यमंत्री के साथ कांके रोड स्थित सीएम आवास में आयोजित की जाएगी।

नेता प्रतिपक्ष के सवाल पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष पर फैसला लेना बीजेपी का काम है। उन्होंने यह भी बताया कि कांग्रेस ने अपना विधायक दल का नेता चुन लिया है, साथ ही गठबंधन विधायक दल का भी नेता तय किया गया है।

बजट सत्र के पहले दिन, २४ फरवरी को राज्यपाल का अभिभाषण होगा। इस दिन देश की दिवंगत विभूतियों को याद किया जाएगा और उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी। इसके बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी जाएगी। अगले दिन, २५ फरवरी को राज्यपाल के अभिभाषण पर पक्ष और विपक्ष के सदस्य पूरे दिन चर्चा करेंगे। इसके अलावा अनुपूरक बजट पर वाद-विवाद के लिए एक दिन रखा गया है। ३ मार्च को मुख्य बजट पेश किया जाएगा, और फिर २४ मार्च तक दूसरी पाली में चर्चा होगी। २५ मार्च को राजकीय विधेयकों और राजकीय कार्यों की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का वादा, अतंर्राष्ट्रीय महिला दिवस तक बहनों के खातों में आ जाएगा पैसा

नई दिल्ली (ईएमएस): बीजेपी विधायक रेखा गुप्ता गुरुवार को रामलीला मैदान में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। लेकिन शपथ ग्रहण से पहले ही उन्होंने कहा कि वादे के अनुसार बीजेपी हर महीने महिलाओं को २५०० रुपये की राशि कब से देना शुरू करेगी। सीएम गुप्ता ने कहा कि २५०० रुपये की पहली किस्त आठ मार्च तक दिल्ली की महिलाओं के खातों में ट्रांसफर होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को पूरा करना दिल्ली में बीजेपी के सभी ४८ विधायकों की जिम्मेदारी है। दिल्ली की महिलाओं के खाते में आठ मार्च तक २५०० रुपये आने शुरू हो जाएंगे।

बांग्लादेशी विमान की नागपुर में आपातकालीन लैंडिंग

नागपुर (ईएमएस): बांग्लादेश के ढाका से दुबई जा रही एक बांग्लादेशी विमान को बुधवार आधी रात के बाद नागपुर के डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग कराई गई। इस उड़ान के यात्री नागपुर में फंसे हुए हैं और संबंधित एयरलाइन द्वारा उनके लिए व्यवस्था की गई है। नागपुर हवाई अड्डे के वरिष्ठ निदेशक आबिद रूही ने बताया कि तकनीकी खराबी के कारण नागपुर में रोका गया विमान मरम्मत के बाद इसे गुरुवार को रवाना किया गया। नागपुर हवाई अड्डे के टर्मिनल भवन के पास खड़े इस विमान में १२ चालक दल के सदस्य और ३९६ यात्री सवार थे तथा यात्रियों की सेवा बांग्लादेश एयरलाइंस के कर्मचारी कर रहे थे।

मोदी के रहते मुमकिन नहीं है 370 की वापसी : सीएम अब्दुल्ला

नई दिल्ली (ईएमएस): जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के भले ही केंद्र सरकार से अच्छे संबंध बताए जाते हैं लेकिन मौका आने पर उमर अपनी बात कहने से नहीं चूकते है। हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान उन्होंने कहा कि यदि मोदी सरकार द्वारा किए गए वादे पूरे नहीं होते हैं तो उनकी सरकार केंद्र के साथ अपने संबंधों को लेकर पुनर्मूल्यांकन कर सकती है। साथ ही उन्होंने यह भी साफ शब्दों में कहा है कि पीएम मोदी के रहते जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल-३७० की वापसी नहीं हो सकती है।

दरअसल एक इंटरव्यू के दौरान सीएम उमर अब्दुल्ला से जब यह पूछा गया कि जब तक नरेंद्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री हैं, क्या जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद ३७० के बहाल होने की कोई संभावना है? उमर अब्दुल्ला ने साफ शब्दों में कहा कि नहीं, इसकी कोई संभावना नहीं है।

उमर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के प्रति अपनी दृष्टिकोण को लेकर उठाए गए सवालों का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि अपने कार्यकाल के पहले कुछ महीनों में केंद्र के साथ एक सहयोगात्मक संबंध स्थापित करना महत्वपूर्ण था। उन्होंने कहा, कम से कम मेरी सरकार के पहले कुछ महीनों में मुझे जम्मू और कश्मीर के लोगों के लिए केंद्र सरकार के साथ एक अच्छा कार्य संबंध स्थापित करने की कोशिश करनी चाहिए। २०१९ में केंद्र सरकार द्वारा अनुच्छेद ३७० को निरस्त किए जाने के मुद्दे पर उमर अब्दुल्ला ने अपनी स्थिति को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा की इसकी बहाली के लिए संघर्ष को छोड़ा नहीं गया है। उन्होंने कहा, हमने विधानसभा में प्रस्ताव पारित किया था जिसमें जम्मू और कश्मीर के स्पेशल स्टेटस को बहाल करने और संवैधानिक गारंटी को फिर से लाने की मांग की गई थी।

उपमुख्यमंत्री शिंदे को मिली बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई (ईएमएस): महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। एक अज्ञात ने कथित तौर पर उनके वाहन को उड़ाने की धमकी दी है। मुंबई पुलिस ने ईमेल भेजने वाले अज्ञात व्यक्ति का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक धमकी भरा ईमेल गोरेगांव पुलिस स्टेशन, मंत्रालय और जेजे मार्ग पुलिस स्टेशन सहित कई स्थानों पर भेजा गया था। संदेश में एकनाथ शिंदे के वाहन पर संभावित बम हमले की चेतावनी दी गई, जिससे सुरक्षा चिंताएं बढ़ गई हैं। शुरुआती जांच से पता चल रहा है कि ईमेल एक धोखा हो सकता है, लेकिन अधिकारी कोई जोखिम नहीं उठाना चाहते हैं।

ममता के मृत्यु कुंभ वाले बयान को मिला कई नेताओं का समर्थन

नई दिल्ली (ईएमएस): पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी के महाकुंभ को मृत्यु कुंभ बताने वाले बयान को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। एक ओर जहां भाजपा ममता पर हमलावर है, वहीं दूसरी तरफ तमाम विपक्षी पार्टियों से मिली-जुली प्रतिक्रिया सामने आ रही है। किसी ने ममता के बयान का समर्थन किया तो किसी ने विरोध जताया।

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के नेता वारिस पठान ने ममता के बयान का समर्थन करते हुए कहा, महाकुंभ के अंदर कई लोगों की जान गई, इसके बाद किसी ने कहा कि उनको मोक्ष प्राप्त हो गया। उसके बाद दिल्ली स्टेशन पर हुए हादसे को सभी ने देखा। मैं इसको हादसा नहीं बल्कि हत्या कहूंगा, जिसमें १८ लोगों की मौत हुई और ३० से अधिक लोग घायल हुए। शिवसेना (यूबीटी) के विधायक सुनील राउत ने ममता बनर्जी के बयान का समर्थन करते हुए कहा, ममता बनर्जी ने जो कहा वह सही है। मैं खुद वहां पर स्नान करने के लिए गया था और वहां की व्यवस्था देखी है। वहां पर जिस तरह से अधिक संख्या में लोग जा रहे हैं, उस हिसाब से व्यवस्था नहीं बनाई गई है। लोग मर रहे हैं। बहुत से लोग अभी भी लापता हैं।

महाकुंभ को लेकर जैसा प्रचार किया गया, वैसी व्यवस्था नहीं की गई। उत्तर प्रदेश से कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा ने ममता के बयान का विरोध किया। उन्होंने कहा कि हमारे देश और सनातन पर विश्वास रखने वाले लोगों के लिए कुंभ बहुत बड़ा समागम है।

रांची के कुश प्रभात का इसरो में सहायक पद पर चयन, पिता पेशे से हैं किसान

रांची (एजेंसी): रांची बुढ़मू प्रखंड निवासी कुश प्रभात कुमार साहू का चयन इंडियन स्पेस रिसर्च आर्गेनाइजेशन यानी इसरो में सहायक पद पर हुआ है।

इस परीक्षा में कुश प्रभात कुमार को ऑल इंडिया रैंक ४४ प्राप्त हुआ है। उनके चयन से पूरे क्षेत्र में हर्ष है। विशेषकर कुश के पिता राम प्रसाद साहू जो साहू जो कि पेशे से किसान हैं और माता कालेश्वरी देवी की खुशी का ठिकाना नहीं है। जिन्होंने मुफलिसी में भी रहकर भी अपने बेटे की पढ़ाई से समझौता नहीं किया।

वर्ष २०१३ में सेंचुरियन युनिवर्सिटी ओडिशा से बी-टेक की पढ़ाई के लिए नामांकित हुए और वहीं उन्हें चंद्रयान और मंगलयान से संबंधित जानकारी मिली। इसके बाद इसरो में कार्य करने की ललक कुश के अंदर जगी और बी-टेक की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने रांची आकर इसरो से संबंधित परीक्षाओं की तैयारी शुरू कर दी। कड़ी मेहनत करने के बाद उन्हें यह सफलता मिल पाई। उन्होंने कहा इस परीक्षा की तैयारी में उनके मामा नरेश साहू और राजेश साहू ने भरपूर मदद की।

बंगाल की खाड़ी में बन रहा चक्रवाती तूफान का असर देश के 13 राज्यों पर पड़ेगा

नई दिल्ली (ईएमएस): मौसम में अब बदलाव हो सकता है क्योंकि बंगाल की खाड़ी में विकसित हो रहे चक्रवाती तूफान का असर देश के कई राज्यों में पड़ सकता है। भारतीय मौसम विभाग ने पूर्वानुमान लगाया है कि इस चक्रवात से पूर्वोत्तर भारत समेत देश के १३ राज्यों में भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा कई राज्यों में तेज हवाएं, गरज-चमक और बर्फबारी का सिलसिला अगले कुछ दिनों तक जारी रह सकता है।

मौसम विभाग ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती सर्कुलेशन का प्रभाव नागालैंड और आसपास के क्षेत्रों में करीब १.५ किलोमीटर की ऊंचाई तक देखा जा रहा है। २१ फरवरी तक पूर्वोत्तर राज्यों में तेज बारिश हो सकती है, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हो सकता है। अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में आने वाले दिनों में हल्की बारिश होने की संभावना जताई जा रही है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में आज हल्की बारिश और बर्फबारी हो सकती है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश इन राज्यों में भी भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन के बाद राज्यपाल का अल्टीमेटम

इंफाल (ईएमएस): राष्ट्रपति शासन लगने के बाद मणिपुर के राज्यपाल अजय भल्ला ने उपद्रवियों को

लूटे गए हथियार 7 दिन में करें सरेंडर

चेतावनी देते हुए कहा है कि वे अगले सात दिनों के भीतर लूटे गए और अवैध हथियारों को सरेंडर कर दें। उन्होंने इसे राज्य में शांति बहाल करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है।

गौरतलब है कि मणिपुर में मई २०२३ से जारी हिंसा के कारण हालात बिगड़ते चले गए। मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद केंद्र सरकार ने राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया। लंबे समय से चली आ रही हिंसा को नियंत्रित करने और कानून-व्यवस्था बहाल करने के लिए यह कदम उठाया गया। ऐसे में अब राज्यपाल अजय भल्ला ने कहा, कि पिछले २० महीनों से मणिपुर के लोग हिंसा और सांप्रदायिक संघर्ष से जूझ रहे हैं। इससे घाटी और पहाड़ी क्षेत्रों में भारी कठिनाइयाँ उत्पन्न हुई है। मैं सभी समुदायों, विशेष रूप से युवाओं से अपील करता हूँ कि वे लूटे गए या अवैध रूप से रखे गए हथियारों और गोला-बारूद को स्वेच्छा से नजदीकी पुलिस स्टेशन, चौकी या सुरक्षा बल कैंप में सरेंडर करें।

राज्यपाल ने कहा कि हथियारों को लौटाने का यह कदम शांति सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण इशारा होगा। राज्यपाल के इस निर्देश के बाद सुरक्षाबलों ने भी हथियारों की बरामदगी के लिए सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया है। राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद केंद्र सरकार ने राज्य में कानून-व्यवस्था को बहाल करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की है। प्रशासन ने भी शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न समुदायों के नेताओं से बातचीत शुरू कर दी है। अब देखना यह होगा कि राज्यपाल के इस अल्टीमेटम के बाद हिंसा प्रभावित इलाकों में हालात कितनी जल्दी सामान्य होते है।

विदेश से एमबीबीएस करने के लिए भी नीट यूजी पास करना जरुरी

नई दिल्ली (ईएमएस): विदेश से एमबीबीएस करने के लिए नीट यूजी परीक्षा पास करना अनिवार्य कर दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया के नियम को बरकरार रखा है। केंद्र की ओर से २०१८ में लाया गया यह नियम सुनिश्चित करता है कि विदेश में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे भारतीय छात्र भारत में मेडिसिन की प्रैक्टिस करने के लिए जरूरी मानकों को पूरा करें। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा कि यह रेगुलेशन निष्पक्ष व पारदर्शी है और किसी भी वैधानिक प्रावधान या संविधान के खिलाफ नहीं है। अदालत ने कहा कि यह नियम इंडियन मेडिकल काउंसिल एक्ट, १९५६ के किसी भी प्रावधान के विपरीत नहीं है और न ही किसी भी तरह से मनमाना या अनुचित है। नीट यूजी पास करने की आवश्यकता ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन रेगुलेशन, १९९७ में निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करने के अतिरिक्त है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बी आर गवई और के विनोद चंद्रन की पीठ ने याचिका पर सुनवाई की।

बता दें कि वर्ष २०१८ से उन भारतीय छात्रों के लिए नीट यूजी पास करना अनिवार्य किया गया है जो विदेश से एमबीबीएस कर भारत में डॉक्टरी करना चाहते हैं। इसके बाद याचिकाकर्ताओं ने एमसीआई के रेगुलेशन को चुनौती देकर तर्क दिया था कि इस प्रावधान को इंडियन मेडिकल काउंसिल एक्ट, १९५६ में संशोधन किए बिना लाया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने एमसीआई के नियम को बरकरार रखा

हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने माना कि मेडिकल काउंसिल के पास एक्ट की धारा ३३ के तहत रेगुलेशन पेश करने का अधिकार मिला हुआ था।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा, हमें रेगुलेशन में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं दिखाता है। सर्वोच्च न्यायालय ने एक बार के लिए छूट देने के लिए भी साफ इंकार किया।

पीठ ने कहा, जाहिर सी बात है कि संशोधित रेगुलेशन लागू होने के बाद यदि कोई उम्मीदवार प्राइमरी मेडिकल एजुकेशन लेने के लिए किसी विदेशी संस्थान में एडमिशन लेना चाहता है, तब वे रेगुलेशन से छूट की मांग नहीं कर सकते है। ये रेगुलेशन देश के भीतर डॉक्टरी करने के लिए आवश्यक पात्रता मानदंड निर्धारित करते है। यह भारत के बाहर कहीं भी डॉक्टरी करने के उनके अधिकार को प्रतिबंधित नहीं करता है। फैसले का मतलब है कि विदेश में अंडर ग्रेजुएट मेडिकल कोर्स करने के इच्छुक भारतीय छात्रों को अब विदेशी मेडिकल संस्थानों में दाखिले का पात्र होने के लिए नीट यूजी पास करना होगा।

कोई भी भारतीय छात्र डॉक्टरी की डिग्री कहीं से भी लेता है, तब पहले उसे नीट पास करना होगा। यदि कोई विदेशी नागरिक भारत में मेडिकल की पढ़ाई करना चाहता है, उस विदेशी छात्र को भी नीट पास करना होगा। २०१८-१९ के सत्र से यह लागू हो गया था। इसमें कहा गया कि विदेशों में मेडिकल पढ़ाई के इच्छुक हों, वे पहले नीट पास कर लें।

सात्विक आईबीएफ पहुंचे पूर्व मंत्री सरयू राय

धनबाद/कतरास (ससे) : सात्विक आईबीएफ के १० वर्ष पूरे होने पर गुरुवार को सरयू राय सिटी सेंटर धनबाद पहुंचे। पूर्व मंत्री एवं वर्तमान जमशेदपुर पश्चिमी विधायक सरयू राय और सात्विक आईबीएफ की संचालिका डॉ. नेहा प्रियदर्शिनी को दिया आशीर्वाद। ज्ञात हो कि सात्विक आईबीएफ का उदघाटन भी १० वर्ष पूर्व इन्हीं के द्वारा किया गया था। सेंटर पहुँचने पर संचालिका डॉ नेहा प्रियदर्शिनी और उनकी पूरी टीम ने श्री राय को मधुबनी पेंटिंग एवं बुके देकर सम्मानित किया।

सेंटर पहुँचने पर श्री राय ने विगत १० वर्ष के क्रियाकलापों की जानकारी ली, जिसे देखकर उन्होंने काफी प्रसन्नता जाहिर की एवं पूरे टीम को बधाई दी। साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर डॉ. नेहा को एवार्ड मिलने पर बधाई दी और उज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर डॉ. विश्वनाथ चौधरी, विजय कुमार झा, डॉ. शिवानी झा, डॉ. धीरज चौधरी, अनंत श्रीकृष्णा, न्युट्रिशन मनीषा मीनू, सुशील सिंह, पिंटू सिंह, रामस्वरूप यादव, अरविन्द सिंह, नवनीत सिंह, दिनेश धारी, पुष्पा पाण्डेय एवं सात्विक आईबीएफ के अभिनाश कुमार, धीरज सिंह, राजू दत्ता, अमित पासवान, जीतेन्द्र कुमार, मधु कुमारी, अभू कुमारी, देवराज कुमार, अनिता सिंह, रतन कुमार उपस्थित थे।

गुरु नानक कॉलेज में नाट्य रूपांतरण कार्यक्रम

धनबाद (कासं) : गुरुवार को गुरु नानक कॉलेज में वाणिज्य विभाग के द्वारा वाणिज्य नाट्य रूपांतरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विभाग के छात्रछात्राओं द्वारा नाटकीय ढंग से सेर्विंगस, फाइनेंशियल लिटरेसी, एडवरटाईजिंग जैसे विषयों से छात्रछात्राओं को अवगत कराया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ संजय प्रसाद ने वाणिज्य विभाग को इस अभिनव कार्यक्रम के लिए बधाई दी और कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से छात्रों में बचत के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। अपर्णा मुखर्जी ने फाइनेंशियल फरॉड पर गाना गाया। रेशमी कुमारी ने स्वरचित कविता पाठ किया। अमन

और मौमिता ने अकाउंटेंसी पर कविता पाठ किया। मंच संचालन प्रो दलजीत सिंह द्वारा किया गया। वाणिज्य विभाग के एचओ डी प्रो. संतोष कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम प्रस्तुति को सफल बनाने में प्रो पीयूष अग्रवाल, कॉलेज के छात्र अमन, मौमिता ने मुख्य भूमिका निभाई। मौके पर प्रोफेसर इंचार्ज प्रो अमरजीत सिंह, प्रो मीना मालखंडी, प्रो संजय सिन्हा, प्रो दीपक कुमार, डॉ नीता ओझा, प्रो सोनू प्रसाद, प्रो साधना, प्रो मनीषा, प्रो ऐश्वर्या, प्रो नमिता, प्रो प्रतिमा, संजय सिंह, नरेंद्र सिंह, पंकज, रंजीत मिश्रा, नुशरत परवीन के साथसाथ ८० से अधिक छात्र मौजूद थे।

डीआईजी सुरेंद्र कुमार झा ने किया कतरास थाना का निरीक्षण

कतरास (ससे) : गुरुवार को डीआईजी सुरेंद्र कुमार झा ने कतरास थाना का निरीक्षण किया। जहां उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर के साथ सलामी दी गई। इस दौरान उन्होंने कतरास सर्किल इंस्पेक्टर के कार्यों की फाइलों की जांच की और थाना प्रभारी को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

डीआईजी सुरेंद्र कुमार झा ने लॉ एण्ड ऑर्डर बनाए रखने और थाने के भवन की रंगाईसफाई कराने पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने स्थानीय समुदाय के साथ अच्छे व्यवहार को सुनिश्चित करने के लिए थाना प्रभारी को आदेश दिए।

डीआईजी ने बीसीसीएल एरिया के अंतर्गत सभी कार्यालयों के रखरखाव और रंगाईपोताई की प्रक्रिया को व्यवस्थित करने के लिए बीसीसीएल प्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि सभी कार्यों को निर्धारित मानकों के अनुसार सुनिश्चित किया जाए।

इसके अलावा, डीआईजी ने अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई तेज करने की बात की कही। अपराधी सलाखों के पीछे नहीं हैं, उन्हें जल्द से जल्द गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जाए। साथ ही उन्होंने जाम की समस्या पर भी चर्चा की और जन जागरूकता फैलाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए। उनका मानना है कि जन जागरूकता और सख्त कार्रवाई से क्षेत्र में शांति और व्यवस्था बनी रहेगी। डीआईजी का यह निरीक्षण क्षेत्र की सुरक्षा और प्रशासनिक कार्यों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से क्षेत्र का भ्रमण किया गया।

प्रशासनिक अधिकारियों ने किया फाइलेरिया दवा का सेवन

धनबाद (कासं) : फाइलेरिया उन्मूलन के लिए १० फरवरी से शुरू हुए मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम के तहत बृहस्पतिवार, २० फरवरी, तक जिले के १७ लाख ९७ हजार ०३७ लोगों को गोली खिलाई गई। जिसमें बृहस्पतिवार को एक लाख ६७ हजार ८७१ लोगों को गोली खिलाई गई। फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत १० दिनों के अंदर ६० लोगों को गोली खिलाई गई है।

गुरुवार को एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूष सिन्हा सहित अन्य प्रशासनिक पदाधिकारियों ने गोली का सेवन किया।

१० से शुरू हुए मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम के तहत २० फरवरी तक गोर्विंदपुर में १३६९९४, टुंडी १३०५८७, बाघमारा ३२९२३४, तोपचांची में १३१६२, धनबाद ५५६४७२, झरिया २२०८९४, बलियापुर ७९०३० एवं निरसा प्रखंड में २५०६६४ लोगों को गोली खिलाई गई है।

वहीं उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने धनबाद को फाइलेरिया मुक्त बनाने के लिए छुटे हुए जिले वासियों से दवा प्रशासक को सहयोग करने और जरूर दवा लेने की अपील की है।

गोदाम निर्माण के लिए भूमि चिन्हित करने का निर्देश

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने बृहस्पतिवार को समाहरणालय के सभागार में उच्च न्यायालय से संबंधित लंबित मामले तथा एनजीडीआरएस के लंबित मामलों की समीक्षा की।

इस अवसर पर उन्होंने सभी पदाधिकारियों को समन्वय बनाकर उच्च न्यायालय से संबंधित लंबित मामलों को प्राथमिकता देते हुए समय पर निष्पादन कराने का निर्देश दिया। वहीं जिले में ५०० एमटी एवं १०० एमटी क्षमता के गोदाम बनाने तथा नगर निगम को भूमि हस्तांतरण करने के लिए उपायुक्त ने सभी अंचल अधिकारियों को भूमि चिन्हित कर शीघ्र विवरण देने का निर्देश दिया।

साथ ही एनजीडीआरएस के सभी लंबित मामलों का निष्पादन करने, फॉर्मेट में रिपोर्ट बनाने तथा अंचल अधिकारियों को रिपोर्ट में अपना मंतव्य देने का निर्देश दिया गया।

बैठक में उपायुक्त माधवी मिश्रा, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, सरकारी अधिवक्ता अमरेन्द्र कुमार सहाय, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश कुमार बाउरी, एलआरडीसी दिलीप कुमार महतो, डीएलओ राम नारायण खलको, डीटीओ दिवाकर सी द्विवेदी, डीएमओ रितेश राज तिग्गा, डीएसडब्ल्यूओ अनीता कुजूर, जिला शिक्षा अधीक्षक आयुष कुमार के अलावा विभिन्न प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं विभिन्न अंचल के अंचल अधिकारी मौजूद थे।

डीएवी में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

केन्दुआ (ससे) : डीएवी पब्लिक स्कूल कुसुंडा में गुरुवार को कक्षा तृतीय से पंचम के विद्यार्थियों के बीच अंतर सदनीय क्विज कंपिटीशन आयोजित किया गया। प्रत्येक सदन से ६६ प्रतिभागी रहे। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अरविंदो सदन से समर कुमार, अयान कुमार, समीर कुमार, सुजया भूषण, निधि कुमारी, प्रेयश राज, साक्षी द्वितीय स्थान दयानंद सदन से यश सिंह, आरव कुमार,

अक्षरा भूषण, मनीष टुडू, गुरप्रीत कौर तथा तृतीय स्थान विवेकानंद सदन से अदिति कुमारी, अखिलेश कुमार, सौम्या श्री पांडे, अखिल प्रताप, नैना कुमारी ने प्राप्त किया। प्राचार्य ने सभी प्रतिभागियो का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि पढ़ाई में मजबूती लाने के लिए सामान्य ज्ञान की भी बहुत अहम भूमिका होती है। ऐसी प्रतियोगिताओं के आयोजन से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है। साथ ही सामान्य ज्ञान की ओर ध्यान आकृष्ट करता है। इस प्रतियोगिता में स्कोरर विभा सिंह क्विज मास्टर अंतरा रॉय, शिवा नाज, टाइम कीपर प्रिया पांडे रहीं। आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के सभी शिक्षकशिक्षिकाओं का अहम योगदान रहा।

जीटी रोड में पुनः लगने लगा जाम

गोर्विंदपुर (ससे) : जीटी रोड की ट्रैफिक व्यवस्था ध्वस्त हो जाने से गोर्विंदपुर में गुरुवार को भी जीटी रोड लगातार महाजाम से कराहता रहा। सड़क के दोनों लेन पर रतनपुर से लेकर कौआबांध तक गाड़ियों की लंबीलंबी कतार दिन भर लगी रही। पिछले चार दिनों के लगातार जाम से गोर्विंदपुर बाजार अस्तव्यस्त हो गया है। इससे व्यापारियों की दुकानदारी भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। लोगों का सड़क पार करना दूभर हो गया है। गुरुवार को भी मैट्रिक और इंटरमीडिएट के परीक्षार्थी सड़क जाम से परेशान रहे। उन्हें परीक्षा केंद्र तक जाने में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ा। विद्यालय तक प्रश्न पत्र सह उत्तर पुस्तिका पहुचाने मे भी दंडाधिकारियों की भारी फजीहत हुई। कई दुकानदारों ने बताया कि जीटी रोड के दोनों ओर की दुकानों की बिक्री पिछले चार दिनों से ठप हो गई है। ग्राहक दुकान तक पहुंच नहीं पा रहे हैं। सड़क के इस पार के लोग उस पार नहीं जा पा रहे हैं। इससे व्यवसाय चौपट हो गया है। दुकानदारों पर जाम की भारी मार पड़ी है।

ईंट भट्टे में खपाया जा रहा चोरी का कोयला

निरसा (ससे) : निरसा थाना क्षेत्र के उपचुड़िया (उदयपुर) व खास निरसा मे चोरी के कोयले से चल रहा है भट्ठा। निरसा क्षेत्र में चोरी के कोयले से ईंट भट्टे में काम चल रहा है। उक्त गुल व ईंट भट्टों में रोज सैकड़ों टन कोयला खपाया जा रहा है। निरसा प्रखंड क्षेत्र में तकरीबन १० वैध ईंट-भट्टे हैं जबकि ५० से ज्यादा ऐसे ईंटभट्टे हैं, जो अवैध रूप से चलाए जा रहे हैं। इनमें ईसीएल के मुगमा क्षेत्र चालू कोयला खदानों और बंद कोयला खदानों से कोयला चोरी कर इस्तेमाल किया जा रहा है।

खदानों के दिहाड़ी मजदूर जान जोखिम में डालकर कोयला की तस्करी में शामिल कारोबारियों के लिए काम कर रहे हैं। कोयले के अवैध कारोबार में कई मौतें भी हो चुकी है। ये मजदूर बोरी में कोयला भरकर ट्रैक्टरों में लोड

करते हैं और ईट भट्टों में सप्लाई करते हैं। वहीं धनबाद जिले के निरसा थाना क्षेत्र के खासनिरसा व उपचुड़िया (उदयपुर), लूचीडीह में भी अवैध माइनिंग चलाया जा रहा है। मामलों के कमजोर निष्पादन से चोरों के हौसले बुलंद कोयला तस्करी को लेकर धनबाद पुलिस, जिला प्रशासन व सीआइएसएफ की संयुक्त कार्रवाई होती रहती है। इस क्रम में लगभग हर रोज अवैध कोयला भी जब्त होता है। बीचबीच में तीनों ही इकाई अलगअलग भी कार्रवाई करती है। इसमें भी चोरी के खिलाफ उन्हें सफलता मिलती है, पर इन मामलों के कमजोर निष्पादन के कारण चोरों के हौसले टूटने की जगह और बुलंद हो जाते हैं। दरअसल, छापेमारी में आरोपी चिह्नित होते हैं, पकड़े भी जाते हैं, लेकिन अधिकांश मामलों में पुलिसिया कार्रवाई की गति इतनी सुस्त होती है कि आरोपितों की जगह जेल में नहीं बन पाती। इस वजह से उनके हौसले बुलंद ही रहते हैं।

केनरा बैंक ने किया 50 लाख का कृषि ऋण वितरित

नोर्विंदपुर (ससे) : केनरा बैंक क्षेत्रीय कार्यालय धनबाद के अंतर्गत गोड़तोपा शाखा में गुरुवार को केसीसी ऋण वितरण शिविर लगाया गया। इसमें ग्रामीणों के बीच ५० लाख का कृषि ऋण वितरित किया गया। शाखा प्रबंधक अनिल मल्लिक ने कुल ९ महिला एवं एक पुरुष को इस कैम्प में ऋण दिया। उन्होंने लाभुकों से कृषि ऋण का सदुपयोग करने तथा समय पर बैंक को अदा करने की भी अपील की। कहा कि न्यूनतम ब्याज पर यह ऋण दिया गया है। इससे किसानों को स्वावलंबी होना है। मौके पर बैंक अधिकारी अरविंद प्रभाकरण, मुखिया विनोद रजवार, उप मुखिया चुरकी हेंब्रम, बैंक सखी गुंजा देवी, अंशु देवी, सुनीता देवी, चंपा देवी, लता कुमारी, चंचल, सुनीता, भादु, चमेली देवी, राजीव आदि उपस्थित थे।

विधायक ने रखा उपस्वास्थ्य केंद्र का आधारशिला

कतरास (ससे) : बाघमारा विधायक ने महेशपुर पंचायत में उपस्वास्थ्य केंद्र के नव निर्माण का रखा आधारशिला बाघमारा विधायक ने महेशपुर पंचायत में स्थित उपस्वास्थ्य केंद्र के नव निर्माण के लिए आधारशिला रखा। इस अवसर पर उन्होंने नारियल फोड़कर निर्माण कार्य की शुरुआत की। यह ६ बेड वाला उपस्वास्थ्य केंद्र १५वें वित्त आयोग के तहत ५५ लाख रुपये की राशि से बनेगा। इस मौके पर महेशपुर पंचायत मुखिया प्रतिनिधि हरि साव, गौरचंद बाउरी, टिंकू साव, अजय साव सहित अन्य स्थानीय लोग उपस्थित थे।

नारी सशक्तिकरण के लिए प्रशिक्षण शिविर

जोड़ापोखर (ससे) : झारखंड मानव कल्याण सोसाइटी के अध्यक्ष रामा शीश चौहान के नेतृत्व में वंचित समाज की महिलाओं को सशक्तिकरण के लिए प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने के लिए सभी महिलाओं को निमंत्रण कार्ड देते हुए २३ की दोपर ११ बजे बैंक मोड़ गुरु प्लाजा धनबाद में आने की अपील की गई है। शिविर में अगरबत्ती, पापड़, सिलाईकटाई, चूड़ी इत्यादि प्रशिक्षण बेस्ट शिक्षक के द्वारा दिलाया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद लोगों को प्रामाण पत्र देकर सम्मानित करते हुए रोजगार से जोड़ विकसित भारत के निर्माण में सहयोग करेंगे। कार्यक्रम को सफलता के लिए शिव शंकर प्रसाद, रेखा देवी, निर्मला पासवान, नीलम साहनी, पुतल देवी, अनिता वर्णवाल, बबीता महतो, पुष्पांजली कुमारी आदि की सरानीय योगदान रहेगी।

बीमा कार्यकर्ताओं का एलआईसी कार्यालयों में हड़ताल

धनबाद (कासं) : गुरुवार को पूरे देश में एआईआईईए के आह्वान पर नयी बहाली एवं एआईआईईए को मान्यता की मांग को लेकर धनबाद जिले सभी एलआईसी कार्यालय में गुरुवार की दोपहर एक घंटे तक हड़ताल की गयी। इस हड़ताल को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि एलआई सी में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की भारी कमी है। ३१ मार्च २०१७ को तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की संख्या ५७४४१ से घटकर ३१ मार्च २०२४ को ४५७६२ रह गई है। २०२० में अधिसूचित तृतीय श्रेणी के ८००० पदों में से २७०० से अधिक पद विभिन्न कारणों से भरे नहीं जा सके। चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की स्थिति और भी गंभीर है।

भर्ती के माध्यम से इस मुद्दे को हल करने के बजाय, कुछ स्थानों पर चतुर्थ श्रेणी की नौकरियों को पूरी तरह से आउटसोर्स करने का प्रयास किया जा रहा है। अगले कुछ वर्षों में कई कर्मचारियों के जाने के कारण, ग्राहकों की बढ़ती अपेक्षाओं को पूरा करने और पसंदीदा बीमाकर्ता के रूप में अपनी प्रमुख स्थिति को बनाए रखने के लिए भर्ती की तत्काल आवश्यकता है। हम यह भी नोट करना चाहेंगे कि कर्मचारियों की संख्या में तेजी से कमी हमारे घोषित उद्देश्य एक मजबूत भारत के लिए एक मजबूत एलआईसी को साकार करने के रास्ते में सबसे बड़ी बाधा बन रही है। एआईआईईए को मान्यता देने का मुद्दा कर्मचारियों की बहुत लंबे समय से लंबित मांग है। एआईआईईए में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के भारी बहुमत का प्रतिनिधित्व करता है।

एलआईसी सार्वजनिक क्षेत्र में एकमात्र वित्तीय संस्थान है, जिसके पास मान्यता प्राप्त यूनियन नहीं है, जबकि इसके पास सबसे बड़ा यूनियनबद्ध कार्यबल है और एआईआईईए को उनमें से ८० प्रतिशत से अधिक का समर्थन प्राप्त है। हेमंत मिश्रा ने कहा हम प्रबंधन से मांग करते हैं कि एआईआईईए को मान्यता देने की प्रक्रिया तुरंत शुरू की जाए।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -नगेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

लिट्टीचोखा खाकर कश्मीरी छात्रों ने कहा, जोहार

धनबाद (कासं) : करीब १५० कश्मीरी युवा छात्र आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत कोयलांचल पहुंचे। गृह मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से ७ दिन के टूर में कश्मीरी युवा यहां पहुंचे हैं। नेहरू युवा केंद्र के आमंत्रण पर सभी कश्मीरी स्टूडेंट्स ने धनबाद कोलियरी क्षेत्र, मैथन डेम, और तोपचांची झील का भ्रमण किया।

रात्रि में सभी कश्मीरी स्टूडेंट्स विधायक राज सिन्हा की दावत में शामिल हुए। दावत में लिट्टी चोखा खाकर इस डिश की खूब तारीफ की। कश्मीरी युवाओं ने कहा झारखंड की संस्कृति अच्छी है। यहां के लोग अच्छे हैं और हम सभी ने भी जोहार कहना सीख लिया है। उन्होंने कहा कि आर्टिकल ३७० हटने के बाद कश्मीर के अंदर काफी डेवलपमेंट हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि पत्थरबाजी करने वाले और लोगों को भड़काने वाले अब गायब हो गए हैं।

देशभर में एक राज्य से दूसरे राज्य के युवाओं के बीच आपसी समझ बढ़ाने के लिए युवा मामले एवं खेल मंत्रालय द्वारा कश्मीर यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम 'वतन को जानो' के तहत जम्मूकश्मीर के छह जिले श्रीनगर, कुपवाड़ा, पुलवामा, बारामूला, बड़गांव तथा अनंतनाग से कुल डेढ़ सौ कश्मीरी युवा इन दिनों झारखंड दौरे पर हैं।

कश्मीर से आये स्टूडेंट्स ने कहा कि उन्हें झारखंड आकर काफी अच्छा लगा। लोगों का व्यवहार उन्हें काफी पसंद आया. झारखंड की संस्कृति और परंपरा के बारे में जानने का अवसर मिला। यहां उनका अभिवादन जोहार से किया गया. उनलोगो ने भी जोहार कहना सीख लिया है। उन्होंने बताया कश्मीर से धारा ३७० खत्म होने से विकास कार्यों में गति आयी है।

छात्रों ने कहा कि वहां पर और सड़के बनें, कई आईआईटी भी बने जिससे स्टूडेंट्स को उच्च शिक्षा लेने में आसानी होगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा के प्रति सभी जागरूक हुए हैं और अब यहां पत्थरबाज नहीं हैं और जो भड़काने वाले लोग वे थे गायब हो गये हैं।

इनके साथ आए शिक्षक गुलाम हसन ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कश्मीरी युवाओं को झारखंड की संस्कृति के बारे में बताना था। कश्मीर से आने वाले युवाओं को यहां रोजगार की संभावनाओं के बारे में भी बताया गया। कश्मीर के युवाओं को झारखंड के हस्तशिल्प और यहां की आदिवासी कला के बारे में भी जानकारी दी गई। इसी तरह झारखंड के युवाओं के साथ भी कई जानकारियां साझा की जाएंगी।

विधायक राज सिन्हा ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देश में एक भारत श्रेष्ठ भारत का नारा दिया था। उन्हीं के अनुरूप आज देश के प्रधानमंत्री भी इस तरह के आदानप्रदान कार्यक्रम चलाकर एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार करने में लगे है। कश्मीर से आज धारा ३७० हटने के बाद वहां काफी बदलाव हुए हैं। वहां के बच्चे बाहर निकल रहे हैं। विधायक ने कहा कि कश्मीरी स्टूडेंट्स ने सभी को कश्मीर आने का आमंत्रण दिया हैं।

चास नगर कार्यालय पर हल्ला बोल प्रदर्शन

धनबाद (कासं) : गुरुवार को शक्ति सेना प्रमुख प्रदीप बर्मन के नेतृत्व में चास नगर निगम क्षेत्र में सप्लाई पानी फेस २ जल्द से जल्द शुरू करने की मांग को लेकर चास नगर निगम कार्यालय में हल्ला बोल प्रदर्शन किया गया। जबकि कैलाश नगर की जनता पानी की एकएक बूंद के लिए मोहताज है। स्थानीय जनता द्वारा दूरदराज से पानी लाकर अपने घरों में काम चला रहे है; जबकि नगर निगम के अधिकारी के द्वारा होल्डिंग टैक्स के नाम पर कानूनी कार्रवाई करने की बात कही जा रही है। यह बिल्कुल गलत है नगर निगम द्वारा किसी प्रकार का सुविधा जनता को नहीं मिल पा रहा है फिर भी होल्डिंग टैक्स के नाम पर रंगदारी लिया जा रहा है। प्रदीप बर्मन ने कहा कि पानी की समस्या का समाधान जल्द से जल्द नहीं हुआ तो चास नगर नगर निगम में तालाबंदी करने का काम करेंगे।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाग लिए राजकिशोर ठाकुर, आजाद ठाकुर, शिवनारायण प्रसाद, बैजनाथ प्रसाद, मनोज कुमार सिंह, सेवक राम, रेखा देवी, रीना देवी, धन देवी, पूजा कुमारी, रीता देवी आदि शामिल थे।

शो में अश्लील टिप्पणी के बाद इलाहाबादिया ने कंटेस्टेंट से मांगी थी माफी

नई दिल्ली (ईएमएस) : इंडियाज गॉट लैटेंट शो में यूट्यूबर और पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया द्वारा की गई अश्लील टिप्पणी की थी। इस टिप्पणी के बाद से सोशल मीडिया पर लोग अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं और अब मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया। कोर्ट ने रणवीर की टिप्पणी को अश्लील करार देते हुए उन्हें फटकार लगाई और कहा कि उन्हें अपने शब्दों पर शर्मिंदा होना चाहिए। हालांकि कोर्ट ने उनके खिलाफ फिलहाल कोई मामला दर्ज करने की अनुमति नहीं दी है। लेकिन इस घटनाक्रम के बाद शो के एक दर्शक ने खुलासा किया है कि शो के बाद रणवीर ने उस कंटेस्टेंट से माफी मांगी थी।

मुंबई के एक दर्शक ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें खुलासा किया गया है कि वह उस शो में मौजूद थे और देखा कि जब शो खत्म हुआ तो रणवीर ने उस कंटेस्टेंट से कई बार पूछा कि क्या आपको बुरा तो नहीं लगा? उन्होंने बताया कि रणवीर ने कंटेस्टेंट से बारबार यह पूछा कि क्या उसने शो के दौरान की गई टिप्पणी से खुद को असहज महसूस किया है। रणवीर ने शो में अपनी टिप्पणी पर खेद जताते हुए कहा कि वह यह जानने के लिए बहुत चिंतित थे कि वह कंटेस्टेंट इस बात से आहत तो नहीं हुआ है। मौजूद दर्शक ने आगे बताया कि रणवीर ने अपनी टिप्पणी से हुए विवाद के बावजूद अपनी तरफ से पूरी कोशिश की थी कि कंटेस्टेंट को किसी भी तरह का बुरा न लगे। सोशल मीडिया पर रणवीर को लेकर लोगों की प्रतिक्रिया ज्यादातर नकारात्मक थी। इस वीडियो में यह भी साफ बताया गया है कि वह चाहते थे कि लोग यह जानें कि इस एपिसोड में वास्तव में क्या हुआ था। शो में होस्ट का काम यह तय करना होता है कि जब भी वह कोई मजाक करते हैं, तो सामने वाला कंटेस्टेंट सहज महसूस करे और मजाक के दौरान उसे किसी तरह की असहजता का सामना न करना पड़े। कॉमेडी का मकसद हंसी और खुशी फैलाना होता है, लेकिन अगर उसमें आपत्तिजनक बातें शामिल होती हैं, तो वह मजाक नहीं रह जाता।

इस पूरे विवाद के बीच रणवीर इलाहाबादिया ने सोशल मीडिया पर माफी भी मांगी थी और कहा था कि उनका इरादा किसी को आहत करने का नहीं था।

महिलाओं का किया गया बंध्याकरण

धनबाद (कासं) : सदर अस्पताल में गुरुवार को परिवार नियोजन मेगा कैंप का आयोजन किया गया। इसमें महिला बंध्याकरण, अंतरा इंजेक्शन सहित सभी प्रकार की परिवार नियोजन सेवाएं प्रदान की गई। कैंप में अर्बन सहिया के सहयोग से लाभार्थियों को लाया गया। जिसमें ४० महिलाओं का सफलतापूर्वक बंध्याकरण किया गया। मौके पर सिविल सर्जन डॉ चंद्र भानु प्रतापन, नोडल पदाधिकारी डॉ. राजकुमार सिंह, डॉ विकाश राणा, डॉ. संजीव कुमार, लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. निवास राव, एमओआईसी डॉ. अनिता चौधरी, अस्पताल प्रबंधक तबस्सुम नाज, अर्बन कम्युनिटी प्रोसेस मैनेजर गौतम सिंह, परिवार नियोजन काउंसलर प्रीति कुमारी, रणधीर कुमार ताजुद्दीन अंसारी, हीरा लाल रजक, अभिजीत कुमार सिन्हा, मुक्ति रंजन दास, मनीष कुमार, पूजा रानी मंडल, रीता कुमारी, नमलेन बेडिंग, पी.एस.आई. इंडिया के जिला प्रबंधक प्रेम कुमार सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मियों और पैरामेडिकल स्टाफ मौजूद थे।

किशोरियों को दिलाई गई बाल विवाह मुक्त गांव बनाने की शपथ

ठकरास (ससे) : बाल विवाह व बाल यौन हिंसा पर गुरुवार को आंगनबाड़ी केंद्र कोलमुरना में झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट, जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन द्वारा किशोरी मण्डल के साथ गोष्ठी का आयोजन किया गया। किशोरियों को संबोधित करते हुए झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के फील्ड कोऑर्डिनेटर दीपा रवानी ने बाल विवाह प्रतिनिषेध अधिनियम २००६ की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विवाह का सही उम्र लड़का का २१ वर्ष और लड़की का १८ वर्ष की जानकारी दी। उन्होंने किशोरियों से अपील करते हुए कहा कि अगर आपको बाल विवाह की सूचना मिलती है तो सीधे १०९८ में या संस्था को सूचना दें।

झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट की फील्ड कोऑर्डिनेटर चंदा कुमारी ने कहा कि बाल विवाह के नाम पर बच्चियों के साथ शारीरिक व मानसिक शोषण किया जाता है। उन्होंने बाल यौन हिंसा, बाल विवाह के परिणामों को विस्तार से बताया। चंदा ने उपस्थित बालिकाओं को गुड टच एवं बेड टच की जानकारी दी। ताकि बच्चियों को बाल यौन हिंसा से बचाया जा सके। अंत में कोलमुरना गाँव को बाल विवाह मुक्त गांव बनाने की शपथ ली। इस अवसर पर सरिता कुमारी, लवली कुमारी, बिंदिया कुमारी, नेहा कुमारी काजल कुमारी, अंजली कुमारी, पूनम कुमारी, नंदनी कुमारी, सुहानी कुमारी, निशा कुमारी, अष्टमी कुमारी, पूर्णिमा कुमारी, देवंती कुमारी, माही कुमारी, कोमल कुमारी, पायल कुमारी, चांदनी कुमारी, नेहा कुमारी, नवमी कुमारी, कविता कुमारी, पूजा कुमारी, प्रीति कुमारी, सेविका का संगीता राय और सहायिका यशोदा देवी आदि उपस्थित थीं।

आलम व अंसारी के बीच होमोसेक्सुअल संबंध

सूरत (ईएमएस) : गुजरात में सूरत शहर के जीआईडीसी इलाके में स्थित की एक एम्ब्रोडरी फैक्ट्री में पिछले दिनों एक मजदूर की एम्ब्रोडरी मशीन में फंसकर मौत हुई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उन्होंने मजदूर को निकालकर अस्पताल पहुंचाया लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

शुरुआत में मृतक २४ साल के परवेज आलम, कुदुस अंसारी की मौत को आकस्मिक बताने की कोशिश हुई थी लेकिन पुलिस जांच और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने पर मालूम हुई के ये हत्या थी। पुलिस ने हत्या के मामले में मृत मजदूर के ३१ साल के साथी रजबअली जाफिरुद्दीन अंसारी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने बताया कि ८ फरवरी २०२५ की रात को वह कारखाना में काम कर रहा था और सुबह में जब अन्य कारीगर फैक्ट्री में आए, उन्होंने देखा कि परवेज मशीन के पेंटागन में फंसा हुआ है। कारखाने की ग्रिल का दरवाजा अंदर से बंद था। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कटर मशीन से एंब्रायडरी मशीन को काटकर परवेज को बाहर निकाला था। और अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद अंसारी के शव का पोस्टमॉर्टम किया गया था। पोस्टमार्टम में उसकी मौत गला घुटने सामने आई। दूसरी ओर मृतक परवेज अंसारी के भाई ने अपने भाई की हत्या की आशंका जाहिर की थी। पुलिस ने जांच शुरु कर सबसे पहले मृतक के साथ रहने वाले रजबअली अंसारी से पूछताछ की। इस दौरान मृतक का मोबाइल अंसारी पास से मिला था। हालांकि मोबाइल स्विच ऑफ था और अंसारी कह रहा था कि मोबाइल की बैटरी डाउन हो गई है जबकि पुलिस ने मोबाइल को आन किया तब ६० प्रतिशत बैटरी चार्ज थी। इसके बाद पुलिस को शक शुरु हुआ। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज चैक करना शुरु किया। सीसीटीवी के अंदर ८ तारीख की रात को आते और जाते हुए अंसारी कैद हुआ था। पुलिस की शंका यकीन पर बदल गई थी और सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपी अपना गुनाह कबूल लिया था।

कई राज्यों में हो सकती है बारिश

नई दिल्ली (ईएमएस) : भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अगले कुछ दिनों के लिए पूर्वानुमान जारी किया है। आईएमडी के मुताबिक पूर्वोत्तर असम में निचले क्षोभमंडल स्तर पर चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है। २४ फरवरी के बीच अरुणाचल प्रदेश में हल्की बारिश हो सकती है। वहीं अगले सात दिनों में असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भी बारिश हो सकती है। ३०४० किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं भी चल सकती हैं।

कुछ जगहों पर ऐसी स्थिति २३ फरवरी तक रह सकती है। २० फरवरी को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली में भी हल्की बारिश हो सकती है। निचले क्षोभमंडल स्तरों में झारखंड से दक्षिण ओडिशा तक एक द्रोणिका बनी हुई है। इसके प्रभाव में २२ फरवरी के दौरान पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा में आंधी और बिजली के साथ छिटपुट हल्की बारिश की संभावना है।

मौसम विभाग का कहना है कि अगले ४८ घंटों में उत्तर-पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान में करीब २३ डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी और उसके बाद के २ दिनों के दौरान २३ डिग्री सेल्सियस की गिरावट की संभावना है। अगले ४५ दिनों में भारत के बाकी हिस्सों में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव की संभावना नहीं है।

रेलवे स्टेशन पर थूकना व गंदगी फैलाना पड़ेगा मंहगा

मुंबई (ईएमएस) : मुंबई रेलवे स्टेशन और प्लेटफॉर्म पर थूकना और गंदगी फैलाना अब आपको मंहगा पड़ सकता है। पश्चिम रेलवे ने इसतरह के यात्रियों पर सख्त कार्रवाई कर ६ लाख का जुर्माना वसूला है। इतना ही नहीं पश्चिम रेलवे के डिविजनल मैनेजर पंकज सिंह ने जुर्माने की राशि बढ़ाने के संकेत दिए हैं। बता दें कि रेलवे स्टेशन और प्लेटफॉर्म पर पान और गुटखा खाकर थूकने वालों पर २०० से ५०० रुपये तक का जुर्माना लग सकता है। फिलहाल, यात्रियों से इसके तहत जुर्माना वसूला जा रहा है। अब पश्चिम रेलवे ने स्वच्छता पर अधिक जोर देकर जुर्माना राशि बढ़ने के संकेत दे दिए है। 'ऑपरेशन पवित्रा' के तहत पश्चिम रेलवे के कारोबारी विभाग के अधिकारी स्टेशन के सुपरवाइजर से वीडियो कॉल के द्वारा स्वच्छता का जायजा ले रहे हैं। इस बीच, पश्चिम रेलवे ने मुंबई डिविजन के चर्चिट से विरार तक की सफाई के लिए ८ हाउसकीपिंग ठेकेदार कंपनियों की नियुक्ति की है।

पंजाब के पास दूसरे राज्यों को देने के लिए पानी नहीं : सीएम मान

चंडीगढ़ (ईएमएस) : पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बताया कि राज्य के पास किसी भी प्रदेश को देने के लिए एक बूंद भी पानी नहीं है। सीएम मान ने पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के बीच नदी जल विवादों के निपटारे के लिए गठित 'रावी व्यास जल अधिकरण' के समक्ष यह बात कही।

'रावी व्यास जल अधिकरण के अध्यक्ष न्यायमूर्ति विनीत सरन, सदस्यों न्यायमूर्ति पी.नवीन राव और न्यायमूर्ति सुमन श्याम और रजिस्ट्रार रीता चोपड़ा की अध्यक्षता में हुई बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के पास किसी अन्य राज्य के साथ साझा करने के लिए अतिरिक्त पानी नहीं है और अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुसार पानी की उपलब्धता का पुनर्मूल्यांकन आवश्यक है।

'रावी व्यास जल अधिकरण के सदस्य रावी जल प्रणाली के दौरे के लिए पंजाब में हैं। सीएम मान ने बताया कि पंजाब के ७६.५ प्रतिशत ब्लॉक (१५३ में से ११७) अत्यधिक दोहन वाले हैं, जहां भूजल निकासी का स्तर १०० प्रतिशत से अधिक है, जबकि हरियाणा में केवल ६१.५ प्रतिशत ब्लॉक (१४३ में से ८८) अत्यधिक दोहन वाले हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि चूंकि राज्य में अधिकतर नदी जल संसाधन सूख चुके हैं, इसलिए उन्हें अपनी सिंचाई जरूरतों को पूरा करने के लिए अधिक पानी की आवश्यकता है।

शमी का पंजा व गिल का शतक
भारतीय टीम ने बांग्लादेश को 6 विकेट से दी मात

दुबई (एजेंसी) : दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फैसला बांग्लादेश पर भारी पड़ता नजर आया। पूरे ओवर खेले बिना ही बांग्लादेश की टीम २२८ रन (४९.४ ओवर में) पर ढेर हो गई। इसमें तौहीद हृदय (१०० रन) और जाकेर अली (६८ रन) का अहम योगदान रहा। टारगेट का पीछा करते हुए शुभमन गिल के संयमित शतक और रोहित शर्माकेएल राहुल की पारियों ने भारत को ४६.३ ओवर में ६ विकेट से जीत दिला दी। रोहित और राहुल ने ४१-४१ रन बनाए।

टीम इंडिया के उपकप्तान शुभमन गिल ने शानदार बैटिंग करते हुए शतक बनाया. रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग करते उतरे इस युवा बल्लेबाज ने एक छोर संभाले रखा और जीत दिलाकर ही पवेलियन लौटे. दोनों ने पहले विकेट के लिए ६९ रन जोड़े. रोहित शर्मा ४१ रन बनाकर आउट हुए. उनकी पारी में ७ चौके शामिल रहे.

गिल ने १२९ गेंदों में खेली गई १०१ रनों की अपनी पारी में ९ चौके और दो छक्के ठोके. इसके अलावा केएल राहुल ने ४१ रनों की नाबाद पारी खेली, जिसमें एक चौका और दो छक्के भी थे. राहुल के बल्ले से सही विनिंग सिक्स निकला. इससे पहले तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने ५ विकेट लेकर बांग्लादेश को बड़ा स्कोर बनाने से रोका।

बांग्लादेश की पारी एक समय पर पूरी तरह से लड़खड़ा गई थी, जब आधी टीम सिर्फ ३५ रन पर पवेलियन लौट गई. हालांकि, तौहीद हृदय और जाकेर अली ने भारतीय गेंदबाजों का सामना करते हुए न सिर्फ बांग्लादेश को सस्ते में सिमटने से बचाया, बल्कि एक लड़ने लायक स्कोर तक पहुंचाया। लेकिन उनकी इस मेहनत पर पानी फिर गया. इन दोनों के बीच छठे विकेट के लिए १५४ रनों की साझेदारी हुई. जाकेर ६८ रन बनाकर आउट हुए, जबकि तौहीद ने १०० रन बनाए. इसके अलावा टीम का कोई बल्लेबाज ज्यादा देर क्रीज पर नहीं टिक सका. शमी के अलावा भारत के लिए हर्षित राणा ने तीन विकेट लिए, जबकि अक्षर पटेल को दो सफलताएं मिलीं।

इस जीत से भारतीय टीम ने सेमीफाइनल की ओर कदम बढ़ा दिए हैं. उसके अगले दो ग्रुप मैच पाकिस्तान और न्यूजीलैंड से हैं, जो क्रमशः २३ फरवरी और २ मार्च को खेले जाएंगे. पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले जीतते ही टीम इंडिया का सेमीफाइनल में पहुंचना लगभग तय हो जाएगा. भारत-पाकिस्तान मैच का दुनियाभर के क्रिकेट फैंस को भी बेसब्री से इंतजार है।

महाराष्ट्र में खतरनाक स्तर पर पहुंचा साइबर अपराध

मुंबई (ईएमएस) : महाराष्ट्र में साइबर अपराध खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। इससे डिजिटल धोखाधड़ी और ऑनलाइन आपराधिक गतिविधियों को रोकने में राज्य पुलिस की अप्रभावशीलता उजागर हो गई है। दरअसल जितेंद्र घाडगे द्वारा दायर सूचना के अधिकार के तहत हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में साइबर अपराध के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जिसमें वित्तीय धोखाधड़ी सबसे आगे है। यद्यपि इन मामलों की संख्या में वृद्धि हुई है, लेकिन गिरफ्तारी और वित्तीय वसूली के मामले में पुलिस की प्रतिक्रिया अपर्याप्त रही है। २०१६ से अक्टूबर २०२४ तक की वित्तीय धोखाधड़ी रिपोर्ट के अनुसार, २०१६ में २०८५ मामले दर्ज किए गए थे, जबकि अक्टूबर २०२४ तक ६४५० मामले दर्ज किए गए, जिसके परिणामस्वरूप दर्ज मामलों की संख्या में तीन गुना वृद्धि हुई है। वित्तीय धोखाधड़ी साइबर अपराध का सबसे आम प्रकार है। २०२४ (अक्टूबर तक) में ८११ करोड़ रुपये के धोखाधड़ी वाले लेनदेन हुए, जो २०२० में १५५ करोड़ रुपये से काफी अधिक है। फिर भी, चोरी हुए धन की बरामदगी निराशाजनक है। २०२४ में केवल २७.३५ करोड़ रुपये ही बरामद हुए, जो इसी अवधि के दौरान चुराई गई राशि का केवल ३ प्रतिशत है।

यद्यपि साइबर अपराध के मामले बढ़ रहे हैं, लेकिन गिरफ्तारियों की संख्या स्थिर नहीं रही है। आंकड़े बताते हैं कि २०२४ (अक्टूबर तक) में १९९६ की तुलना में २०२२ में केवल ६६७ लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिससे पुलिस कार्रवाई में उल्लेखनीय गिरावट आई है। साइबर अपराधों की पहचान दर में भी कमी आई है। २०२३ में केवल ३३७ मामले पाए गए हैं, जो २०२१ में ९७३ से कम है। महाराष्ट्र में मुंबई, पुणे और ठाणे साइबर अपराध के केंद्र हैं। अकेले २०२४ में, मुंबई में ५४,८३६ से अधिक शिकायतें दर्ज की गईं, जबकि पुणे और ठाणे में क्रमशः २६,३३२ और २३,१४८ शिकायतें दर्ज की गईं। नवी मुंबई और पिंपरीचिंचवड़ में साइबर अपराध की घटनाओं में भी चिंताजनक वृद्धि हुई है।

संपादकीय | मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति...

मुख्य निर्वाचन आयुक्त के चयन को लेकर जैसे कि कयास लगाए जा रहे थे, आखिरकार वही हुआ। विपक्ष मांग करता रहा कि इस पद पर नियुक्ति के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय की सुनवाई तक बैठक को टाल दिया जाना चाहिए। मगर सरकार ने उस मांग को अस्वीकार करते हुए राजीव कुमार की सेवानिवृत्ति से एक दिन पहले ही बैठक बुला ली और नए मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति कर दी गई। अब इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय का जो भी फैसला आएगा, उसका बहुत मतलब नहीं रह जाएगा। नए मुख्य निर्वाचन आयुक्त को पदोन्नत किया गया है। मगर विपक्ष इसे उचित नहीं मान रहा।

दरअसल, पिछले कुछ समय से जिस तरह निर्वाचन आयोग के कामकाज और उसकी कर्तव्यनिष्ठा को लेकर सवाल उठते रहे हैं, उसमें नए निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति को लेकर सरकार की हड़बड़ी संदेह की गुंजाइश पैदा करती है। संवैधानिक पदों पर नियुक्ति में पारदर्शिता की अपेक्षा स्वाभाविक है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति में निष्पक्षता की मांग इसलिए उठती रही है कि इसी संस्था से लोकतंत्र की रक्षा का भरोसा बनता है। पिछले कुछ वर्षों में निर्वाचन आयुक्तों के सरकार की मंशा के अनुरूप काम करने, मतदाता सूची और मतदान मशीनों में गड़बड़ी कराने, मतदान संबंधी ब्योरों में तालमेल न होने आदि के गंभीर आरोप लगते रहे हैं। इसीलिए मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति में निष्पक्ष व्यवस्था की गुहार लगाते हुए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया गया था।

हालांकि यह पहली बार नहीं है, जब भारत निर्वाचन आयोग के कामकाज के तरीके पर सवाल उठ रहे हैं। पहले भी सरकार पर अपनी पसंद के व्यक्ति को इस पद की जिम्मेदारी सौंपने का आरोप लगा है। प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति इस पद पर नियुक्ति करते थे। मगर जब निर्वाचन आयोग के कामकाज में पारदर्शिता धुंधली होने लगी, तो इस नियुक्ति प्रक्रिया को अदालत में चुनौती दी गई थी। तब सर्वोच्च न्यायालय ने व्यवस्था दी थी कि प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और प्रधान न्यायाधीश की तीन सदस्यों वाली समिति इस पद पर नियुक्ति करेगी।

मगर सरकार ने उस व्यवस्था को पलट कर कानून बना दिया कि तीन सदस्यों में एक सदस्य प्रधान न्यायाधीश की जगह एक केंद्रीय मंत्री होगा। इसी पर स्थगन की याचिका दायर की गई है, जिस पर सुनवाई होनी है। अगर सरकार सचमुच इस पद की निष्पक्षता को लेकर गंभीर होती, इस संस्था की स्वायत्तता को मूल्यवान समझती, तो शायद इतने विवादों के बावजूद इस पद पर नियुक्ति की ऐसी जल्दबाजी न दिखाती। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव संवैधानिक संकल्प है। यह तभी संभव हो सकता है, जब निर्वाचन आयुक्त स्वायत्त और निष्पक्ष ढंग से काम कर सके। अगर उसका झुकाव किसी दल विशेष या सत्तपक्ष की तरफ होगा, तो इसका असर चुनाव नतीजों पर नजर आएगा। स्वायत्तता के साथ-साथ यह मांग भी लगातार उठती रही है कि निर्वाचन आयोग को एक नखदंत विहीन संस्था के बजाय अधिकार संपन्न संस्था बनाया जाना चाहिए, जो आचार संहिता के उल्लंघन आदि के मामले में कठोर कार्रवाई कर सके।

मगर ऐसा कोई चुनाव नहीं गुजरता, जब निर्वाचन आयोग पर गंभीर आरोप नहीं लगते। सबसे अधिक तो मतदान मशीनों को लेकर सवाल उठते हैं। मगर इस शंका के निवारण के लिए कोई भरोसेमंद तरीका नहीं निकाला गया। ऐसे में मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति में परस्पर सहमति की अपेक्षा स्वाभाविक है।

सवाल स्मार्टफोन का नहीं स्मार्ट नजरिये का है !

तकनीक को लेकर बहस हर काल में चलती रही है. एक वर्ग तकनीक का स्वागत करता है तो दूसरा वर्ग उस तकनीक के दुष्प्रभाव को लेकर चिंतित नजर आता है. यह स्वाभाविक भी है. किसी भी तकनीक का स्वागत भी होना चाहिए और उसके दुष्प्रभाव को कम करने के लिए जरूरी है कि आलोचनात्मक स्वर भी उठें. समस्या तब होती है जब हम बगैर किसी दुष्प्रभाव की चिंता किए उस तकनीक को अपने जीवन का ऐसा हिस्सा बना लेते हैं जिसकी वास्तव में जरूरत होती नहीं है. मसलन आप स्मार्टफोन का उदाहरण ले सकते हैं. निश्चित रूप से स्मार्टफोन ने जिंदगी को स्मार्ट बना दिया है. इतनी सहूलियतें घोल दी हैं कि हम एक उपकरण में ढेर सारी खूबियां समेटे घूम रहे होते हैं. अब तो किसका फोन कितना स्मार्ट है, इसकी होड़ लगी रहती है. कंपनियां हर साल कोई न कोई मॉडल लेकर आ जाती हैं. लोगों की क्रय क्षमता बढ़ी है इसलिए ये स्मार्टफोन खूब बिक भी रहे हैं. यहां तक अब सामान्य श्रमिकों के हाथ में भी स्मार्टफोन नजर आता है, भले ही वह सेकेंडहैंड ही क्यों न हो! स्मार्टफोन इस कदर सुलभ हो जाने का दुष्परिणाम यह हुआ है कि रील और वीडियो की एक नई पौध खड़ी हो गई है. आपको जानकर आश्चर्य होगा कि जो दुधमुंहा बच्चा अभी अपने पैरों पर खड़ा नहीं हुआ है और न स्पष्ट रूप से बोल पा रहा है, वह भी स्मार्टफोन को देखकर मुस्कुराने लगता है. हाथ में स्मार्टफोन थामने के लिए मचलने लगता है. उससे थोड़ा बड़ा बच्चा स्मार्टफोन चलाने का उपक्रम करने लगता है. चिंता की बात यह है कि माता-पिता इससे चिंतित नहीं हो रहे हैं बल्कि वे दूसरों को बताते भी हैं कि उनका बच्च भले ही अभी बोल नहीं सकता लेकिन फोन संचालित करने लगा है. दरअसल स्मार्टफोन उस बच्चे के लिए प्रारंभिक रूप से तो खिलौना है लेकिन वीडियो की दुनिया उसे कब अपने आगोश में ले लेती है, इसका अंदाजा भी नहीं हो पाता है. स्कूल पहुंचते-पहुंचते तो बच्चों को स्मार्टफोन की लत लग चुकी होती है. यह स्थिति पूरी दुनिया में है. जब उसे स्मार्टफोन की लत लग जाएगी तो जाहिर सी बात है कि पढ़ाई में व्यवधान पैदा होगा. इससे निपटने के लिए दुनिया के कई देशों ने स्कूलों में स्मार्टफोन लाने पर प्रतिबंध लगाया हुआ है. इसे लेकर कुछ शोध भी हुए हैं कि यदि बच्चे के पास स्मार्टफोन है या नहीं है तो उससे पढ़ाई में क्या फर्क पड़ रहा है. ब्रिटेन, बेल्जियम और स्पेन में यह तथ्य उभर कर सामने आया है कि जिन स्कूलों ने स्मार्टफोन पर रोक लगाई, वहां पढ़ाई के नतीजों में काफी सुधार हुआ है. लेकिन यह सिक्के का एक पहलू है. दूसरा पहलू यह भी है कि स्मार्टफोन पर जानकारियों का खजाना भरा हुआ है. एक क्लिक पर न जाने कितनी जानकारियां सामने आ जाती हैं. कोविड महामारी के दौरान तो दूरस्थ शिक्षा का यह सबसे बेहतरीन मॉडल भी बन गया था. महत्वपूर्ण बात यह है कि इस संबंध में एक समग्र नीति तैयार करने की जरूरत है. भारत में इसे लेकर फिलहाल बहस तो हो रही है लेकिन कोई नीति निर्धारित नहीं हुई है. ज्यादातर लोग यही कह रहे हैं कि स्कूलों में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध होना चाहिए लेकिन इसे लेकर हमारे पास शोध का डाटा नहीं है. पहले हमें हर पहलू का विश्लेषण करना होगा. इसमें सबसे महत्वपूर्ण यह है कि बच्चों तक स्मार्टफोन के माध्यम से कौन सा डाटा पहुंचना चाहिए और कौन सा नहीं पहुंचना चाहिए. और इसका क्रियान्वयन कैसे होगा.

आज का कार्टून

महाकुंभ में बढ़ रहे हैं संक्रमण के मामले
एनजीटी ने जताई चिंता

भारत-चीन की रणनीति और अमेरिकी एकाधिकार को चुनौती

जिस तरह भारत-चीन की सरकारों ने इधर अंतरिक्ष अभियानों के संचालन और सेमीकंडक्टर के उत्पादन और फिर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में नवाचारों को प्रश्रय दिया है, उससे तस्वीर बदलने लगी है। इसी का एक नतीजा डीपसीक आर-1 के रूप में निकला है, जिसने अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों की नींद उड़ा दी है। अभी तक माना जा रहा था कि अमेरिकी कंपनियों-ओपनएआइ, गूगल और फेसबुक आदि ने चैटजीपीटी, जेमिनी, को-पायलट और मेटा एआइ के रूप में जो 'एआइ टूल' बनाए हैं, उन्हें कोई उल्लेखनीय चुनौती दुनिया के किसी कोने से नहीं मिलेगी, लेकिन डीपसीक आर-1 ने भरोसा जगा दिया है कि इस क्षेत्र में अमेरिकी-यूरोपीय कंपनियों के एकछत्र साम्राज्य में सेंध लगाई जा सकती है और एक विकासशील देश भी अपने मामूली संसाधनों के बल पर समान या ज्यादा क्षमता हासिल कर सकता है।

अभिषेक कुमार सिंह

प्रौद्योगिकी का एक अलिखित नियम यह है कि वह जिस जगह सबसे कम लागत और सर्वश्रेष्ठ दक्षता के साथ तैयार होती है, पूरी दुनिया अपनाने के लिए उसी तरफ दौड़ पड़ती है। जैसे, एक दौर था जब दुनिया में आइटी प्रतिभाओं की बात होती थी, तो हर कोई भारतीय मेधा का सम्मान करता था। यह रुतबा आज तक कायम है। इसी का असर है कि अमेरिकी सत्ता पर दोबारा काबिज डोनाल्ड ट्रंप ने रोजगार में आप्रवासियों के योगदान में कटौती करने के इरादे से एच1-बी वीजा में तब्दीली के संकेत दिए, तो अमेरिकी कंपनियां ही विरोध करने लगीं। इसलिए कि आइटी तकनीक और इंजीनियरिंग के मामले में आज भी अमेरिका-यूरोप में भारतीयों की तूती बोलती है। एच1-बी वीजा पर पाबंदियां लगती हैं, तो अमेरिकी कंपनियां मेहनती भारतीय युवाओं से वंचित हो सकती हैं।

कुछ ऐसी ही स्थिति इन दिनों कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) के क्षेत्र में दिखाई दे रही है। नवंबर 2022 में जबसे अमेरिकी कंपनी 'ओपनएआइ' ने 'चैटजीपीटी' के नाम से नया 'टूल' विकसित किया, तो माना जाने लगा कि दुनिया के किसी और देश को इसका मुकाबला करने या इसकी बराबरी करने में ही कई दशक लग सकते हैं, लेकिन यह मिथक करीब सवा दो साल में ही टूट गया। एक चीनी कंपनी ने डीपसीक आर-1 बना कर न सिर्फ चैटजीपीटी के सामने नई चुनौती पेश कर दी, बल्कि लागत और इस्तेमाल की बेहद कीमत के आधार पर यह साबित कर दिया कि कोई जरूरी नहीं कि विज्ञान-तकनीक के सारे आविष्कार अब अमेरिकी या यूरोपीय जमीन पर हों। इसमें चीन और भारत जैसे देश भी नया करिश्मा कर सकते हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में नया ढांचा बनाने के लिए देश के बजट में प्रावधान किए गए हैं, उससे लगता है कि भारत में भी इसकी रफ्तार बढ़ेगी। वित्तमंत्री ने देश में एआइ की शिक्षा पर खास ध्यान देने की योजना के तहत 'एआइ सेंटर आफ एक्सीलेंस' का प्रस्ताव दिया है। इसके लिए आबंटित 500 करोड़ रुपए, 2023-24 के बजट में आबंटित 255 करोड़ रुपए से करीब दोगुना है। यह कदम देश को एआइ शिक्षा में अग्रणी शक्ति बनाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण पहल माना जा सकता है। लेकिन चर्चा चीनी एआइ डीपसीक आर-1 की है। इसने चैटजीपीटी को इस मामले में पछाड़ दिया है कि यह उससे दहाई लागत में तैयार हुआ है और उपयोग के लिए तकरीबन मुफ्त उपलब्ध है।

चीन ने हाल के वर्षों में नई पीढ़ी की प्रौद्योगिकी से संबंधित वैज्ञानिक और इंजीनियर तैयार करने में जो तेजी दिखाई है, उससे इस देश के आगे निकल जाने की संभावना बन रही है। यह आकलन अब 'डीपसीक आर-1' और चीनी कारोबारी जैकमा की कंपनी- अलीबाबा की ओर से तैयार किए गए 'एआइ चैटबाट क्वेन 2.5 मैक्स' के साथ बिल्कुल सही साबित हो गया है। यही नहीं, इसी अध्ययन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भारत के प्रयासों को भी रेखांकित किया गया था। इसमें लिखा गया था कि चीन की तरह ही भारत में भी अब एआइ से जुड़े शोधकर्ताओं को अच्छा माहौल मिल रहा है और वे देश में ही रह कर तकनीक-प्रौद्योगिकी की इस नई जमीन पर नई इबारत लिखने की कोशिश कर रहे हैं।

एक बड़ा प्रश्न है कि आखिर यह जरूरी क्यों है कि भारत-चीन जैसे देश कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लेकर अंतरिक्ष के उन अभियानों पर अधिक संसाधन खर्च करें, जिनमें अमेरिका-यूरोप या कहें कि पश्चिमी देश काफी तरक्की कर चुके हैं। खुले वैश्विक कारोबार का कायदा तो यह कहता है कि अगर कोई चीज दुनिया के किसी बाजार में सहजता से उपलब्ध है, तो उसे पैदा करने में संसाधन और ऊर्जा झोंकने की कोई जरूरत नहीं है, बल्कि बाजार में उपलब्ध सामान को अपनी जरूरत के हिसाब से खरीद लेना चाहिए। दाल, अनाज, कपड़ों, दवाओं से लेकर तमाम चीजों को लेकर यही नियम अपनाया जाता है, लेकिन तकनीक और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत-चीन की सक्रियता और तेजी का आखिर कोई तो मतलब होगा। यह बेवजह तो नहीं होगा कि ये दोनों मुल्क अंतरिक्ष में चांद-मंगल की दौड़ लगा रहे हैं, तो जमीन पर एआइ से लेकर सेमीकंडक्टर की फैक्टरी बनने पर आमादा हैं।

जिस तरह भारत-चीन की सरकारों ने इधर अंतरिक्ष अभियानों के संचालन और सेमीकंडक्टर के उत्पादन और फिर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में नवाचारों को प्रश्रय दिया है, उससे तस्वीर बदलने लगी है। इसी का एक नतीजा डीपसीक आर-1 के रूप में निकला है, जिसने अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों की नींद उड़ा दी है। अभी तक माना जा रहा था कि अमेरिकी कंपनियों-ओपनएआइ, गूगल और फेसबुक आदि ने चैटजीपीटी, जेमिनी, को-पायलट और मेटा एआइ के रूप में जो 'एआइ टूल' बनाए हैं, उन्हें कोई उल्लेखनीय चुनौती दुनिया के किसी कोने से नहीं मिलेगी, लेकिन डीपसीक आर-1 ने भरोसा जगा दिया है कि इस क्षेत्र में अमेरिकी-यूरोपीय कंपनियों के एकछत्र साम्राज्य में सेंध लगाई जा सकती है और एक विकासशील देश भी अपने मामूली संसाधनों के बल पर समान या ज्यादा क्षमता हासिल कर सकता है।

डीपसीक कैसे गरीब और विकासशील देशों के मामले में एक मिसाल बन सकता है, इसकी गवाही अमेरिका में इसके पहुंचने की खबरों के साथ ही देखने को मिली है। जब पता चला कि डीपसीक लागत और उपयोग में चैटजीपीटी से कई गुना सस्ता और मुफ्त है, तो अमेरिकी शेयर बाजारों में हड़कंप मच गया। इसकी असल वजह यही है कि अमेरिकी कंपनियों को अब एआइ में अपना एकाधिकार खत्म होता दिख रहा है। इससे यह भी साबित हुआ कि तकनीक के आविष्कार और उसे आजमाने की जो लागत तथा कीमत अमेरिकी कंपनियां बताती रही हैं, वे बढ़ा-चढ़ा कर बताई गई हैं।

बताया गया कि ओपनएआइ ने चैटजीपीटी को जिस लागत में बनाया था, डीपसीक के निर्माण की लागत उससे दस गुना कम आई है। इससे साबित हुआ है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले वही काम सस्ते में या फिर मुफ्त में हो सकते हैं, जिनके लिए अमेरिकी कंपनियां दस गुना ज्यादा पैसा लेती रही हैं। हालांकि डीपसीक एक चीनी आविष्कार है और टिकटाक और पबजी से लेकर चीनी उपकरणों के जरिए जिस तरह डेटा चोरी के आरोप चीनी कंपनियों पर लगते रहे हैं, उन्हें देखते हुए डीपसीक को लेकर सतर्कता बरतने की जरूरत बनती है।

भारत को इस संबंध में सावधानी बरतने के साथ-साथ यह कोशिश भी करनी होगी कि ऐसे तकनीकी और प्रौद्योगिकी आधारित आविष्कारों के भारतीय संस्करण जितनी जल्दी हो सकें, तैयार किए जाएं, ताकि उपभोक्ताओं की निजी जानकारियां देश से बाहर जाने से रुक सकें। ऐसा करना इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि ग्राहकों की निजी जानकारियों की चोरी से दुनिया भर से साइबर जालसाजी की जाती रही है। एआइ से बराबरी करने में अभी कोई देरी इससे जुड़े ढांचे को लेकर हो सकती है।

अकेलेपन का बढ़ता जाल, सामाजिक अलगाव की चुनौती

अब महत्वपूर्ण सवाल यह है कि इस तरह की स्थितियां क्यों बन रही हैं। आज का मनुष्य, जो अपने आप को सबसे ज्यादा आधुनिक समझ रहा है, उसे इस इस समस्या का कितना अहसास है। सच यह है कि तकनीक की दुनिया में गुम होते जा रहे ज्यादातर लोग इस पर गौर नहीं कर पा रहे हैं कि उनकी जिंदगी किस अंधेरे की ओर बढ़ रही है। वे शायद आधुनिकता के मतलब को नहीं समझ पा रहे है। आधुनिकता का मतलब सामूहिकता से है, न कि गंभीरता और निजता के नाम पर बढ़ रहे ऐसे अकेलेपन से, जो भीतर ही भातर इंसान को खोखला कर दे या फिर खा जाए।

अमित चमड़िया

कुछ समय पहले आई एक खबर के मुताबिक पिछले पांच वर्षों में पचास वर्ष की उम्र के बाद तलाक के मामलों में दोगुनी बढ़ोतरी हुई। अकेले इंदौर शहर में जनवरी, 2023 के बाद करीब पौने दो वर्ष के भीतर करीब ढाई सौ मामले सामने आए। तलाक हमारे समाज में कोई असामान्य बात नहीं है, लेकिन अगर चालीस या पचास वर्ष साथ रहने के बाद पति और पत्नी के बीच ऐसी नौबत आ रही हो तब यह बात थोड़ी अचंभित करने वाली जरूर है। जब इन मामलों का विश्लेषण किया गया तो पता चला कि 'घोंसला सिंड्रोम' यानी 'खाली घर' उम्रदराज पति-पत्नी के बीच तलाक की बड़ी वजह है। ज्यादातर मामलों में इन बुजुर्गों के बच्चों के बाहर दूर किसी शहर में या फिर विदेश में बस जाने या फिर बच्चों का मां-पिता का साथ छोड़ देने की वजह से बुजुर्ग पति-पत्नी को दुख और अकेलेपन का सामना करना पड़ता है और उससे उपजी पीड़ा को झेलना पड़ता है। अकलेपन के कारण उनकी दिनचर्या में आने वाले नोकझोंक तलाक तक पहुंच जा रहे हैं। आश्चर्य की बात यह है कि ज्यादातर मामलों में तलाक सहमति से हो रहे है।इसी संदर्भ में देखें तो दूसरी खबर अमेरिका से आई, जिसमें 'फ्रेंड होर्डिंग' नाम के नए चलन वहां के समाज में देखे जा रहे हैं। इस 'फ्रेंड होर्डिंग' का मतलब यह है कि लोग अपने दोस्त को दूसरे दोस्तों से नहीं मिलने दे रहे हैं। इसकी वजह यह बताई गई कि लोगों में कई तरह का असुरक्षाबोध और दोस्तों को खोने का डर है। हालांकि लोगों का मानना है कि दोस्ती में असुरक्षा और डर एक सामान्य मानवीय भाव हैं, लेकिन आधुनिक दौर की जीवनशैली और सोशल मीडिया के प्रभाव से और यह लगातार गहरा होता गया है।

लोगों में कहीं न कहीं यह डर भी है कि दोस्त के खोने से उनके जीवन में अकेलापन आ जाएगा। दूसरी तरफ, अपने दोस्त को दूसरे दोस्त के न मिलने देने की वजह से भी कुछ लोग अकेलेपन के शिकार हो रहे हैं। यह स्थिति अभी भारत में नहीं आई है, लेकिन खासतौर पर शहरों में जैसे हालात पैदा हो रहे हैं, उसमें इसकी संभावना बहुत ज्यादा हैं। यह किसी से छिपा नहीं है कि अब ज्यादातर रिश्ते आभासी मंचों पर ही तय किए और निभाए जा रहे हैं।

मौजूदा दौर में वर्तमान समाज में संबंधों के मामले में सबसे ज्यादा बदलाव की वजह तेजी से बढ़ता-पसरता अकेलापन है। इंसान ने तकनीक का आविष्कार अपने फायदे और सुविधा के लिए किया है, लेकिन आभासी दुनिया के चलते समाज में ज्यादातर अभौतिक बदलाव की दिशा नकारात्मक है। इंटरनेट पर लोग अलग-अलग समूहों से जुड़े हुए जरूर नजर आते हैं, लेकिन इस तरह के जुड़ाव का कोई ठोस आधार नहीं होता हैं।

ये जुड़ाव केवल चंद 'लाइक' और हल्की-फुल्की टिप्पणियों तक ही सीमित रहते हैं। अमेरिकी साइकेट्रिक एसोसिएशन की एक रपट के अनुसार, अमेरिका में हर तीसरा व्यक्ति अकेलापन का शिकार है। यह आंकड़ा युवाओं में अधिक है और तेजी से बढ़ रहा है। भारत के युवाओं के बीच भी यह समस्या तेजी से पांव पसार रही है।

हालांकि इस समस्या की गंभीरता को चिह्नित और विश्लेषित किया गया है और इस अकेलेपन के कारण उत्पन्न प्रभाव को कम करने के प्रयास भी हो रहे हैं। इसी तरह के एक प्रयोग की खबर अमेरिका से आई, जिसमें 'प्रोजेक्ट गैदर' को अपनाया गया है। इस प्रयास में लोग सामूहिक भोज का आयोजन कर रहे हैं, जिसमें अपने समूह के लोगों को उनके बचपन में भोजन प्रिय थे, उसी को भोज में शामिल किया जाता है।

इससे न केवल सामूहिकताबोध में मजबूती आती है, बल्कि भावनात्मक स्तर पर भी लोग एक दूसरे से जुड़ते हैं। इसका मकसद भी यही है। इस तरह बचपन का पसंदीदा भोजन परोसने के पीछे यह भी सोच है कि इसके बहाने हम अपनी-अपनी दादी-नानी और मां को याद कर पाएंगे, क्योंकि बचपन में हमारी पसंद का खयाल वही रखती थीं। स्वाद की यह साझा संस्कृति उन्हें खुशी दे रही है और लोग आपस में जुड़ कर बेहतर महसूस कर रहे हैं। इसी तरह के एक अन्य प्रयास का नाम 'कनेक्शन कल्चर' रखा गया है। वहां के लोगों का मानना है कि अकेलेपन से जीत इसी तरह के प्रयासों से मिलेगी।

भारत में भी अकेलेपन से निजात पाने के लिए इस तरह की कई कोशिश हो रही हैं। इसमें एक प्रयास केरल के कोट्टायम के करीब हो रहा है, जहां एक साथ आसपास दो कमरों के कई घर बनाए गए हैं, जिनमें किसी घर में रसोईघर नहीं हैं। इनमें ज्यादातर बुजुर्ग पति-पत्नी डाक्टर, इंजीनियर और अन्य पेशे से जुड़े रहे हैं। इन घरों के समूह के सिद्धांत हैं- 'अपना काम खुद करें और जो असमर्थ हैं, सब उनकी मदद करें'। खाना बनाने के लिए दो रसोइए का इंतजाम किया गया। मन बहलाने के लिए कई स्तर पर अच्छा-खासा इंतजाम किया गया है।

अब महत्त्वपूर्ण सवाल यह है कि इस तरह की स्थितियां क्यों बन रही हैं। आज का मनुष्य, जो अपने आप को सबसे ज्यादा आधुनिक समझ रहा है, उसे इस इस समस्या का कितना अहसास है। सच यह है कि तकनीक की दुनिया में गुम होते जा रहे ज्यादातर लोग इस पर गौर नहीं कर पा रहे हैं कि उनकी जिंदगी किस अंधेरे की ओर बढ़ रही है। वे शायद आधुनिकता के मतलब को नहीं समझ पा रहे है। आधुनिकता का मतलब सामूहिकता से है, न कि गंभीरता और निजता के नाम पर बढ़ रहे ऐसे अकेलेपन से, जो भीतर ही भातर इंसान को खोखला कर दे या फिर खा जाए। इस बात को सबको समझने की जरूरत हैं, खासकर युवाओं को।

सर्वोत्तम प्रथाओं को सीखने के लिए कार्यशाला का आयोजन

बोकारो (ससे): मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में परियोजना निष्पादन में सर्वोत्तम प्रथाओं को सीखने और साझा करने के लिए दो दिवसीय इन्ज कार्यशाला का शुभारम्भ हुआ. कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रँगानी, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) सी आर मिश्रा, अधिशासी निदेशक (परियोजनाएँ) अनीष सेनगुप्ता के साथ वरीय अधिकारीगण उपस्थित थे. कार्यशाला में डीएसपी, आईएसपी, बीएसपी, आरएसपी, कॉर्पोरेट कार्यालय और बीएसएल सहित सेल की विभिन्न इकाइयों के कुल ३० प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला में संकाय के रूप में आईएसपी के पूर्व अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) एके दासगुप्ता, ने अपने परियोजना निष्पादन के अनुभवों को सभी प्रतिभागियों के साथ साझा किया.

मुख्य महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) मनीष जलोटा ने मुख्य अतिथि तथा सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा कार्यक्रम के रूपरेखा के बारे में विस्तृत जानकारी दी. तत्पश्चात अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) श्री अनीष सेनगुप्ता ने कहा कि पुरे सेल में बड़े पैमाने पर आधुनिकीकरण का काम प्रस्तावित है तथा ऐसे में इस कार्यशाला के आयोजन से पूरे संगठन को लाभ होगा. अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) सी आर मिश्रा ने इस कार्यशाला को उपयोगी बताया. अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी ने ऐसे समसामयिक विषय पर इन्ज कार्यशाला आयोजित करने के लिए ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग को बधाई दी और सभी को इसका पूरा लाभ उठाने का आह्वान किया.

अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) श्री सुरेश रँगानी ने अपने सम्बोधन में प्रतिभागियों से कराधान मामलों, डीपीएमएस एवं अन्य विषयों को पर विचार-मंथन करने के लिए प्रेरित किया. कार्यक्रम का समन्वयन श्री राजेश कुमार, उप महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) के द्वारा किया गया.

निर्धारित तिथियों पर उपस्थित रहेंगे चिकित्सक व कार्यालय कर्मी

बोकारो (ससे): उपायुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार जिले के सभी प्रखंडों में दिव्यांगता जांच - पेंशन शिविर का आयोजन किया जाएगा।

उक्त शिविर में क्षेत्र के योग्य लाभुकों का शत-प्रतिशत पेंशन स्वीकृति (मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन, मुख्यमंत्री राज्य निराश्रित महिला सम्मान पेंशन योजना, स्वामी विवेकानन्द नि:शक्त स्वावलम्बन प्रोत्साहन योजना एवं पीड़ित व्यक्ति सहायतार्थ पेंशन) एवं स्वीकृत पेंशनधारियों का जिन्हें किसी कारणवश पेंशन भुगतान नहीं हो पा रहा है, का त्रुटि निराकरण संबंधित आवेदनों का जाँचों परांत नियमानुसार निष्पादन किया जायेगा।

साथ ही, शिविर में स्वामी विवेकानन्द नि:शक्त स्वावलम्बन प्रोत्साहन योजना से आच्छादित करने हेतु पेंशन फॉर्म भी उक्त शिविर में भरा जायेगा। शिविर में दिव्यांग प्रमाण-पत्र भी जांच कर जारी किया जाएगा।

ईश्वरीय विश्वविद्यालय ने मनाया शिव जयंती महोत्सव

डुमरी (ससे): प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की राजयोग केन्द्र इसरीबाजार में गुरुवार को ८९वां शिव जयंती महोत्सव मनाया गया।मुख्य अतिथि के रूप में बीके जूली दीदी बीके योगेश्वर भाई,बीके सरीता बहन

पूर्व प्रमुख यशोदा देवी आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की।इस दौरान जूली दीदी ने शिवरात्रि एवं शिव की महिमा पर प्रकाश डाला।उन्होंने कहा कि राजयोगिनी ब्रह्माकुमारियों ने यह साबित कर दिखाया है कि यदि नारी को मौका मिले तो वह पुरुषों से बेहतर कर सकती है।अदम्य साहस,शक्ति व सामर्थ्य से पूर्ण होती हैं स्त्रियां।

कहा कि ब्रह्माकुमारियों के त्याग और तपस्या का परिणाम है कि आज अध्यात्म की गूंज सारे विश्व में सुनाई दे रही है.हर कोई ध्यान की पद्धति सीखने-समझने व आत्मसात करने के लिए लालायित है। आत्मा को परमात्मा से मिलाने में ब्रह्माकुमारियों की शांति दूत बनकर जन-जन को जगा रही हैं। कहा कि वर्तमान में देश दुनिया में तेजी से बदल रहे घटनाक्रम, मानवीय प्रवृत्तियां, भौगोलिक वातावरण सब बदलाव का इशारा कर रही हैं.हर चीज इतनी अति में जा रही है जिनका वर्णन शास्त्रों तक में नहीं है.यह सब परिस्थितियां इशारा कर रही हैं कि परमात्मा के अवतरण का यही उचित समय है।

इस दौरान भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिसमें राजयोग केन्द्र इसरीबाजार से जुड़े बच्चियों ने एक से बढ़कर एक भक्तिमय गीत व नृत्य एवं नाट्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन लालमणि भाई ने किया। मौके पर दिलीप भाई, हेमलाल भाई, सौरभ भाई, मान सिंह भाई, रोहित भाई, किशोर भाई रिया बहन, उर्मिला बहन,हीना बहन प्रीती बहन, आस्था, लक्ष्मी, मिसु, गंगा बहन, अंशु गायत्री मधुबिता लक्ष्मी, पूजा बहन,पुष्पा बहन, मालती बहन, सरिता बहन, प्रमीला बहन, शुध्दा बहन, बबिता बहन, रेखा मंजु, मीणा, शिव प्रसाद भाई, शोभा बहन, पियुष भाई, बलदेव भाई, ज्योति बहन आदि सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

प्रश्न पत्र लीक होने के बाद दसवीं की परीक्षा रद्द

कोडरमा (ससे): जैक बोर्ड की दसवीं की परीक्षा में हिंदी और साइंस के प्रश्न पत्र लीक होने के बाद जैक बोर्ड ने दसवीं की परीक्षा को रद्द कर दिया है और इसके तार कोडरमा और गिरिडीह से जुड़े होने के कारण इन दोनों जिला प्रशासन से जैक बोर्ड ने स्पष्टीकरण मांगा है. दरअसल दो दिन पहले जैक बोर्ड एग्जामिनेशन क्वेश्चन पेपर २०२५ के नाम से एक व्हाट्सएप ग्रुप क्रिएट किया गया था. इसमें एक स्कैनर का इस्तेमाल करते हुए छात्रों से प्रश्न पत्र देने के एवज में ३५० की मांग की जा रही थी. इस ग्रुप में जुड़ने के लिए इस ग्रुप का लिंक दूसरे सोशल मीडिया साइट्स पर वायरल किया गया और देखते ही देखे उसे लिंक के जरिए क्वेश्चन पेपर वाले ग्रुप से १००० से ज्यादा लोग जुड़ गए.

ग्रुप से जुड़ने के बाद जिन लोगों ने क्वेश्चन पेपर की डिमांड की उससे पहले उनसे बारकोड पर ३५० रुपए मंगाया गया. उसके बाद उनके पर्सनल नंबर पर उत्तर समेत क्वेश्चन पेपर पीडीएफ में भेजा गया और पैसे मिलने के बाद उसे पीडीएफ को खोलने का पासवर्ड उक्त विद्यार्थी या उसके अभिभावक को दिया गया. आज जब साइंस का परीक्षा खत्म होने के बाद कोडरमा के दो अलग-अलग स्कूलों में जब इसकी पड़ताल की गई तो छात्राओं ने क्वेश्चन पेपर से हूबहू मिलते हुए क्वेश्चन पेपर मिलने की बात की पुष्टि की और बताया कि इसी तरह का क्वेश्चन पेपर सोशल मीडिया के अलग-अलग साइट्स पर वायरल हो रहा था.

हालांकि कुछ बच्चे पर सीधे तौर पर इस बात की पुष्टि नहीं कर रहे थे, लेकिन पूछे जाने पर वायरल क्वेश्चन पेपर से आज मिले क्वेश्चन पेपर के हूबहू होने की बात भी स्वीकार की. मामला संज्ञान में आने के बाद कोडरमा के शिक्षा विभाग के आला अधिकारी के अलावा डीसी मेघा भारद्वाज से संपर्क नहीं हो पा रहा है. वहीं दूसरी तरफ जानकारी मिलने के बाद जैक बोर्ड ने दसवीं की परीक्षा को रद्द करते हुए, कोडरमा और गिरिडीह जिला प्रशासन से स्पष्टीकरण मांगा है.

भाजपा नेता के निधन पर शोक व्यक्त

डुमरी (ससे): भाजपा नेता बाबुल प्रसाद गुप्ता के निधन पर स्थानीय भाजपाईयों ने शोक व्यक्त किया है। भाजपा के वरीय नेता प्रशांत जायसवाल ने बताया कि दिवंगत नेता पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष भी रहे थे साथ ही १९९० में गिरिडीह विधानसभा क्षेत्र से चुनाव भी लड़ चुके थे जबकि पार्टी के संगठन में उनकी अच्छी पकड़ थी।

वहीं भाजपा नेता इन्द्रजीत जायसवाल ने बताया कि वे हमारे अभिन्न मित्र थे पार्टी व समाज को अपूर्णीय क्षति हुई है। उनके अध्यक्ष काल मैंने उनके साथ जिला प्रवक्ता का दायित्व निभाया था।शोक व्यक्त करने वालों में भाजपा नेता कैलाश पंडित, प्रदीप जैन, बजल हेम्ब्रम, जिवाधन महतो, अमिताभ जायसवाल, निर्मल जायसवाल, कृष्णकांत शर्मा, सुरेन्द्र कुमार, शिवकुमार सिन्हा, दीपक श्रीवास्तव, केदार महतो आदि शामिल हैं।

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की हैट्रिक पर प्राचार्य ने दी बधाई

बोकारो (ससे): डीपीएस (दिल्ली पब्लिक स्कूल) बोकारो के विद्यार्थियों ने एक बार पुनः राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मेधाविता एवं वैज्ञानिक प्रतिभा का लोहा बनवाया है। नॉलेज एंड अवेयरनेस मैपिंग प्लेटफॉर्म (केएएमपी) की ओर से आयोजित राष्ट्रीय वैज्ञानिक अभिरुचि एवं प्रवृत्ति मूल्यांकन परीक्षा (एनएएसटीए) में लगातार तीसरे साल डीपीएस बोकारो का दबदबा झारखंड में बरकरार रहा। इस वर्ष छात्र-छात्राओं ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए स्टेट ही नहीं, नेशनल टॉपरों में भी अपना नाम दर्ज कराने में कामयाबी पाई है। वहीं, कुल २९ छात्र-छात्राएं सफल रहे। नेशनल असेसमेंट फॉर साइंटिफिक टेम्परामेंट एंड एप्टीट्यूड (एनएएसटीए) - २०२४ में पांचवीं कक्षा के छात्र अक्षत प्रियदर्शी को नेशनल टॉपर रैंक-२ के साथ सर्टिफिकेट ऑफ आउटस्टैंडिंग परफॉर्मेंस प्रदान किया गया है।

उसे ओवरऑल ग्रेड ए प्लस मिला तथा नेशनल अवॉर्ड कैटेगरी के लिए चयनित किया गया। इसके अलावा, विद्यालय की छठी कक्षा के छात्र आदित्य राज, पांचवी के अनिकेत सिंह एवं चौथी कक्षा के ध्रुव श्रीवास्तव ने रैंक- १ के साथ संबंधित कैटेगरी में स्टेट टॉपर होने का गौरव हासिल किया। वहीं, कक्षा ७ की छात्रा अंशुला श्री भी रैंक- २ के साथ स्टेट टॉपरों में शामिल रहीं। सभी स्टेट टॉपरों को सर्टिफिकेट ऑफ स्टेट एक्सीलेंस दिया गया है। इन सभी विद्यार्थियों को जल्द ही नई दिल्ली बुलाकर सम्मानित किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि बीते ०७ दिसंबर, २०२४ को आयोजित एनएएसटीए- २०२४ में देशभर के लगभग एक हजार स्कूलों के कक्षा ३ से १२ तक के लाखों विद्यार्थियों ने भाग लिया था। इसका परिणाम बुधवार शाम को जारी किया गया।

परीक्षा में उक्त विद्यार्थियों के अलावा कक्षा ३ की प्राणिद्य कुमारी मिश्रा, शैलजा शान्वी, अथर्व कश्यप, कक्षा- ४ के हर्षित ठाकुर, रुद्र व गेडेला वेदांतिका, कक्षा ५ के आरव रंजन, शिवराज शेखर, प्रसून भूषण, कक्षा ६ से अंसुरी साधु, शिवांश प्रधान, सजग सूर्यांश पाडेय, कक्षा ७ के आदित्य भारद्वाज, अभिज्ञान, दिव्यांश वर्मा, कक्षा ८ के आदित्य लाल, अथर्व कुमार, यशस्वी कुमार, नौवीं कक्षा से पहल लता, रौनक राज, ऋषभ राज, कक्षा ११ के ऋषित शां, ऋद्धिम गुप्ता एवं आयुष सुमन ने भी सफलता पाई है। बता दें कि केएएमपी-एनएएसटीए वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग, भारत सरकार के अंतर्गत सीएसआईआर (काउंसिल फॉर साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च) तथा एनआईएसपीआर (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस कम्युनिकेशन पॉलिसी रिसर्च) की एक महत्वपूर्ण पहल है। एनएएसटीए का उद्देश्य छात्रों में वैज्ञानिक प्रवृत्ति को पहचानना और उसे प्रोत्साहित करना है, जो कि केएएमपी के अर्थपूर्ण शिक्षा और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देने से संबंधित मिशन का हिस्सा है। यह छात्रों के वैज्ञानिक गुणों का मूल्यांकन करता है, जिसमें पहचान, अवलोकन, वर्गीकरण, समस्या समाधान, सटीकता, पूर्वानुमान, आलोचनात्मक सोच और व्याख्या जैसे आठ प्रमुख वैज्ञानिक गुण शामिल हैं।

एनएएसटीए में लगातार तीसरे साल शानदार प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने नेशनल व स्टेट टॉपरों के साथ-साथ सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि डीपीएस बोकारो अपने छात्र-छात्राओं के शैक्षणिक, वैज्ञानिक एवं सर्वांगीण विकास को लेकर कटिबद्ध है। इसी का परिणाम है कि विज्ञान एवं तकनीक से संबंधित विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय परीक्षाओं में यहां के विद्यार्थियों ने न केवल अपने स्कूल, बल्कि अपने शहर और राज्य का नाम भी गौरवान्वित किया है।

उन्होंने बताया कि केएएमपी-एनएएसटीए का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक एवं तकनीकी स्वभाव की पहचान करते हुए, एवं उन्हें संरक्षित कर भारत को विज्ञान, तकनीक एवं मानवता के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्वकर्ता बनाना है। विदित हो कि पिछले लगातार तीन वर्षों से डीपीएस बोकारो के विद्यार्थी एनएएसटीए में राज्य में अव्वल स्थान प्राप्त करते आ रहे हैं।

रेलवे संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई

नई दिल्ली- पटना (एजेंसी): १० फरवरी को मधुबनी रेलवे स्टेशन पर अनियंत्रित यात्रियों ने ट्रेन संख्या १२५६१ स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस (एक्स. जयनगर-नई दिल्ली) के एसी कोच की ७३ खिड़कियों को क्षतिग्रस्त कर दिया और रेल यात्रियों में अफरा-तफरी का माहौल पैदा कर दिया। इस बर्बरतापूर्ण कृत्य के जवाब में, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), पूर्व मध्य रेलवे ने अपराध संख्या १६८/२०२५ के तहत रेलवे अधिनियम की धारा १४५ (बी), १४६, १५३ और १७४ (ए) के तहत मामला दर्ज करके त्वरित कार्रवाई की।

आरपीएफ की एक विशेष टीम का गठन अपराधियों की पहचान के लिए किया गया। विशेष टीम द्वारा पूछताछ के दौरान, सूत्रों से तथा तकनीकी साक्ष्यों के माध्यम से जानकारी एकत्रित की गई, जिसके परिणामस्वरूप एक किशोर की पहचान की गई तथा उसे गिरफ्तार किया गया, जो घटना में संलिप्त पाया गया। उसने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है तथा पश्चाताप व्यक्त किया है। इस मामले की जांच सक्रिय रूप से चल रही है, ताकि तोड़फोड़ की अन्य समान घटनाओं में संलिप्त अन्य व्यक्तियों की पहचान की जा सके तथा उन्हें गिरफ्तार किया जा सके। रेलवे की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने/नुकसान पहुंचाने वाले उपद्रवियों के खिलाफ आरपीएफ सख्त कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। रेलवे की संपत्ति एक राष्ट्रीय संपत्ति है, तथा रेलवे की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का कोई भी कृत्य अवैध है। यात्रियों की सुरक्षा तथा रेलवे के बुनियादी ढांचे की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आरपीएफ ने राज्य सरकार तथा जीआरपी अधिकारियों के साथ समन्वय में आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था की है। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ आरपीएफ ऐसी गैरकानूनी गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। हम जनता से आग्रह करते हैं कि वे गैरकानूनी गतिविधियों तथा ऐसे कार्यों में शामिल होने से बचें, जिनसे सार्वजनिक सुरक्षा को खतरा हो।

भागलपुर में ताबड़तोड़ छापामारी, आतंकी कनेक्शन की आशंका

भागलपुर,(ईएमएस) : भागलपुर में एनआईए की टीम ने बुधवार को भीखनपुर निवासी नजरे सद्दाम के घर पर छापामारी की। यह छापामारी देश विरोधी ताकतों से तार जुड़े होने के आरोप में की गई है। छापामारी में जाली नोटों के काले कारोबार से जुड़े दस्तावेज और विस्फोटकों से जुड़ी जानकारियां हैं। एनआईए की टीम को पाकिस्तानी एजेंटों से तार जुड़े होने के साक्ष्य भी मिले हैं।

आज,बुधवार को दिल्ली, पटना से पहुंची निक की टीम ने भागलपुर के इशाकचक थाना क्षेत्र के भीखनपुर स्थित घर में छापेमारी की। बड़ी मस्जिद लाइन स्थित घर पर मो सफदर्म के पिता मो मसीह जमा समेत के परिवार के अन्य सदस्य मौजूद मिले। जिन्हें टीम के पदाधिकारी ने अलग-अलग पूछ-ताछ की है । वहीं पूछ-ताछ के तलाशी के क्रम में जाली नोटों के काले कारोबार से जुड़ी कई दस्तावेज समेत विस्फोटकों से जुड़ी जानकारियां भी टीम को हाथ लगी है।

आज बुधवार की सुबह ही भीखनपुर बड़ी मस्जिद लाइन पर मेरी को लेकर मोहल्ले में खलबली वाली स्थिति बनी हुई है। लोग घरों की छत पर खड़े हो तरह-तरह की बातें करते दिख रहे हैं । भागलपुर के वरीय पुलिस अधीक्षक हृदयकांत ने ईशाकचक थाना अध्यक्ष इंस्पेक्टर मृत्युंजय कुमार को पुलिस टीम के साथ रेड में सहयोग करने के लिए लगाया था। जहां एक पुलिस जवानों से भरी बस के अलावा स्थानीय पुलिस की तीन गाड़ियां भी छापेमारी में लगाई गई थी।

स्थानीय स्तर पर पूर्व में छपी मैरी को लेकर पथराव आदि की पूर्व की घटना को देखते हुए सख्त सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं।

नजरे नेपाल के गोरेगांव से संतोष सहनी से रुपए लेकर कश्मीर के अनंतनाग के सरफराज को रुपए की डिलीवरी करता था। इस काम में वह कई दोस्तों को भी शामिल कर रखा था । सरफराज उन रूपों का कश्मीर की वीडियो में उग्रवादी गतिविधियों में इस्तेमाल करता था। नजरे सद्दाम का दोस्तों को मुमताज से भी पूर्व में ए एन आई के पदाधिकारी ने उग्रवादी गतिविधियों के संचालक को लेकर कई अहम जानकारियां पूछ-ताछ में ले चुकी है।

सीएम नीतीश के नेतृत्व में चुनावी समर में कूदने का ऐलान

पटना (एजेंसी): दिल्ली चुनाव में प्रचंड जीत हासिल करने के बाद बीजेपी ने आखिरकार सीएम चेहरा घोषित कर दिया है. पार्टी आलाकमान ने दिल्ली की शालीमार बाग विधानसभा सीट से विधायक बनीं रेखा गुप्ता को दिल्ली की कमान सौंपने का ऐलान किया है. बुधवार (१९ फरवरी) को हुई विधायक दल की बैठक में रेखा गुप्ता को नेता चुन लिया गया है. वह आज यानी गुरुवार (२० फरवरी) को सीएम पद की शपथ ग्रहण करेंगी. ५० साल की रेखा गुप्ता, दिल्ली की चौथी महिला सीएम बनेंगी. इससे पहले वह दक्षिण दिल्ली नगर निगम की मेयर भी रह चुकी हैं. दिल्ली के बाद अगला नंबर बिहार का है. बिहार में एनडीए ने एक बार फिर से सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनावी समर में कूदने का ऐलान किया है. दिल्ली में रेखा गुप्ता की ताजपोशी के बाद नीतीश कुमार की उम्र को लेकर एक बार फिर से चर्चा शुरू हो गई है.

बता दें कि दिल्ली फतह के साथ ही देश के २१ राज्यों में इगझ या छऊ की सरकार हो गई है. एनडीए के सभी मुख्यमंत्रियों में बिहार के सीएम नीतीश कुमार सबसे बुजुर्ग मुख्यमंत्री हैं. १ मार्च १९५१ को बिहार के नालंदा जिले के बख्तियारपुर में जन्मे नीतीश कुमार ७४ साल बसंत देख चुके हैं, मतलब नीतीश कुमार ७४ साल के हो गए हैं. नीतीश कुमार के बाद आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू का नंबर आता है. चंद्रबाबू नायडू भी ७४ साल के हैं, लेकिन नीतीश कुमार से एक महीने छोटे हैं. इस लिस्ट में त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साह तीसरे नंबर आते हैं. माणिक साह की उम्र ७२ साल है. इसके बाद गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र भाई पटेल ६२ साल के हैं.

बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव अक्सर नीतीश कुमार की बढ़ती उम्र को मुद्दा बनाते रहते हैं. हालांकि, इसके बाद भी नीतीश कुमार भी काफी मेहनत करने में जुटे हैं.

महाकुंभ में अब तक 57.08 करोड़ श्रद्धालु कर चुके स्नान

प्रयागराज (ईएमएस): प्रयागराज महाकुंभ का गुरुवार को ३९वां दिन है। मेला खत्म होने में ६ दिन और शेष हैं। सुबह १० बजे तक ५१ लाख ८० हजार श्रद्धालु डुबकी लगा चुके हैं। १३ जनवरी से अब तक ५७.०८ करोड़ श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। गुरुवार को भी महाकुंभ में भीड़ है। संगम तट पर भीड़ न हो, इसलिए पुलिस श्रद्धालुओं से स्नान करके वहां से हटने की अपील कर रही है। गुरुवार सुबह से भी संगम आने वाले सभी रास्तों पर ८ से १० किमी तक श्रद्धालुओं की भीड़ है। शहर के बाहर की पार्किंग में ही वाहनों को रोका जा रहा है। वहां से शटल बस और ई-रिक्शा से श्रद्धालु महाकुंभ में पहुंच रहे हैं। प्रयागराज प्रशासन का अनुमान है कि शुक्रवार से महाकुंभ में भीड़ और ज्यादा बढ़ेगी।

चर्चित छात्र अटल पांडेय हत्याकांड में दो और को उमक्रैद

पटना (ईएमएस): गोपालगंज जिले विजयीपुर के चर्चित छात्र अटल पांडेय हत्याकांड में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश-१० मानवेंद्र मिश्र की कोर्ट ने गुरुवार को दो और अभियुक्तों को दोषी पाकर उम्रकैद की सजा सुनाई। इसके साथ ही डेढ़-डेढ़ लाख रुपये का अर्थदंड का आदेश दिया है।

एडीजे कोर्ट ने कोरया गांव के रामकेवल मांझी के पुत्र सिकंदर मांझी उम्र २५ और राम बली यादव के पुत्र राकेश यादव उम्र ३२ को हत्या में दोषी पाकर सश्रम आजीवन कारावास एवं प्रत्येक अभियुक्त के ऊपर एक-एक लाख रुपये अर्थदंड की सजा और धारा-३०७ के तहत अभियुक्तों को १०-१० वर्ष का कठोर कारावास एवं ५०-५० हजार रुपया अर्थदंड की सजा मुकर्रर किया है।

डॉ. पंकज सिंह के लिए भावनात्मक पल

पटना (ईएमएस) : दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की ऐतिहासिक जीत के बाद नई सरकार का गठन हुआ है। गुरुवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शपथ ली, साथ ही छह विधायकों को भी मंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसमें बिहार के बक्सर जिले के मूल निवासी और विकासपुरी विधानसभा सीट से विजयी डॉ. पंकज सिंह भी शामिल हैं। उनके मंत्रिमंडल में शामिल होने से बिहार, खासकर बक्सर के लोगों में उत्साह देखा जा रहा है। डॉ. सिंह का पैतृक गांव बक्सर जिले के धरौली में स्थित है। वे एमसीडी के पूर्व कमिश्नर स्व.राजमोहन सिंह के बेटे हैं। राजनीति में आने से पहले उन्होंने प्रशासनिक क्षेत्र में भी अहम भूमिका निभाई थी। डॉ. पंकज सिंह के लिए यह सफलता भावनात्मक रूप से भी खास रही, क्योंकि हाल ही में उनकी मां सीता सिंह का १८ फरवरी को निधन हो गया था। १९ फरवरी को अंतिम संस्कार के बाद २० फरवरी को उन्होंने मंत्री पद की शपथ ली। इस मौके पर उनके छोटे भाई नीरज सिंह ने कहा, आज अगर मां जिंदा होतीं,

कार्यालय, प्रभारी न्यायाधीश (प्रशासन) व्यवहार न्यायालय, बोकारो

सूचना

निर्देशानुसार, श्री मुकेश कुमार दास, पिता–स्व० राजेन्द्र कुमार दास, अनुसेवक, नजारत, व्यवहार न्यायालय, बोकारो के विरूद्ध विभागीय कारवाई गठित की गई थी, जिसमें आपको दोषी पाते हुए माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के कार्यालय आदेश संख्या 55/2025 दिनांक 30.01.2025 के द्वारा आपको व्यवहार न्यायालय, बोकारो के अनुसेवक पद से सेवा विमुक्त किया जाता है।

सूचनार्थ।

आदेशानुसार
प्रभारी न्यायाधीश (प्रशासन)
व्यवहार न्यायालय, बोकारो

PR 346827 (Law)24-25*D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

ई–पुनर्निविदा सूचना संख्या – RDD/SD/BOKARO/53/2024-25/RE

1. कार्य की विस्तृत विवरणीः

क्र० सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	बोकारो जिला अंतर्गत चास प्रखण्ड के तेतुलिया मौजा एवं एन०एच०–23 बारी को–ऑपरेटिव मोड़ के बीच गरगा नदी पर पुराने पुल के बगल में उच्चस्तरीय पुल निर्माण। (लम्बाई 76.18 मी०)	40755600.00	815500.00	10000.00	18 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 03.03.2025
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 03.03.2025 से दिनांक 24.03.2025 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, बोकारो।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 26.03.2025 अपराह्न 02:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 06542 291060 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो।

PR.NO.346871 Rural Development(24-25):D

वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्त्तन विभाग, झारखण्ड सरकार धनबाद वन प्रमंडल

निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि धनबाद वन प्रमंडल, धनबाद के अन्तर्गत अंतिम रूप से अधिहरित वाहनों (जिसमें आज तक किसी न्यायालय में अपील की सूचना नहीं है) को जहाँ है, जिस स्थिति में है, के आधार पर बिक्री हेतु मुहरबन्द लिफाफे में निविदा आंमत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, अग्रधन की राशि सहित पूरी तरह मुहरबन्द लिफाफे में दिनांक 28 फरवरी 2025 को 10.00 बजे पूर्वाहन से 1.00 बजे अपराहन तक प्रमंडलीय कार्यालय में समर्पित की जाएगी। प्राप्त निविदा 28 फरवरी 2025 को प्रमंडलीय कार्यालय में निविदादाता या उनके प्रतिनिधि के समक्ष 2.00 बजे अपराहन में खोली जायेगी।

निलामी हेतु अधिहरित सूचीवद्ध वाहनों के मालिक या संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि इस न्यायालय द्वारा पारित राज्यसात आदेश के विरूद्ध सुनवाई हेतु किसी न्यायालय/अपीलीय न्यायालय में विचाराधीन हो या वाहन के निलामी से आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के सात दिनों के अन्दर अपना दावा स्वंय अथवा अधिवक्ता के माध्यम से साक्ष्य के साथ कार्यालय अवधि में प्रस्तुत करेगें, जो नहीं प्राप्त होने की स्थिति में यह समझा जाएगा कि किन्हीं को अधिहरित वाहन की निविदा द्वारा विक्री करने पर कोई आपत्ति नहीं है। निविदा द्वारा वाहन विक्री किये जाने के पश्चात किसी भी वाहन पर प्रस्तुत दावा मान्य अथवा स्वीकार्य नहीं होगा।

अधिक जानकारी के लिए इस नं0 **0326-2313385, 8271520926** पर संपर्क करें

निलामी हेतु वाहनो की सूची

क0सं0	वाहन का प्रकार	निबंधन सं0/ईजन सं0, चेचिस सं0	राज्यसात वाद संख्या	स्थान/कार्यालय प्रांगण, जहाँ वाहन रखा हुआ है।
1	2	3	4	5
1	ट्रक	UP78N/9751	34/2000	तोपचाँची परिसर
2	ट्रेकर	JH10C/6169	20/2003	तोपचाँची परिसर
3	डम्फर	BH6/1899	02/2009	राजगंज क्षेत्रिय कार्यालय
4	ट्रक	JH02M1305	01/2019	राजगंज क्षेत्रिय कार्यालय
5	टाटा ट्रक	WB51A9878	08/2021	राजगंज क्षेत्रिय कार्यालय
6	मोटरसाईकिल	JH10AN6641	16/2022	राजगंज क्षेत्रिय कार्यालय
7	मोटरसाईकिल	JH11E6266	16/2022	राजगंज क्षेत्रिय कार्यालय
8	पीकअप वैन	MAIZN2GHKEIL84436, EngineNo- GHEIL68037	06/2016	टुण्डी प्रक्षेत्र कार्यालय
9	ट्रक	JH11E4161	03/2018	टुण्डी प्रक्षेत्र कार्यालय
10	ट्रक	JH02J2709	02/2018	टुण्डी प्रक्षेत्र कार्यालय
11	ट्रक	WB67/1242	32/2003	स्थाई पौधशाला आमाघाट
12	पीकअप वैन	JH10Z3761	01/2016	शहरी वानिकी प्रक्षेत्र कार्यालय
13	सोनालिका ट्रेक्टर ट्रेलर सहित	JH10AP2074	03/2016	स्थाई पौधशाला आमाघाट
14	पीकअप वैन	JH10AT2884	12/2016	शहरी वानिकी प्रक्षेत्र कार्यालय
15	जे0सी0बी0	WB22U6527	02/2020	शहरी वानिकी प्रक्षेत्र कार्यालय
16	इन्डोफार्म ट्रैक्टर ट्रेलर सहित	Engine No- 0323401577MY	05/2021	स्थाई पौधशाला आमाघाट
17	टाटा मैजिक	JH10BN1335	11/2022	शहरी वानिकी प्रक्षेत्र कार्यालय
18	टाटा मैजिक	JH02H6827	03/2013	राजगंज क्षेत्रिय कार्यालय
19	टेम्पू	JH10U6810	04/2013	राजगंज क्षेत्रिय कार्यालय
20	टाटा मैजिक	JH10V5414	02/2014	राजगंज क्षेत्रिय कार्यालय
21	टाटा मैजिक	JH10AG3308	10/2014	राजगंज क्षेत्रिय कार्यालय
22	टाटा मैजिक	JH09M9025	01/2018	राजगंज क्षेत्रिय कार्यालय
23	ट्रैक्टर	JH10AF8542	01/2014	टुण्डी प्रक्षेत्र कार्यालय
24	टाटा 407	BR17G9161	04/2014	टुण्डी प्रक्षेत्र कार्यालय
25	टाटा मैजिक	BJH10N0335	09/2014	महाराजगंज परिसर
26	ट्रैक्टर	Chasis No- 00650543901, Engine No- SCPLDS110	11/2016	टुण्डी प्रक्षेत्र कार्यालय
27	टाटा मैजिक	JH10AE8819	05/2013	शहरी वानिकी प्रक्षेत्र कार्यालय परिसर
28	ट्रक	BHW8549	05/2015	स्थाई पौधशाला आमाघाटा
29	टाटा मैजिक	JH10Q8308	02/2016	स्थाई पौधशाला आमाघाटा

धनबाद वन प्रमंडल, धनबाद के अन्तर्गत अंतिम रूप से अधिहरित वाहनों (जिसमें आज तक किसी न्यायालय में अपील की सूचना नहीं है) को जहाँ है, जिस स्थिति में है, के आधार पर बिक्री हेतु मुहरबन्द लिफाफे में निविदा आंमत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, अग्रधन की राशि सहित पूरी तरह मुहरबन्द लिफाफे में दिनांक 28.02.2025 को 10.00 बजे पूर्वाहन से 1.00 बजे अपराहन तक प्रमंडलीय कार्यालय में समर्पित की जाएगी। प्राप्त निविदा दिनांक 28.02.2025 को प्रमंडलीय कार्यालय में निविदादाता या उनके प्रतिनिधि के समक्ष 2.00 बजे अपराहन में खोली जायेगी। किसी भी वाहन के लिए अर्पित उच्चतम मूल्य/उच्चतम निविदा की राशि स्वीकार करने के लिए अधोहस्ताक्षरी बाध्य नहीं हैं और उसे बिना कोई कारण बताये बिक्री से वापस लेने या रद्द करने के लिए सक्षम होगें। निविदा में उच्चतम अर्पित मूल्य करने वाले निविदादाताओं को स्वीकृति के पश्चात अग्रधन की राशि जमा कर ली जाएगी, जो कि बडे वाहनों के लिए 5000/– रूपाये और छोटे वाहनों के लिए 2000/– रूपये है। सफल निविदादाताओं को नियमानुसार वाहन का पूरी राशि (सभी लागू करों सहित–GST) 15 दिनों के अन्दर बैंक ड्राफ्ट द्वारा जमा करना होगा। यदि सफल निविदादाता निर्धारित समय के अन्तर्गत पूरी राशि जमा नही करते है तो उनके द्वारा जमा अग्रधन राशि बिना कोई कारण बताये जप्त कर ली जायेगी। इस बिक्री से संबंधित कोई भी न्यायिक मामला झारखण्ड राज्य के अन्तर्गत ही किया जा सकेगा।

निविदादाताओं को अग्रधन की राशि मुहरबन्द लिफाफे में निविदा के साथ बैंक ड्राफ्ट, वन प्रमंडल पदाधिकारी, धनबाद वन प्रमंडल, धनबाद के पदनाम से भुगतेय हो, जमा करना होगा। असफल निविदादाताओं को अग्रधन की राशि तुरंत वापस कर दिया जायेगा। सफल निविदादाताओं द्वारा जमा अग्रधन की राशि वाहन के मूल्य में समायोजित कर दी जायेगी। इच्छुक निविदादाता निविदा देने के पूर्व किसी भी दिन कार्यालय अवधि में वाहन का उसके स्थान पर निरीक्षण कर सकते है। प्रत्येक वाहन के लिए अलग–अलग विहित निविदा प्रपत्र में अग्रधन का बैंक ड्राफ्ट के साथ देना होगा। निविदा प्रपत्र अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस को 200/– (दो सौ) रूपये जमा कर निविदा प्रकाशन की तिथि के उपरान्त प्राप्त किए जा सकते है। निविदादाता डाक द्वारा भी निविदा भेज सकते है, बशर्ते कि विहित निविदा प्रपत्र, अग्रधन की राशि सहित पूरी तरह मुहरबन्द लिफाफे में दिनांक 27.02.2025 को 5.00 बजे अपराहन् तक अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्राप्त हो जाय। निर्धारित समय के बाद प्राप्त निविदाएँ अमान्य समझा जायेगा। निविदाकार द्वारा कोई भी शर्त डालना मान्य नहीं होगा और निविदा अस्वीकृत कर दिया जायेगा। निविदादाताओं द्वारा अर्पित किए गये उच्चतम मूल्य जो कि आरक्षित राशि से ऊपर हो, वही मान्य होगा एवं निविदा समर्पित करने का अर्थ, इस निविदा सूचना तथा अनुबंध के सभी शर्तो को मानना समझा जायेगा। विस्तृत जानकारी के लिए कार्यावधि के दिन अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में सम्पर्क किया जा सकता है।

वन प्रमंडल पदाधिकारी
धनबाद।

PR 346872 (Forest, Environment and Climate Changes) 24-25 (D)

प्रगति यात्रा में नालंदा पहुंचे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

नालंदा (एजेंसी): मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज प्रगति यात्रा के तहत नालंदा पहुंचे. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नालंदा वासियों को ८२० करोड़ रुपए की योजनाओं की सौगात दी. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ८२० करोड़ रुपए की १७७ योजनाओं का उद्घाटन और ८६ योजनाओं का शिलान्यास किया. नीतीश कुमार सबसे पहले नालंदा के सिलाव प्रखंड के नानन्द ग्राम पहुंचे. जहां उन्होंने जल-जीवन-हरियाली योजना से जीर्णोद्धार किए गए पोखर का लोकार्पण किया. साथ ही उन्होंने सामाजिक उत्थान पार्क, खेल मैदान, सामुदायिक भवन का उद्घाटन किया. इसके अलावा विभिन्न विभागों के स्टॉल का अवलोकन, जिला अंतर्गत विभिन्न विकास से संबंधित रिमोट के माध्यम से उद्घाटन एवं शिलान्यास तथा जीविका दीदियों को पर्यटन हेतु संचालित किये जाने वाले नाव की चाभी प्रदान की.

सीएम नीतीश कुमार ने महादलित बस्ती का भ्रमण किया साथ ही प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत १५ महादलित परिवारों को घर की चाभी भी सौंपी. खेल मैदान, सामुदायिक भवन का निरीक्षण एवं विभिन्न विभागों के स्टॉल का निरीक्षण किया साथ ही जीविका दीदियों से संवाद भी किया. मुख्यमंत्री इसके बाद पंचाने नदी लेपट कैनाल परियोजना स्थल पर पहुंचे एवं प्रस्तावित पंचाने सिंचाई योजना के पुनरुत्थान कार्य का अवलोकन किया. नवनिर्मित राजकीय अन्य पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय उच्च विद्यालय, सब्बैत का उद्घाटन एवं रोबोटिक्स लैब एवं उपकरण का अवलोकन तथा विद्यालय का भ्रमण किया.

मुख्यमंत्री फिर सिलाव प्रखंड अंतर्गत मोहनपुर मत्स्य बीज उत्पादन केंद्र पर पहुंचे और मत्स्य पालन की नई तकनीकों का अवलोकन तथा मत्स्य बीज के वितरण किया. फिर राजगीर कुण्ड परिसर पहुंचे नवनिर्मित यात्री विश्राम भवन का उद्घाटन किया एवं कुण्ड परिसर का संपूर्ण विकास के लिए बनाई गयी योजना के प्रस्तुतीकरण का अवलोकन किया. राजगीर कुंड परिसर से रोप-वे के पास नवनिर्मित पार्किंग स्थल पहुंचे और नवनिर्मित पार्किंग स्थल पहुंचे और पार्किंग स्थल का अवलोकन किया. फिर बिद १२+ कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, बिद, जिला-नालंदा पहुंचे एवं विद्यालय का उद्घाटन किया.

सीएम ने बिद गोल के पास बेनार सकसोहरा पीडब्ल्यूडीत पथ के चौड़ीकरण एवं निर्माण हेतु प्रस्तावित योजनाओं एवं समस्याओं का अवलोकन किया. फिर सोहसराय हॉल्ट के पास रिंग रोटरी निर्माण हेतु प्रस्तावित स्थल पर पहुंचे एवं निरीक्षण किया.

इसके अलावा बढी पहाड़ी पहाड़ हल्ली के मारा निर्मित आरोग्यम उद्यान पहुंचे एवं उद्घाटन किया. वहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नालंदा में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक की समीक्षा बैठक के बाद कई बड़ी घोषणा उन्होंने की.

बिहार में अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है : तेजस्वी

नवादा (एजेंसी) : राजद नेता तेजस्वी यादव ने नवादा के सर्किट हाउस में जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया, जहां उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि बिहार में अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है और सरकार इसे रोकने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है. तेजस्वी ने बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर एक बुलेटिन भी जारी किया, जिसमें उन्होंने अपराध की घटनाओं के आंकड़े पेश किए.

तेजस्वी यादव ने अपने संबोधन में बिहार में हाल ही में हुई आपराधिक घटनाओं पर चर्चा की और सरकार की कानून व्यवस्था को पूरी तरह फेल बताया. उन्होंने कुंभ स्नान के दौरान बिहार के श्रद्धालुओं की हुई मौत का मुद्दा भी उठाया और सरकार द्वारा की गई लापरवाहियों की ओर इशारा किया. उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से जिस तरह की टीमें गठित की गई हैं, उनमें कई खामियां हैं, जिससे जनता को नुकसान उठाना पड़ रहा है.

इस कार्यक्रम में राजद के कई नेता शामिल हुए, जिनमें गोविंदपुर विधायक मोहम्मद कामरान, जिला अध्यक्ष उदय यादव और प्रदेश सचिव श्रीवण कुशवाहा मौजूद रहे. हालांकि, नवादा विधानसभा की विधायक विभा देवी और रजौली के विधायक प्रकाश वीर इस पूरे कार्यक्रम से अनुपस्थित रहे. जब तेजस्वी यादव से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने इसे राजद का आंतरिक मामला बताते हुए कहा कि इसे पार्टी स्तर पर सुलझा लिया जाएगा.

लालटेन युग खत्म हो चुका है, बिजली का युग आया : भाजपा

कैमूर (एजेंसी): कैमूर जिले के सर्किट हाउस भभुआ पहुंचे बिहार बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने लालू यादव और उनके परिवार पर जोरदार हमला बोला है. उन्होंने कहा कि लालू यादव और उनका परिवार फादर ऑफ क्राइम है. वहीं माई बहन योजना पर उन्होंने कहा कि इस देश में सबसे ज्यादा मुफ्त बांटने वाले अरविंद केजरीवाल थे जनता ने नकार दिया तो इनको भी जनता नहीं पूछने वाली है. लालू यादव के राज में अपहरण के मामले सीएम आवास से सुलझा करते थे यह उनके परिवार के सदस्य ने ही पोल खोल के रख दिया है.अब लालटेन युग खत्म हो चुका है बिजली का युग आया है.

कैमूर में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि २००५ तक विपक्ष के शासनकाल में लूट अपहरण हत्या जैसी घटनाएं हो रही थी. अब उनके रिश्तेदार भी खुलकर बोल रहे हैं कि मुख्यमंत्री के आवास से अपहरण का समझौता होता था. बिहार की जनता माले और राजद जैसे नक्सली और मानसिकता के लोगों का समर्थन करने वाले लोग हैं और जो लोग अमन चैन पसंद नहीं करते हैं वैसे लोगों को जनता नकारेगी. अब लालटेन युग खत्म हो गया बिजली का जमाना आ गया है.

लालू यादव को भारत रत्न देने के सवाल पर उन्होंने कहा कि किसी भी सजायाफ्ता आदमी को जो भ्रष्टाचार के आरोप में जेल की सजा काट चुका है. उसको भारतरत्न मिलता है क्या? ये सब फालतू बोल कर मनोरंजन करने का काम कर रहे हैं. नेता प्रतिपक्ष अगर लालू यादव के बेटे नहीं होते तो नौवीं पास हमारा और आपका बेटा नेता नहीं बन सकता. नेता प्रतिपक्ष वेंटिलेटर पर चल रहे हैं. इन लोगों ने अपराधी प्रवृत्ति और अपराधी को पैदा किया है. इनके द्वारा जो अपराध का माहौल बनाया गया है उसी को हम लोग आज झेल रहे हैं.

वहीं दिल्ली सीएम मामले पर उन्होंने कहा कि हमारे यहां राजा का बेटा राजा नहीं बनता है और ना ही परिवारवाद चलता है. गरीब झोपड़ी का रहने वाला हमारे यहां मुख्यमंत्री बनाया जाता है. राजस्थान, छत्तीसगढ़, उज्जैन, तमाम जगह पर देखा जा सकता है. दिल्ली में भी पहली बार जो विधायक बनी उसको हमने सीएम बनाया. वहीं ममता बनर्जी द्वारा महाकुंभ को मृत्यु कुंभ कहने पर दिलीप जायसवाल ने कहा कि हम भगवान से प्रार्थना करेंगे कि ऊपर जाने पर ममता बनर्जी को ज्यादा सजा ना दें. क्योंकि ऊपर जाने पर गर्म कड़ाही में गलती करने वालों को डाला जाता है. इसलिए हम नहीं चाहेंगे कि उनको इतना सजा मिले.

वहीं तेजस्वी यादव के माई बहन योजना पर उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल से ज्यादा मुफ्त कोई बांटने वाला नहीं था. मुफ्त बांटने की शुरुआत तो उन्होंने ही किया था. लेकिन गुरु तो गुरु बन गए अब चेला भी चीनी बन जाएंगे. वहीं राजद की डोमिसाइल नीति पर उन्होंने कहा कि जब राजद की सरकार बनी थी तो क्यों नहीं डोमिसाइल नीति लागू की है. हरियाणा से लाकर राज्यसभा सदस्य क्यों बनाना पड़ा. पहले अपनी पार्टी और परिवार पर डोमिसाइल नीति लागू कर दें यह सब गाल बजाने वाली बात है.

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, गिरिडीह। (जिला खेल शाखा)

ई–मेलः–dsogrd@gmail.com

(अति अल्पकालीन निविदा सूचना)
(Very Short term Tender Notice)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि गिरिडीह जिलान्तर्गत अधिसूचित पर्यटक स्थल ''दुखिया महादेव'' के पर्यटक क्षेत्र में निर्मित 01 सामुदायिक भवन, 10 दुकान एवं 01 सामुदायिक शौचालय के बन्दोबस्ती (नीलामी) खुली डाक द्वारा दिनांक 01.03.2025 को 12:30 बजे अपराह्न समाहरणालय सभा कक्ष में की जायेगी।

आवेदनकर्त्ता स्वयं या अपने प्रतिनिधि के माध्यम से उपस्थिति रहेंगे। इसकी विस्तृत जानकारी www.giridih.nic.in पर देखा जा सकता है।

ह0/–
उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी,
गिरिडीह।

PR 346855 (Tourism, Art Culture Sports And Youth Affairs) 24-25 (D)

जिला समादेष्टा, झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी का कार्यालय, जामताड़ा

–: आवश्यक सूचना :–

जामताड़ा जिला के प्रभावित बल के गृह रक्षकों को सूचित किया जाता है, कि जिसका बॉण्ड समाप्त हो रहा है, वैसे सभी गृह रक्षकों का निम्नांकित तिथि को जिला समादेष्टा, झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी का कार्यालय, जामताड़ा में पुनः नामांकन पूर्वाह्न 10:00 बजे से की जानी है। सभी गृह रक्षक पूर्ण वर्दी के साथ–साथ (1) 03 (तीन) पासपोर्ट साईज फोटो (वर्दी में) (2) बुनियादी प्रशिक्षण प्रमाण पत्र (3) गृह रक्षक पहचान पत्र (आई कार्ड) (4) आवासीय प्रमाण पत्र (5) आधार कार्ड एव (6) बैंक पासबुक के साथ उपस्थित होकर पुनः नामांकन कराना सुनिश्चित करे। पुनः नामांकन के लिए पुनः तिथि निर्धारित नहीं की जायेगी।

क्रमांक	प्रखण्ड का नाम	पुनः नामांकन की तिथि
1	जामताड़ा	24/02/2025
2	नारायणपुर	24/02/2025
3	कुण्डहित	24/02/2025
4	करमाटॉड	24/02/2025
5	नाला	24/02/2025
6	फतेहपुर	24/02/2025

जिला समादेष्टा,
झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी,जामताड़ा

PR 346846 (Police)24-25*D

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

ई–निविदा संख्या : एस एण्ड टी–सी–डीएचएन–23. भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मुख्य संकेत एवं दूर संचार अभियंता/निर्माण/पूर्व मध्य रेल/महेंदु घाट/पटना निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन ई–निविदा के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई–निविदा संख्या : एस एण्ड टी– सी–डीएचएन–23. 1. कार्य का नाम : पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद डिवीजन में ट्विन सिंगल लाइन के संबंध में रांची रोड पर मौजूदा वितरित (1 + 1 आर्किटेक्चर) ईआई में बदलाव के साथ रांची रोड पर नए वाई–कनेक्शन वन एंड केबिन कनेक्टिविटी के इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम का डिजाइन, विनिर्माण, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग, अरिगडा स्टेशन पर मौजूदा केंद्रीकृत ईआई और कुजु स्टेशन से रांची रोड (7 किमी) तक कुजू स्टेशन पर नए केंद्रीकृत ईआई में बदलाव का काम। 2. अनुमानित लागत : ₹15,97,03,593.30, 3. अमानत राशि : ₹9,48,500.00, 4. निविदा प्रपत्र का मूल्य : शून्य। 5. कार्य निस्पादित करने का समय : 06 महिना। 6. ई निविदा ऑनलाइन जमा करने का अंतिम दिन एवं समय : 11.03.2025 को 15:00 बजे तक।

विस्तृत निविदा सूचना एवं दस्तावेज भारतीय रेल की वैबसाइट http://www.ireps.gov.in पर देखने के लिए उपलब्ध है।

उप मुख्य संकेत एवं दूर संचार अभि./
निर्माण/पूमरे/धनबाद
पीआर/02145/डीएचएन/सि./टी/24–25/40

अलग-अलग सड़क हादसों में 8 श्रद्धालुओं की मौत

जौनपुर,(ईएमएस): यूपी में जौनपुर के सरोखनपुर में गुरुवार सुबह अलग-अलग सड़क हादसों में आठ श्रद्धालुओं की मौत हो गई और कई घायल हुए हैं। सीएम योगी ने सड़क हादसों का संज्ञान लिया है। झारखंड से श्रद्धालुओं से भरी सूमो कार महाकुंभ प्रयागराज के बाद अयोध्या जा रही थी।
सरोखनपुर में सूमो को पीछे से अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिसमें पांच की मौत हो गई और छह लोग घायल हो गए। पुलिस हादसे की जांच कर रही है। वहीं एक अन्य हादसा भी कुछ देर बाद इसी स्थान पर हुआ। दिल्ली के श्रद्धालुओं को लेकर जा रही बस राशन लदे खड़े ट्रक में घुस गई। इसमें चालक और दो महिलाओं की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए हैं।

झारखण्ड सरकार श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग नियोजनालय, कुमारधुबी (धनबाद)

भर्ती–कैम्प सूचना

सूचित किया जाता है कि दिनांक– **22.02.2025** (शनिवार) को नियोजनालय कुमारधुबी परिसर में पूर्वाह्न 10:30 बजे से अपराह्न 3 बजे तक भर्ती कैम्प का आयोजन किया जाएगा। भर्ती कैम्प से सम्बंधित नियोजक द्वारा निर्धारित योग्यता एवं उम्र संबंधी अहर्ताऐं निम्नवर्णित है :–

Sl. No.	NAME AND ADDRESS OF THE EMPLOYER	NAME OF THE POST	NO. VACANCY		QUALIFICATION	EXPERIENCE	SALARY	AGE (MIN-MAX)	JOB LOCATION
			MALE	FEMALE					
01	EXPRESS CONSULTANCY	COLLECTION OFFICER	20	00	12TH, ITI	FRESHER	23,000	18-45	JHARKHAND, BIHAR, W.B.
		ELECTRICIAN	10	00	ITI	YES	12,000	19-40	JHARKHAND, W.B
		SECURITY GUARD	20	00	8TH,10TH,12TH	FRESHER	10000 TO 17000	19-45	JHARKHAND, BIHAR.
		FIELD SALES EXECUTIVE	20	00	12TH, ITI	FRESHER	15,000	18-45	JHARKHAND, BIHAR.
02	ARVIND LIMITED	HELPER AND MANAGER	50	00	8TH,10TH,12TH	FRESHER	23,500 (CTC)	18-45	BANGLORE
03	GILEN INDUSTRIES	PACKER, PICKER	20	00	12TH, ITI	FRESHER	12,500	18-35	KOLKATA

अतः योग्य एवं इच्छुक उम्मीदवार जो पूर्व से निबंधित नहीं है वे झारखण्ड के किसी भी नियोजनालय में अपना निबंधन कराते हुए उपर्युक्त भर्त्ती कैम्प में नियोजक के प्रतिनिधि के समक्ष अपने सभी मूल प्रमाण पत्रों एवं उसकी एक छाया प्रति, पासपोर्ट साईज फोटोग्राफ, नियोजनालय का मूल वैद्य निबंधन कार्ड तथा अपना बायोडाटा के साथ निर्धारित तिथि **दिनांक– 22.02.2025 को पूर्वाह्न 10:30** तक उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगें। पूर्व से नियोजनालय में निबंधित उम्मीदवारों को पुनः निबंधन कराने की आवश्यकता नहीं है। चूँकि नियोजक एवं रिक्ति निजी क्षेत्र की है अतः भर्त्ती सेवा शर्तों हेतु नियोजक स्वयं ही उत्तरदायी होंगें। चयन प्रक्रिया में नियोजनालय का किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं होंगा, नियोजनालय मात्र सुविधा प्रदाता की भूमिका में है।

इसके लिए किसी भी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

नियोजन पदाधिकारी
नियोजनालय, कुमारधुबी

PR 346878 Labour Employment and Traning(24-25).D

वित्त मंत्री ने यूपी सरकार का 8 लाख करोड़ से ज्यादा का बजट किया पेश

लखनऊ,(ईएमएस): उत्तरप्रदेश की योगी सरकार का एवां बजट आज यानी गुरुवार को सदन में पेश हुआ। यूपी सरकार के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने विधानसभा में वित्तीय वर्ष २०२५-२०२६ का बजट पेश किया। वित्त मंत्री ने ८ लाख करोड़ से ज्यादा का यूपी बजट पेश किया है। बजट में मेधावी छात्राओं को पात्रता के आधार पर स्कूटी देनी की घोषणा की गई है और चार नए एक्सप्रेसवे बनाने की घोषणा भी की गई है। इसके साथ ही ५८ नगर पालिकाओं को स्मार्ट सिटी बनाने का ऐलान किया।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना बजट पेश करते हुए कहा कि उज्ज्वला योजना में २ मुफ्त सिलेंडर दिए जाएंगे। अयोध्या में सोलर सिटी बनेगी। ८ डेटा सेंटर पार्क तैयार होंगे। उन्होंने कहा कि इस साल प्रयागराज में महाकुम्भ-२०२५ का भव्य आयोजन हो रहा है। यह महाकुम्भ १४४ सालों में आता है।

यह हम सभी के लिये परम सौभाग्य का विषय है कि हम अपने जीवनकाल में आस्था, संस्कृति और मानवता के समागम के इस महापर्व के भागी बन सके। वित्त मंत्री ने विधानसभा में कुम्भ विषय में

पुराणों का श्लोक भी पढ़ा।

वहीं बजट में पिछड़ा वर्ग कल्याण के लिए पिछड़ा वर्ग पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के के लिए २८२५ करोड़ रुपए की व्यवस्था की गई है। पिछड़ा वर्ग के निर्धन व्यक्तियों की बेटियों की शादी अनुदान योजना के लिए २०० करोड़ रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित है। पिछड़े वर्ग के बेरोजगार युवक और युवतियों को कम्प्यूटर प्रशिक्षण देने के लिए ३५ करोड़ रुपए की व्यवस्था की है। वहीं दिव्यांग भरण-पोषण अनुदान योजनान्तर्गत १४२४ करोड़ रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित है। शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों को कृत्रिम श्रवण सहायक यंत्र आदि खरीदने के लिये आर्थिक मदद की योजना के लिए ३५ करोड़ रुपए की व्यवस्था की गई है।

निराश्रित महिला पेंशन योजनान्तर्गत पात्र लाभार्थियों को देय पेंशन के भुगतान के लिए २९८० करोड़ रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजनान्तर्गत ७०० करोड़ रुपए की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है। वाराणसी, मेरठ, प्रयागराज, गोरखपुर, कानपुर नगर, झाँसी और आगरा में मुख्यमंत्री श्रमजीवी महिला छात्रावासों के निर्माण की नई योजना प्रस्तावित की गई है जिसके लिए १७० करोड़ रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित है।

कोविड के दौरान जिन बच्चों ने अपने माता-पिता को खोया है उनकी देखभाल और वित्तीय सहायता के लिए संचालित मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के लिये २५२ करोड़ रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित है। पुष्टाहार कार्यक्रम के अन्तर्गत समन्वित बाल विकास परियोजनाओं पर राज्य सरकार द्वारा दिए जाने वाले पोषाहार के लिये करीब ४११९ करोड़ रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित है। आंगनबाड़ी कार्यकत्री और सहायिकाओं को अतिरिक्त मानदेय के भुगतान के लिए ९७१ करोड़ रुपए की व्यवस्था की है। मुख्यमंत्री सक्षम सुपोषण योजना के लिए १०० करोड़ रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित है।

वित्त मंत्री ने बजट में कृषकों को दुर्घटनावश मृत्यु / दिव्यांगता की स्थिति में आर्थिक सहायता की मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के लिए १०५० करोड़ रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित है। प्रदेश के राजस्व कार्मिकों को ऑन लाइन कार्यों के लिए लैपटाप व स्मार्ट फोन उपलब्ध कराने के लिये २४ करोड़ रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित है।

प्रदेश में ८ मण्डलीय लेखपाल प्रशिक्षण विद्यालयों और छात्रावासों का निर्माण कराया जाना प्रस्तावित है। यूपी राज्य सड़क परिवहन निगम के बस स्टेशनों, डिपो कार्यशाला आदि का निर्माण और बस बेड़ों को बढ़ाने सम्बन्धी कार्यों के लिए ४०० करोड़ रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री ग्राम जोड़ो योजना के लिए मध्यम श्रेणी की इलेक्ट्रिक बसों के क्रय के लिए १०० करोड़ रुपए और चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना के लिए ५० करोड़ रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित है।

राज्य का बजट 'जन हित' का बजट

यूपी के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बजट को 'जन हित' का बजट बताया है जिसे जनता के कल्याण को ध्यान में रखकर बनाया गया है। बजट पेश करने से पहले वह आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए खन्ना ने कहा कि बजट में समाज के हर वर्ग- गरीब, मध्यम वर्ग, किसान, महिला, युवा और आम लोगों की जरूरतों को पूरा करने का प्रयास किया गया है। सही मायने में यह जनहित का बजट है। खन्ना ने सीएम योगी को भी बधाई दी और कहा कि यह सीएम का नौवां बजट है।

बजट पेश करने से पहले खन्ना ने अपने आवास पर पूजा-अर्चना की। खन्ना ने सोशल मीडिया एक्स पर पूजा की तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा, यूपी सरकार के बजट २०२५-२६ की प्रस्तुति से पूर्व आराध्य का पूजन-अर्चन कर सभी के कल्याण की कामना की।

पूर्णिया एयरपोर्ट पर टर्मिनल निर्माण को मंजूरी

पटना (एजेंसी): बिहार सरकार के विकसित बिहार विजन के तहत पूर्णिया एयरपोर्ट के निर्माण को लेकर बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है. हाल ही में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी प्रगति यात्रा के तीसरे चरण के दौरान पूर्णिया का दौरा किया था. इस दौरान उन्होंने ५८१ करोड़ रुपये की विभिन्न विकास योजनाओं की घोषणा की थी और पूर्णिया एयरपोर्ट परियोजना की समीक्षा कर अधिकारियों को निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए थे. इसी कड़ी में अब भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (--ख) ने टर्मिनल बिल्डिंग के निर्माण को मंजूरी दे दी है. यह निर्णय बिहार में हवाई यात्रा को आसान बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा.

पूर्णिया एयरपोर्ट पर बनने वाले टर्मिनल के निर्माण के लिए ₹३३१.९९ करोड़ की लागत तय की गई है, जो अनुमानित लागत ₹४४.१५ करोड़ से २३ प्रतिशत कम है. यह निर्माण एएआई द्वारा जारी टेंडर प्रक्रिया के तहत किया जाएगा, जिसमें पहली बोली १२ सितंबर और दूसरी २७ सितंबर को खोली गई थी. अब अंतिम एजेंसी के चयन की प्रक्रिया चल रही है, जिसके बाद जल्द ही कार्य शुरू कर दिया जाएगा.

पूर्णिया एयरपोर्ट का डिज़ाइन एएआई के आर्किटेक्ट्स द्वारा तैयार किया गया है. इसे स्टेट ऑफ द आर्ट सुविधाओं से लैस किया जाएगा, जिसमें अगले ३०-४० वर्षों तक यात्री संख्या को ध्यान में रखते हुए ढांचा तैयार किया जाएगा. इस एयरपोर्ट पर कुल पांच एयरोब्रिज बनाए जाएंगे, जिससे यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी और सुविधाएं मिलेंगी.

मुख्य एयरपोर्ट टर्मिनल के निर्माण से पहले एक अंतरिम टर्मिनल भवन पोर्टा कांसेप्ट पर तैयार किया जाएगा, ताकि उड़ानों का संचालन जल्द से जल्द शुरू किया जा सके. इस परियोजना के लिए --ख ने डीजीएम (इंजीनियरिंग) को प्रभारी नियुक्त किया है और ठेकेदार को शीघ्र अनुबंध पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं. इसके तहत निर्माण एजेंसी को ₹१.६९ करोड़ की परफॉर्मेंस गारंटी और ₹८८.३० लाख की सुरक्षा निधि जमा करनी होगी.

पूर्णिया एयरपोर्ट की मांग को देखते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रगति यात्रा के दौरान अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की थी. बैठक में मुख्यमंत्री ने निर्माण कार्य में आ रही बाधाओं को दूर करने और जल्द से जल्द काम पूरा करने के निर्देश दिए थे. इस बैठक के बाद परियोजना को मंजूरी मिल गई और अब निर्माण कार्य तेजी से पूरा करने की योजना बनाई गई है.

पूर्णिया एयरपोर्ट का निर्माण सिर्फ बिहार ही नहीं, बल्कि पश्चिम बंगाल, झारखंड और नेपाल के यात्रियों के लिए भी बड़ी सुविधा लेकर आएगा. इस एयरपोर्ट के चालू होने से सीमांचल और कोसी क्षेत्र की जनता को हवाई यात्रा की सीधी सुविधा मिलेगी. यह न केवल यात्रा को सुगम बनाएगा, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी गति देगा. अंतरिम टर्मिनल के पूरा होते ही उड़ान संचालन शुरू करने की योजना पर काम तेज कर दिया जाएगा.

नदी के पानी की गुणवत्ता स्नान मानदंडों के अनुरूप नहीं थी : अखिलेश

लखनऊ (ईएमएस): उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा त्रिवेणी संगम के पानी में मल संदूषण पर चिंताओं को खारिज करने के बाद समाजवादी पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने वास्तविक प्रदूषण की खबर को जनता से दूर रखने के लिए एक कथित साजिश की ओर इशारा किया। सपा मुखिया यादव ने समाचार पत्रों में जारी रिपोर्ट एक्स पर पोस्ट किया।

रिपोर्ट के अनुसार, १२-१३ जनवरी, २०२५ को की गई निगरानी के दौरान, अधिकांश स्थानों पर नदी के पानी की गुणवत्ता स्नान मानदंडों के अनुरूप नहीं थी। उन्होंने लिखा कि यह खबर तब सामने आई जब केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल को बताया कि प्रयागराज में गंगा जी का पानी सीवेज से दूषित है।

लखनऊ में सदन के पटल पर रिपोर्ट को ग़लत बताकर कहा गयास सब कुछ नियंत्रण में है। दरअसल उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने राज्य विधानसभा के पटल पर कहा कि त्रिवेणी संगम नोज पर पानी की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए निरंतर निगरानी और शुद्धिकरण प्रक्रियाएं की जाती हैं, जहां गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों से मिलती है।

वहीं अखिलेश ने लिखा कि सीपीसीबी ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल को जब बताया कि प्रयागराज में गंगा जी का 'जल मल संक्रमित' है। लखनऊ में सदन के पटल पर रिपोर्ट को झूठ साबित करते हुए कहा गया कि सब कुछ 'नियंत्रण' में है।

प्रथम यज्ञ भूखंड धरा पे गाना को मिल रहा भरपूर प्यार

पटना (एजेंसी): प्रथम यज्ञ भूखंड धरा पर आर्य का आगाज है, है पावन संगम की धरती ये प्रयागराज है. बीते एक महीने से सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने वाले इस गाने को लोगों अपनी आवाज देने वाले भोजपुरी सिंगर आलोक कुमार है. आलोक कुमार ने जी मीडिया से खास बातचीत में कहा कि उनके गाने 'प्रयागराज' ने उन्हें वैधिक पहचान दिलाई है. गाने पर एक महीने में दो करोड़ से भी अधिक रील बनाए गए हैं. .क्या आम, क्या खास हर कोई इस गाने के दीवाने दिख रहे है. आलोक कुमार ने कहा कि जब मैंने गाना गया तो सोचा था कि कुंभ है यूपी,बिहार तक सीमित रहेगा गाना लेकिन मुझे क्या मालूम पूरी दुनिया में मेरा गाना सुना जाएगा. बता दें कि आलोक कुमार भोजपुरी इंडस्ट्री में कई फेमस कलाकारों के लिए भी गाने गा चुके है, इसके अलावा सुर संग्राम भी जीत चुके है. भोजपुरी गायक आलोक कुमार ने कहा कि उनका गाया ये प्रयागराज है गाना इतनी सुर्खियां बटोरेगा इसके बारे में उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी. उन्होंने बताया कि इस गाने को वर्ष २०२२ में गाया था. इस गाने को लोगों का भरपूर प्यार और आशीर्वाद मिल रहा है.

बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस बदलेगी रणनीति

पटना,(ईएमएस): बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस अपनी रणनीति बदल रही है। देश की सबसे पुरानी पार्टी और लालू यादव के नेतृत्व वाला दल राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) बिहार में गठबंधन में चुनाव लड़ता आ रहा है। एनडीए से अलग होने के बाद नीतीश कुमार के साथ भी यह दोनों पार्टियां चुनाव लड़ चुकी है। ९० के दशक के बाद कांग्रेस का अस्तित्व बिहार में कमजोर हुआ है, वह राजद के भरोसे ही चुनाव लड़ती है। कांग्रेस ने हाल के दिनों में अपनी रणनीति में बदलाव किया है। दिल्ली चुनाव में इसकी झलक देखने को मिली।

बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस गठबंधन में चुनाव लड़ेगी लेकिन घटक दलों के बीच सीट बंटवारे में पार्टी इस बार ज्यादा सीट पर चुनाव लड़ने की जिद के बजाय जीत की संभावना वाली सीट हासिल करने की कोशिश करेगी। विधानसभा चुनाव की तैयारियों और सीट बंटवारे पर राजद और दूसरे घटक दलों के साथ बातचीत से पहले पार्टी ने सर्वे कराया है। सर्वे के मुताबिक पार्टी को सीट की संख्या के बजाय जीत की संभावना वाली सीट पर चुनाव लड़ना है। करीब पांच दर्जन सीट पर पार्टी के पास संगठन और बेहतर उम्मीदवार हैं।

प्रदेश कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि पार्टी गठबंधन के सहयोगियों के साथ कुछ सीट की अदला-बदली भी करेगी। पार्टी ने २०२० चुनाव में ७० सीट पर चुनाव लड़ा था पर इनमें ज्यादातर सीट सिर्फ गिनती बढ़ाने के लिए थी।

उन्होंने कहा कि गठबंधन के घटकदलों के साथ सीट बंटवारे पर कोई चर्चा नहीं हुई है, इतना साफ है कि कांग्रेस इस बार सीट की संख्या बढ़ाने के बजाय जीत पर ज्यादा ध्यान देगी।

योगी सरकार का बजट भी पेट भरे मध्यम वर्ग के तुष्टीकरण वाला : मायावती

लखनऊ (ईएमएस): उत्तर प्रदेश सरकार ने गुरुवार को विधानसभा में बजट पेश किया। बजट पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो और पूर्व सीएम मायावती ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार का बजट भी पेट भरे मध्यम वर्ग के तुष्टीकरण वाला है पूर्व सीएम मायावती ने पोस्ट कहा, यूपी सरकार द्वारा विधानसभा में आज पेश २०२५-२६ का बजट यदि व्यापक जनहित व जनकल्याण का ज्यादा होता, तब यह बेहतर होता।

जबकि महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, पिछड़ेपन को दूर करने व आमजन की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के प्रति पर्याप्त सरकारी नीयत-नीति का अभाव। उन्होंने कहा, कुल मिलाकर, यूपी भाजपा सरकार का बजट भी पेट भरे मध्यम वर्ग के तुष्टीकरण वाला है, जबकि सरकारों की असली चिंता व संवैधानिक दायित्व करोड़ों परिवारों की दरिद्रता को दूर करके सुख-चैन पहुंचाने वाला सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय के उद्देश्य की पूर्ति का होना चाहिए। ऐसा ना होना चिंतनीय।

मायावती ने एक और पोस्ट में कहा, यूपी के शहर, गांव, क्षेत्र एवं समाज बुनियादी सुविधाओं के अभाव व अनेकों विषमताओं से जूझ रहे हैं, और लोगों को जब सड़क, पानी, स्कूल, अस्पताल, रोजी-रोजगार के बेहतर व्यवस्था करने की मांग है, तब उन्हें दूसरे सपने दिखाना यह समस्या का सही समाधान नहीं। मायावती ने कहा, भाजपा से पहले यूपी बदहाल था, यह दावा उचित नहीं। क्योंकि बीएसपी की मेरी सरकार में जनहित व जनकल्याण तथा अपराध-नियंत्रण व कानून-व्यवस्था के मामले में हर स्तर पर कानून द्वारा कानून का बेहतरीन राज था, जिसे लोग अब तरस रहे हैं, जबकि भाजपा की नीतियों से बहुजन समाज बदहाल है।

बिहार से कुंभ जा रही ट्रेनों में यात्री ने तोड़े पिछले रिकॉर्ड

पटना (ईएमएस): महाकुंभ में यात्री सुविधाओं को लेकर पूर्व मध्य रेलवे ने भी पूरी ताकत लगा दी है। कुंभ के कारण यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखकर पटना, दानापुर, राजेंद्रनगर टर्मिनल व पाटलिपुत्र से रोजाना कुल १२ से १५ स्पेशल ट्रेन चल रही हैं। हालांकि भीड़ इतनी हो रही है कि पटना जंक्शन से खुलने वाली संपूर्णक्रांति, पीएनबी एलटीटी और मगध एक्सप्रेस सहित स्पेशल ट्रेनें पूरी तरह से पैक हो चल रही हैं।

जनरल कोच के मामले में संपूर्णक्रांति, मगध एक्सप्रेस व पटना एलटीटी एक्सप्रेस में अधिकतम ऑक्युपेंसी (सीट के क्षमता से अधिक यात्री सफर) का रिकॉर्ड टूट गया है। रेलवे के आंकड़ों के मुताबिक इन ट्रेनों में ऑक्युपेंसी करीब २२०-२५० प्रतिशत के तक पहुंच गई है। यानी क्षमता से ढाई गुना तक यात्री इन ट्रेनों में ठूंस कर यात्रा कर रहे हैं। इन ट्रेनों में सबसे अधिक छठ पूर्व के दौरान यात्रियों की भीड़ होती थी। इस दौरान इन ट्रेनों में अधिकतम ऑक्युपेंसी १६५ से १७० प्रतिशत तक देखने को मिलती थी। लेकिन महाकुंभ के चलते यात्रियों की भीड़ ने सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। प्रयागराज जाने वाली किसी भी ट्रेन में इन दिनों पैर रखने की जगह नहीं है। यात्री स्पेशल ट्रेनों की तुलना में नियमित ट्रेनों में जाना अधिक पसंद कर रहे हैं। यात्रियों का कहना है कि स्पेशल ट्रेन ज्यादा समय ले रही हैं। वर्तमान में दानापुर मंडल से रोजाना १० से १२ ट्रेनों प्रयागराज के लिए रवाना हो रही हैं। इसमें रोजाना करीब ७० से ८० हजार यात्री प्रयागराज कुंभ स्नान करने जा रहे हैं। इतने ही यात्री प्रयागराज कुंभ से वापस पटना व दानापुर मंडल के आसपास के स्टेशनों पर लौट रहे हैं। जंक्शन से पहले अधिकतम डेढ़ लाख यात्री सफर करते थे। लेकिन वर्तमान में इनकी संख्या करीब चार लाख के आसपास पहुंची है।

नगर निगम बोर्ड की बैठक में किचकिच

बेतिया (एजेंसी): नगर निगम बोर्ड की हुई बैठक के बाद उठा तूफान थमने का नाम नहीं ले रहा है. एक दिन पहले सांसद डॉ. संजय जायसवाल ने मीडिया में अपना पक्ष रखा तो अब गुरुवार को बेतिया की मेयर गरिमा देवी सिकारिया ने सांसद के बयानों को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया है. मेयर गरिमा देवी सिकारिया ने आरोप लगाया है कि सांसद महोदय के प्रतिनिधि बोर्ड की बैठक में क्या कर रहे थे और उनके दो निजी स्टाफ बोर्ड की बैठक में मेयर के आसन के ठीक पीछे खड़े होकर वीडियो बना रहे थे. उन्होंने पूछा कि क्या ऐसा करना नियमसंगत है?

गरिमा देवी सिकारिया ने कहा, सांसद महोदय महिला आरक्षण का ढिंढोरा पीट रहे हैं, लेकिन उन्हें याद नहीं आया कि उसी आरक्षण के तहत चुनी गई मैं एक मेयर हूं और मेरी भी मर्यादा है. सिकारिया ने यह भी कहा, 'माननीय सांसद की ओर से वैधानिक व्यवस्था की धज्जियां उड़ाने शिकायत मैं अपने विभाग, संबंधित मंत्रालय के अलावा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आदरणीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी से करके न्याय की गुहार लगाउंगी.'

मेयर सिकारिया ने बताया, 'सांसद महोदय कुछ पार्षदों के परिजनों की बोर्ड बैठक में मौजूदगी पर सवाल उठा रहे हैं, लेकिन उन्हें पता होना चाहिए कि हमारे नगर निगम बोर्ड के सदस्य के रूप में निर्वाचित कुछ पार्षद निरक्षर भी हैं और कुछ साक्षर भी. ऐसे करीब आधे दर्जन से भी ज्यादा सदस्य हैं. कई महिला काफ़ी वृद्ध हैं. कुछ अतिवृद्ध महिला पार्षद के परिजन उनके देखभाल एवं विधाई कार्यों की चर्चा दर्शक दीर्घा में बैठकर देखने आते हैं. नगर निगम बोर्ड में पारदर्शिता बनी रहे, इसके लिए ऐसे कुछेक पार्षदों के परिजनों का आवेदन स्वीकार करना पड़ता है. इसको अवैध बताना इन महिलाओं का अपमान करने जैसा है.'मेयर ने कहा, 'विभागीय आदेश में जब इसकी कोई मनाही नहीं है, तो इसे अवैध बताना केवल अपनी राजनीति चमकाने से ज्यादा कुछ भी नहीं है.' उन्होंने कहा कि इसके बाद भी मैं बताना चाहती हूं कि विभाग के नियम के विपरीत नगर निगम बोर्ड की बैठक में शुरू से आखिरी तक अपने प्रतिनिधि विभय चौबे को किस नियम के तहत बोर्ड की बैठक में भेजा गया था. उन्होंने आरोप लगाया कि सांसद महोदय के पर्सनल असिस्टेंट और बांडीगार्ड मेयर की कुर्सी के ठीक पीछे खड़े होकर लगातार वीडियो बनाते रहे.

मेयर ने यह भी बताया कि काफी देर तक हंगामा कर सदन की कार्यवाही में बाधा पैदा कर रहे एक पार्षद एनामुल हक को बाहर जाने का आदेश दिया गया तो कहा जा रहा है कि ऐसा करने का कोई अधिकार नहीं है. यह महापौर को अपने वैधानिक अधिकार का हनन और दायित्व का निर्वहन करने से रोकना नहीं है तो क्या है? मेयर ने आरोप लगाया कि 'वोटिंग कुछ नहीं होता है' कहकर नगर निगम के पार्षदों और बिहार प्रशासनिक सेवा के वरीय अधिकारी और नगर आयुक्त जैसे बड़े व वैधानिक महत्व के पद पर आसीन व्यक्ति को बार-बार लज्जित करना अपने पद की मर्यादा भंग करना नहीं है तो क्या है?

महापौर सिकारिया ने बताया कि कोई भी पीठासीन पदाधिकारी उस सदन का सर्वोच्च होता है. महापौर को सदन के अंदर बोलने से बार-बार रोकना हमारी भाजपा जैसी राजनीतिक दल के लोकसभा में सचेतक जैसे पद को सुशोभित कर रहे राजनीतिज्ञ के लिए अशोभनीय व्यवहार करने जैसा है. महापौर ने कहा कि ऐसा व्यवहार बिहार नगर पालिका अधिनियम, नगर निगम के सभी पार्षदों के साथ बेतिया नगर निगम क्षेत्र के लाखों जनता जनार्दन का भी अपमान है.

आजम खान की पत्नी बेटे व बहन की जमानत

रामपुर,(ईएमएस): उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान की पत्नी पूर्व विधायक तज़ीन फातिमा, बेटे अदीब आजम खान और बहन निकहत अबलाक को शत्रु संपत्ति से सम्बन्धित एक मामले में स्थानीय (सांसद-विधायक) अदालत ने जमानत दे दी है। खान के अधिवक्ता जुबैर अहमद खान ने बताया कि रामपुर की सांसद-विधायक अदालत के न्यायाधीश शोभित बंसल ने आजम खान की पत्नी डॉक्टर तज़ीन फातिमा, बड़े बेटे अदीब आजम खान और बहन निकहत अफलाक की जमानत मंजूर कर ली है। यह आजम खान के परिवार के लिये एक बड़ी राहत है।

सीट बंटवारा ठीक से हो तो जीतेंगे 40-50 सीटें : अखिलेश प्रसाद

पटना (एजेंसी): बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने राष्ट्रीय जनता दल और महागठबंधन के सहयोगियों को सीट बंटवारे को लेकर बड़ी नसीहत दी है.

उन्होंने कहा कि अगर सीटों का सही तरीके से बंटवारा हुआ तो कांग्रेस अभी की १९ सीटों से बढ़कर ४०-५० सीटों पर जीत दर्ज करेगी. पटना के सदाकत आश्रम में गुरुवार को नए प्रभारी के स्वागत समारोह में अखिलेश सिंह ने कहा, हम सहयोगियों से अपील करते हैं कि सीटों का बंटवारा सही ढंग से किया जाए. हम सभी के साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे और इस बार जीत हमारी होगी. उन्होंने यह भी कहा कि हम सब मिलकर बिहार को इस सरकार से मुक्त कराएंगे. अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा, पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस महज १२,००० वोटों से पिछड़ गई थी, लेकिन इस बार अगर सीट बंटवारा सही तरीके से हुआ, तो महागठबंधन की सरकार बनना तय है. उन्होंने स्पष्ट किया कि ठाऊ समेत सभी सहयोगी दलों को इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करना चाहिए.

अखिलेश प्रसाद सिंह ने नए प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावुरु से संगठन में बदलाव और मजबूती कायम करने की अपील की. उन्होंने कहा, जिस तरह आपने गुजरात में काम किया, उसी तरह बिहार में भी संगठन को मजबूत करने का काम करें. हम आपके साथ खड़े रहेंगे. इसके साथ ही, बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने कांग्रेस के सर्वोच्च नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के कार्यक्रमों को सफल बनाने पर भी जोर दिया.

मुख्य सचिव अलका तिवारी ने सभी डीसी को दिया सख्त निर्देश, रुकी हुई योजनाएं हर हाल में हो पूरी

रांची (एजेंसी): मुख्य सचिव अलका तिवारी ने जिला स्तर पर विभिन्न कारणों से योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं का समाधान समन्वय बना कर करें। उन्होंने राज्य के सभी उपायुक्तों को कहा कि वे कैलेंडर बना कर कार्यों का निपटारा करें। कैलेंडर के अनुसार विभिन्न मसलों से जुड़ी बैठके करें। उसकी रिपोर्ट समय्य विभागों को दें। इससे जहां योजना क्रियान्वयन में गति आएगी वहीं विभागों को भी सहूलियत होगी।

उन्होंने कहा कि योजनाओं के बाधित होने से उसमें खर्च हुई राशि का लाभ भी राज्य को नहीं मिल पाता है, इसलिए योजनाओं का भौतिक निरीक्षण करते हुए आ रही समस्या के समाधान पर फोकस करें। वह गुरुवार को विभिन्न विभागों की उन योजनाओं की समीक्षा कर रही थीं, जो जिला स्तर पर किसी कारण से बाधित हैं।

मुख्य सचिव की समीक्षा में पाया गया कि अधिकांश योजनाओं की प्रगति ७० से ८० प्रतिशत तक हो चुकी है। वहीं बाकी बचे काम को पूर्ण करने में रुकावटें आ रही हैं। मुख्य सचिव ने नगर विकास विभाग की रांची शहरी सीवरेज स्कीम, वाटर सप्लाई स्कीम और पम्पिंग स्टेशन के क्रियान्वयन में जमीन को लेकर आ रही समस्या का समयबद्ध तरीके से समाधान का निर्देश दिया। रांची के उपायुक्त ने अधिकांश मामले में समाधान होने की जानकारी दी। उसी तरह रामगढ़, धनबाद, कोडरमा, साहिबगंज, सरायकेला-खारसावां, पश्चिमी सिंहभूम, पलामू और बोकारो में शहरी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट और वाटर सप्लाई योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए जमीन की समस्या आ रही है।

उपायुक्तों को विशेष पहल कर जमीन की उपलब्धता ससमय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की ओर से बताया गया कि नल से जल योजना द्वारा प्रत्येक घर को जोड़ने का काम चल रहा है। वहीं शौचालय बनाकर गांवों को ओडीएफ घोषित करने की स्थिति लगभग अंतिम चरण में है। लेकिन गांवों में चार-पांच घरों के इस योजना से आच्छादित नहीं होने से योजना अपूर्ण रह जाती हैं। मुख्य सचिव ने उपायुक्तों को अतिरिक्त रुचि लेकर इस कार्य को यथाशीघ्र संपन्न कराने को कहा।

उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की ओर से बताया गया कि विभिन्न जिलों में डिग्री कॉलेज, पोलिटेक्निक कॉलेज और राजकीय अभियंत्रण कॉलेज निर्माण के लिए जमीन की समस्या बनी हुई है। मुख्य सचिव ने उपायुक्तों को संबंधित विभाग से समन्वय बनाते हुए जमीन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने स्कूली शिक्षा विभाग द्वारा क्वालिटी एजुकेशन के लिए संपर्क फाउंडेशन की सहायता से चयनित स्कूलों में उपलब्ध कराए गये संसाधन के समुचित उपयोग पर बल देते हुए कहा कि यह राज्य के हित में होगा।

कृषि विभाग से जुड़ी पीएम किसान योजना, बिरसा ग्राम सह समेकित पाठशाला, बिरसा-पीएम फसल बीमा योजना, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, आइसीडीपी और डीसीडीसी की समीक्षा के दौरान पाया गया कि फसल बीमा योजना के लिए वास्तविक जमीन से अधिक जमीन पर बीमा का आवेदन दिया गया है। इस मसले को लेकर मुख्य सचिव ने आवेदनों की जांच करते हुए अनाधिकृत दावे को खारिज करने का निर्देश दिया। वहीं मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत लामुकों को पशु देने के साथ उसका बीमा भी सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कृषि से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की कार्य प्रगति की समीक्षा के लिए जिला स्तरीय मॉनिटरिंग कमिटी और डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव डेवलपमेंट कमिटी की नियमित बैठक करने का निर्देश उपायुक्तों को दिया।

जल संसाधन विभाग की विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा के दौरान पाया गया कि अधिग्रहित भूमि पर अतिक्रमण, फॉरेस्ट क्लियरेंस, स्थानीय विवाद, भूमि अधिग्रहण, मुआवजा इत्यादि को लेकर योजनाएं प्रभावित हो रही हैं। मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि योजनाओं के सुचारू संचालन के लिए प्रशासनिक स्तर से बाधा को दूर कराएं। इसके अतिरिक्त राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के अलावा ऊर्जा विभाग की जिलों से जुड़ी समस्याओं की भी समीक्षा की गयी।

68वीं ऑल इंडिया पुलिस डयूटी मीट के विजेताओं को डीजीपी ने किया सम्मानित

रांची (एजेंसी): झारखंड के महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक अनुराग गुप्ता ने अपने कार्यालय कक्ष में ६८वीं ऑल इंडिया पुलिस डयूटी मीट २०२४-२५ में झारखंड पुलिस के विजेताओं को आज सम्मानित किया। इस प्रतियोगिता का आयोजन १० से १५ फरवरी २०२४ तक रांची, झारखंड में हुआ था, जिसमें देशभर के १८ राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिभागियों के साथ-साथ अर्द्ध सैनिक संगठनों की आठ टीमों ने हिस्सा लिया था।

झारखंड पुलिस को इस प्रतियोगिता में कुल ५ मेडल मिले, जिनमें १ गोल्ड और ४ सिल्वर शामिल हैं। पुलिस अवर निरीक्षक रोहित कुमार कालिन्दी को फिंगर प्रिंट में गोल्ड मेडल, जबकि पुलिस अवर निरीक्षक रवि शंकर को फिंगर प्रिंट में सिल्वर मेडल मिला। इसके अतिरिक्त, पुलिस अवर निरीक्षक नविता कुमारी महतो को मेडिको लिगल में सिल्वर, सहायक पुलिस अवर निरीक्षक बलेन्द्र कुमार को पुलिस पोट्रेट में सिल्वर और सहायक पुलिस अवर निरीक्षक महेन्द्र महतो को (डॉग-एरिक) ट्रैकर में सिल्वर मेडल प्राप्त हुआ।

इस शानदार उपलब्धि के बाद, पुलिस महानिदेशक ने सभी विजेताओं को मेडल पहनाकर सम्मानित किया। इस मौके पर पुलिस महानिरीक्षक असीम विकांत मिंज, पुलिस उप-महानिरीक्षक संध्या रानी मेहता, और अपराध अनुसंधान विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

सीसीएल कर्मी ने मां को घर में बंद कर पत्नी, सास-ससुर को लेकर गया महाकुंभ, 3 दिन बाद पड़ोसियों ने ताला तोड़कर बाहर निकाला

रामगढ़ (एजेंसी): रामगढ़ से मानवता को शर्मशार करने वाली खबर ने सबको झकझोर कर रख दिया है। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में स्नान करने बेटा अपनी पत्नी और सास-ससुर को लेकर गया और अपनी मां को घर के कमरें में ही बंद कर दिया। तीन दिनों तक घर में बंद रहने के बाद पड़ोसियों ने वृद्धा को घर से बाहर निकाला और खाना खिलाया।

अरगडा के सिरका ए टाइप क्वार्टर के रहने वाले सीसीएल कर्मी अखिलेश प्रजापति सोमवार को अपनी बीमार मां को घर में बंद कर पत्नी-बच्चों के साथ कुंभ में स्नान करने निकल गए। इस दौरान उन्होने अपनी पत्नी की मां और पिता को अपने साथ लेकर प्रयागराज चले गए। पुण्य कमाने के नाम पर अपनी मां के साथ सीसीएल कर्मी ने जो व्यवहार किया उसने सभी को विचलित कर दिया है। तीन दिनों तक अखिलेश की ६५ वर्षीय मां संजू देवी भूखी थी। उनकी आवाज सुनकर पड़ोसी उनकी मदद करने पहुंचे और मेन गेट का ताला तोड़कर संजू देवी को घर से बाहर निकाला। इसके बाद पड़ोसियों पे सिरका कहुआबेड़ा में रहने वाली संजू देवी की बेटी चांदनी को इसकी सूचना दी।

चांदनी देवी औऱ वृद्धा के भाई मनसा महतो रामगढ़ थाना गए। पुलिस ने स्थानीय लोगों को सूचना देने के बाद वृद्धा को बाहर निकालने को कहा। चांदनी देवी ने वार्ड पार्षद संगीता देवी को सूचना दी और ताला तोड़कर संजू देवी को बाहर निकाला। पड़ोसियों ने तीन दिन से भूखी संजू देवी को बिस्किट और पानी दिया। थोड़ी देर बाद संजू देवी को उनकी बेटी ने इलाज के लिए रामगढ़ सदर अस्पताल में भर्ती कराया। इस मामले पर जब संजू देवी के बेटे अखिलेश से फोन कर पूछा गया तो उसने बताया कि वो सोमवार को सुबह ११ बजे पत्नी, दो बच्चों और सासू , सास, ससुर के साथ प्रयागराज महाकुंभ में स्नान करने निकला था। मां के लिए खाना बनाकर और चूड़ा छोड़कर गया था। मां ने ही उसे कुंभ जाने के लिए कहा था।

यह झारखंड का दुर्भाग्य, मैट्रिक परीक्षा के पेपर लीक मामले में दोषियों पर हो कड़ी कार्रवाई : अमर बाउरी

रांची (एजेंसी): पूर्व मंत्री और भाजपा नेता अमर बाउरी ने मैट्रिक परीक्षा में हुए पेपर लीक मामले में कड़ी प्रतिक्रिया दी है। अमर बाउरी ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक वीडियो जारी कर राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पहले भी इसी महागठबंधन की सरकार में जेएसएससी-जेपीएससी परीक्षा के कई प्रश्न पत्र लीक हुए। उन्होंने अपने ट्रीटर अकॉउंट से पोस्ट करते हुए लिखा कि यह झारखंड का दुर्भाग्य है! यह राज्य के लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है, झामुमो-कांग्रेस-राजद सरकार में पहले जेएसएससी-जेपीएससी के पेपर लीक हो रहे थे और अब मैट्रिक परीक्षा का पेपर भी लीक हो गया।

राज्य सरकार से आग्रह है कि थोड़ा संवेदनशील बनिए और दोषियों को चिन्हित कर उन पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित कीजिए।

अमर बाउरी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मांग की है कि इस मामले को गंभीरता से लेकर जाए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। उनका कहना है कि बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने देना चाहिए और जो लोग इस मामले के लिए जिम्मेदार हैं, उन्हें कड़ी सजा मिलनी चाहिए। समाज के विभिन्न हिस्सों से भी इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया आ रही है, और यह सवाल उठ रहा है कि क्या इस प्रकार के घटनाक्रम से छात्रों के मनोबल पर असर पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने मामले की जांच कराने का आश्वासन दिया है और दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की बात कही है।

रांची से महाकुंभ जा रही बस जलकर हुई राख, 35 लोग थे सवार

रामगढ़ (एजेंसी): रामगढ़ जिले के कुजू ओपी क्षेत्र में एक बड़ा हादसा हुआ है। रांची से महाकुंभ जा रही एक बस में अचानक आग लग गई। बस में करीब ३५ लोग सवार थे, लेकिन सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

हादसा एनएच ३३ पर हेसागढ़ा के पास हुआ। बस के पीछे से धुआं निकलना शुरू हुआ, जिसे देखकर ड्राइवर ने बस को सड़क के किनारे किया और आग बुझाने का प्रयास किया। लेकिन आग बुझने के बजाय बढ़ने लगी और बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। अच्छी बात यह है कि इस हादसे में किसी को भी कोई नुकसान नहीं हुआ है।

झारखंड कांग्रेस में नवनियुक्त प्रभारी के. राजू आज आएंगे रांची, स्वागत की तैयारी पूरी

रांची (एजेंसी): रांची महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. कुमार राजा की अध्यक्षता में कांग्रेस कार्यालय रांची में झारखंड के नवनियुक्त प्रभारी के. राजू के आगमन के तैयारी को लेकर बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में रांची महानगर कांग्रेस कमेटी के सभी पदाधिकारी, प्रखंड कमेटी, मंडल कमेटी और वार्ड कमेटी के सदस्य उपस्थित थे। भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ नेता सुबोध कांत सहाय ने कहा कि झारखंड के नवनियुक्त प्रभारी के. राजू का आगमन प्रदेश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनके नेतृत्व मंन झारखंड कांग्रेस और अधिक सशक्त होगी और जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को कार्य करने में और अधिक प्रेरणा एवं सहयोग प्राप्त होगा।

बैठक के दौरान रांची महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. कुमार राजा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड के नवनियुक्त प्रभारी के. राजू का भव्य स्वागत किया जाएगा। सभी कार्यकर्ताओं को इस स्वागत समारोह की तैयारियों में पूरी निष्ठा और उत्साह के साथ जुटना चाहिए, ताकि उनका आगमन ऐतिहासिक और यादगार बनाया जा सके। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे अपने-अपने स्तर पर स्वागत की तैयारियों को सुचारु रूप से सुनिश्चित करें।

बैठक में प्रमुख रूप से गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजू रंजन प्रसाद, कांके विधायक सुरेश कुमार बैठा, प्रदेश महासचिव विनय सिन्हा दीपू, महासचिव कमल ठाकुर, रांची ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार महतो, महानगर उपाध्यक्ष प्रिंस भट्ट, साजदा खातून, महासचिव अर्चना मिर्धा, प्रखंड अध्यक्ष अनिल उरांव, विक्की करमाली, मोहम्मद तौहीद, चमन रजक, समीर कुरेशी, अजय चौधरी, रंजन यादव, मेहुल प्रसाद, महानगर युवा कांग्रेस अध्यक्ष गौरव सिंह, रांची अध्यक्ष दीपक, कार्यालय प्रभारी हुसैन अंसारी और राकेश कुमार सिंह सहित कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

झारखंड भाजपा की मांग, छावा फिल्म को टैक्स फ्री करे हेमंत सरकार

रांची (एजेंसी): झारखंड भाजपा के ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अमरदीप यादव ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मांग की है कि छत्रपति शंभाजी महाराज की जीवनी पर बनीं फिल्म छावा को राज्य में टैक्स फ्री किया जाए। डॉ. यादव ने कहा कि इस फिल्म के माध्यम से युवा एवं विद्यार्थियों को हिंदवी स्वराज के महानायक छत्रपति शंभाजी महाराज के गौरवपूर्ण इतिहास के बारे में जानने का मौका मिलेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि फिल्म के टैक्स फ्री होने से राज्यवासी विशेष रूप से युवा वर्ग इस फिल्म को देखकर राष्ट्रवाद देश की एकता और अखंडता के साथ-साथ हिंदुत्ववाद से प्रेरणा प्राप्त करेंगे।

फिल्म छावा की कहानी में छत्रपति शंभाजी महाराज की वीरता, साहस और देशभक्ति को उजागर किया गया है। डॉ. यादव ने कहा कि फिल्म को मनोरंजन कर से मुक्त करने से टिकट की दरें कम हो जाएंगी जिससे अधिक दर्शक इसे देख सकेंगे। मध्यप्रदेश और गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रमोद सावंत ने पहले ही अपने राज्यों में इस फिल्म को टैक्स फ्री करने का ऐलान किया है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी इस बात की संभावना जताई है कि जल्द ही उनके राज्य में भी फिल्म को मनोरंजन कर मुक्त किया जाएगा। झारखंड भाजपा की इस मांग से राज्य में छावा फिल्म के प्रति दर्शकों की दिलचस्पी और बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

एमपी-एमएलए- कोर्ट ने बंधु तिर्की को किया बरी, आचार संहिता से जुड़ा था मामला

रांची (एजेंसी): पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता बंधु तिर्की को रांची सिविल कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। आचार संहिता उल्लंघन से जुड़े ६ वर्ष पुराने एक मामले में एमपी-एमएलए- की विशेष कोर्ट ने बंधु तिर्की को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है। गुरुवार को कोर्ट ने यह फैसला सुनाया। इससे पहले, सोमवार को बंधु तिर्की का ३१३ का बयान दर्ज किया गया था, जिसके बाद रांची एमपी-एमएलए की विशेष कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था और गुरुवार को फैसला सुनाने के लिए तिथि निर्धारित की थी। यह मामला सिल्ली विधानसभा के उपचुनाव से जुड़ा हुआ है, जब बंधु तिर्की ने अनगड़ा थाना क्षेत्र में एक रैली को संबोधित किया था। रैली के दौरान बंधु तिर्की ने राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री को छत्तीसगढ़ी कहकर टिप्पणी की थी, साथ ही उन्होंने सुदेश कुमार महतो को नाभि में तीर मारने का बयान भी दिया था। इस बयान के बाद, तत्कालीन अनगड़ा सीओ छवि बाला बाड़ा ने ७ जून २०१८ को बंधु तिर्की के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। बंधु तिर्की पर ६ जुलाई २०२२ को आरोप गठित किए गए थे। यह घटना उस समय हुई थी जब बंधु तिर्की जेवीएम में थे। कोर्ट ने साक्ष्य के अभाव में बंधु तिर्की को बरी कर दिया, जिससे उन्हें बड़ी राहत मिली है।

रांची डीसी मंजु नाथ भजंत्री की याचिका पर जवाब के लिए सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से मांगा समय

रांची (एजेंसी): रांची डीसी के पद पर पदस्थापित मंजुनाथ भजंत्री की याचिका पर अब सुप्रीम कोर्ट में चार सप्ताह बाद सुनवाई होगी। गुरुवार को हुई सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने जवाब दाखिल करने के लिए समय देने का आग्रह किया, जिसे शीर्ष अदालत ने स्वीकार करते हुए चार सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। फिलहाल, सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें कोई राहत नहीं दी है।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस ऋषिकेश रॉय और जस्टिस पंकज मित्तल की बेंच में भजंत्री की याचिका पर सुनवाई चल रही है। मंजुनाथ भजंत्री ने सुप्रीम कोर्ट में स्पेशल लीव पिटीशन दाखिल कर झारखंड हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें उन्हें चुनावी कार्यों से दूर रखने का आदेश दिया गया था।

पिछले वर्ष २२ सितंबर को झारखंड हाईकोर्ट ने आईएएस अधिकारी मंजूनाथ भजंत्री के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने और उन्हें चुनावी कार्यों से अलग रखने के आदेश के खिलाफ दायर अपील याचिका स्वीकार कर ली थी। इसके बाद उन्हें चुनावी कार्यों से दूर रखा गया था और आचार संहिता के दौरान उन्हें रांची डीसी के पद से हटा कर वरुण रंजन को रांची डीसी नियुक्त किया गया था। हालांकि, हेमंत सोरेन के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद सरकार ने वापस मंजूनाथ भजंत्री को रांची डीसी नियुक्त कर दिया है।

आयुष्मान भारत योजना से छोटे अस्पतालों को बाहर करना सरकार की साजिश:अजय साह

रांची (एजेंसी): झारखंड भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने राज्य सरकार पर तीखा हमला करते हुए आयुष्मान भारत योजना को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं।

भाजपा मुख्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान अजय साह ने कहा कि झारखंड सरकार आयुष्मान भारत योजना को पूरी तरह से बंद करने की योजना बना रही है, जोकि पूरे देश में गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुरक्षा कवच है।

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी उस आदेश का जिक्र किया, जिसमें आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत अस्पतालों को सूचीबद्ध करने के नए नियम लागू किए गए हैं। इन नियमों के तहत, अब केवल उन अस्पतालों को योजना में शामिल किया जाएगा जिनके पास शहरी क्षेत्रों में ५० और ग्रामीण क्षेत्रों में ३० बेड की क्षमता होगी। अजय साह ने आशंका जताई कि इस आदेश के बाद झारखंड में मुश्किल से १५ अस्पताल ही इस योजना का लाभ मरीजों को दे सकेंगे। जिससे राज्य के अधिकांश छोटे अस्पतालों को इससे बाहर कर दिया जाएगा।

उन्होंने इस निर्णय को झारखंड सरकार की वित्तीय कुप्रबंधन का परिणाम बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने जानबूझकर ऐसे नियम बनाए हैं, जिससे राज्य के अधिकांश अस्पताल आयुष्मान भारत योजना से बाहर हो जाएं और सरकार को फंड में कटौती करने का मौका मिल सके।

अजय साह ने राज्य सरकार के मंत्री इरफान अंसारी के उस बयान पर भी सवाल उठाया, जिसमें उन्होंने छोटे अस्पतालों में भ्रष्टाचार को रोकने के नाम पर उन्हें योजना से बाहर करने की बात की थी।

भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि यह कदम बड़े कॉर्पोरेट अस्पतालों को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से उठाया गया है। उन्होंने मांग की कि सरकार उन अस्पतालों के नाम और उनके खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी सार्वजनिक करे, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि यह निर्णय सही था या नहीं। अजय साह ने इस फैसले को जनविरोधी और झारखंड के लाखों जरूरतमंद मरीजों के हितों के खिलाफ करार दिया। राज्य सरकार से इस पर पुनर्विचार करने की अपील की। प्रेस वार्ता में मीडिया सह प्रभारी अशोक बड़ाईक भी मौजूद थे।

सास के साथ रिश्ता खूबसूरत बनाए रखने के लिए इन खास बातों का रखें ध्यान

महिलाओं के जीवन में हर पड़ाव पर कई सारे बदलाव और उतार-चढ़ाव आते हैं। इन्हीं में से उनका एक फेज शादी का भी होता है। दरअसल, शादी के बाद कई नए रिश्ते बनते हैं, जिनमें सास-बहू का रिश्ता बेहद अनोखा और इंटरेस्टिंग होता है।

टीवी सीरियल और सिनेमा ने सास और बहू की रिलेशनशिप की अलग ही छवि बना रखी है, जहां प्यार कम और नोकझोंक ज्यादा दिखाई देता है। हालांकि, रियल लाइफ में कई जगह ऐसे ही उदाहरण देखने को मिलते हैं। इस तरह के रिश्ते थोड़े चुनौतीपूर्ण तो होते हैं। पर, छोटी सी कोशिश और समझदारी से इस रिश्ते को खूबसूरत और मजबूत बनाया जा सकता है।

सास-बहू के रिश्ते को कैसे बनाएं मजबूत?

सम्मान और प्यार दिखाएं

बहू होने के नाते आपको हमेशा अपनी सास का सम्मान करना चाहिए और उन्हें प्यार देना चाहिए। जब भी आपकी सास कुछ बोल रही हों, तो उनकी बातों को ध्यान से सुनें और उनकी भावनाओं को समझने की कोशिश करें। साथ ही, उनके अनुभवों से सीखने का प्रयास करें।

सास के साथ अच्छी तरह से करें बातचीत

अपनी सास से खुलकर और ईमानदारी से बात करें। अगर आपको किसी भी तरह की कोई परेशानी है, तो अपनी भावनाओं और विचारों को उनसे साझा करें। अगर कोई गलतफहमी या मनमुटाव हो तो शांत और धैर्यपूर्वक बात करें। कुछ चीजों को उनकी नजरिए से भी देखने की कोशिश करें। तभी आपके संबंध सास के साथ अच्छे हो सकते हैं।

घरेलू कामों में सास की करें मदद

जब भी जरूरत हो तो अपनी सास की मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहें। घरेलू कामों में, खरीदारी में या फिर डॉक्टर के पास ले जाने में उनकी मदद अवश्य करें। उनके लिए समय निकालें और बीच-बीच में उनके साथ बातें कर रहें। उन्हें कभी भी अकेलापन महसूस न होने दें।

रिश्ते में धैर्य रखना है जरूरी

रिश्ते बनाने में समय लगता है। अपनी सास के साथ मजबूत रिश्ता बनाने के लिए आपको धैर्य रखने की जरूरत है। अपनी गलतियों से सीखें और धीरे-धीरे आपस में समझदारी विकसित करें।

टेक्नोलॉजी के कारण हो रहा है स्ट्रेस तो इन आसान टिप्स की मदद से खुद को करें रिलैक्स

टेक्नोलॉजी का अत्यधिक उपयोग आज के समय में तनाव का कारण बन रहा है, लेकिन आप इस तनाव को खुद से दूर करने के लिए कुछ आसान उपायों की मदद ले सकती हैं।

तनाव आज के समय में लोगों के जीवन का हिस्सा ही बन गया है। घर से लेकर ऑफिस में काम का बढ़ता बोझ, कमजोर पारिवारिक रिश्ते व बेहद जल्द सबकुछ पाने की चाह जीवन को तनावग्रस्त बनाती है। लेकिन इसके अलावा एक चीज ऐसी भी है, जो स्ट्रेस को जन्म देती है और वह है टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करना। वर्तमान में, किसी भी महिला का शायद ही कोई दिन ऐसा बीतता हो, जब वह टेक्नोलॉजी के संपर्क में ना आती हो। फोन से लेकर लैपटॉप में हम कई-कई घंटे बिताते हैं, लेकिन अंततः इनका अत्यधिक उपयोग स्ट्रेस और एंग्जाइटी जैसी समस्याओं को जन्म देता है। टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हुए भी आप टेक स्ट्रेस को खुद से दूर कर सकती हैं और इसके लिए आपको बहुत कुछ करने की जरूरत नहीं है। बस आप कुछ छोटे-छोटे टिप्स अपनाकर ऐसा आसानी से कर सकती हैं। तो चलिए जानते हैं इन टिप्स के बारे में-

करें डिजिटली डिटॉक्स

खुद को तनावमुक्त रखने का सबसे आसान तरीका यह है कि आप खुद को कभी-कभी डिजिटली डिटॉक्स करें। स्क्रीन (आंखें स्वस्थ रखने के लिए अपनाए टिप्स) से बाहर आकर वास्तविक दुनिया का आनंद लें। मसलन, अगर संडे को आपकी छुट्टी होती है तो उस दिन अपने लैपटॉप को भी छुट्टी दें। कोशिश करें कि वह दिन आप अपने परिवार के साथ बिताएं और फोन, लैपटॉप व टीवी से दूरी बनाएं। इसके अलावा जब आप ऑफिस से घर आती है तो कम से कम एक घंटे के लिए फोन को बंद करके रखें। इससे भी आप खुद को अतिरिक्त टेक स्ट्रेस को दूर कर सकती हैं।

लें छोटे-छोटे ब्रेक

अगर आपका काम कुछ ऐसा है कि आपको लंबे समय तक लैपटॉप के सामने बैठना पड़ता है तो हो सकता है कि इसके कारण आपको सिर में दर्द या फिर अन्य तरह के स्ट्रेस का सामना करना पड़ता है। इसलिए इससे बचने के लिए आप काम के बीच में छोटे-छोटे ब्रेक लें। अगर संभव हो तो आप बीच में कुछ नैप भी ले सकती हैं। इससे भी आपका स्ट्रेस काफी कम होता है।

फोन को रखें बेड से दूर

टेक स्ट्रेस को दूर करने का एक सबसे अच्छा तरीका है कि आप अपने जीवन में कुछ नियम तय करें। मसलन, जब आप रात में अपने बेड पर हों तो फोन को खुद से दूर रखें। इसके अलावा सुबह उठने के बाद सबसे पहले फोन को इस्तेमाल करने की आदत को बदलें। इस तरह के छोटे-छोटे टिप्स टेक स्ट्रेस को दूर रखने में मददगार होता है।

तय करें शेड्यूल

जब आप टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रही हैं तो आपको इस बात का ध्यान रखना होगा कि आप उसे नियंत्रित रूप से ही इस्तेमाल करें। मसलन, आप लैपटॉप व फोन पर टाइम स्पेंड करने का शेड्यूल करें। साथ ही यह भी कोशिश करें कि आपका काम तय समय पर ही पूरा हो। इससे भी आप अपने तनाव को काफी हद तक कम कर सकती है।

रिलैक्सिंग एक्टिविटी

यह सच है कि टेक्नोलॉजी को खुद से दूर नहीं किया जा सकता, लेकिन फिर भी आप उसके नेगेटिव प्रभावों को काफी हद तक कम कर सकती हैं। मसलन, अगर आपने पूरा दिन लैपटॉप पर काम किया है और अब आपको थकान व तनाव का अहसास हो रहा है तो काम खत्म करने के बाद आप कुछ रिलैक्सिंग एक्टिविटी जरूर करें। मसलन, आप एक शॉवर लें या फिर अपना मनपसंद म्यूजिक सुनें। इससे आपको काफी अच्छा लगेगा।

शैम्पू की खाली पड़ी बोतल से घर पर ऐसे तैयार करें धूपबत्ती स्टैंड

हम सभी बाजार से अलग-अलग शैम्पू की बोतल खरीद कर लाते है। जैसे ही शैम्पू खत्म होता है उसे कचरे के ढेर में फेंकते हुए। आपको बता दें इसकी मदद से आप बिना पैसा खर्च किए कमाल का सामान बना सकती हैं।

हम सभी के घरों एक नहीं कई ऐसे सामान आते हैं जो प्लास्टिक के डिब्बे में आते हैं। फिर चाहे बात करें फूड आइटम, क्लीनिंग और किचन केयर प्रोडक्ट आज के समय ये सारे प्रोडक्ट प्लास्टिक के डिब्बे में आता है। सामान खत्म होने के बाद हम सभी इन डिब्बों को यूजलेस समझकर कूड़े के ढेर में फेंक देते हैं। लेकिन आपको बता दें कि आप इन डिब्बों का दोबारा और सही से इस्तेमाल कर घर की काफी यूजफुल सामान को क्रिएट कर सकती है। आज हम आपको एक ऐसे ही आइडिया के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे आप बेकार पड़े शैम्पू की बोतल से रिक्रिएट कर सकते हैं। होम डेकोर से लेकर पूजा स्थान पर इस्तेमाल होने वाले स्टैंड से लेकर डेकोरेशन आइटम्स को बाजार से खरीदना पसंद करते हैं। ये सामान देखने में जितने सुंदर होते हैं उनकी कीमत उतनी ही ज्यादा होती है। मंदिर में भगवान की प्रतिमा व मूर्ति के सामने दीया और धूपबत्ती जलाने के लिए स्टैंड की जरूरत पड़ती है। आपको बता दें कि आप सुंदर और यूनिक धूप बत्ती स्टैंड को खाली डिब्बे से तैयार कर सकती हैं। चलिए जानते हैं इसे बनाने का तरीका।

जरूरी सामान

- शैम्पू की बोतल (जो आपके पास मौजूद है)
- थर्माकोल
- क्ले • फेविकोल
- पेंट • ब्रश
- दियासलाई • छोटे पत्थर
- छोटे प्लास्टिक का फूल और पत्ती
- मिट्टी का खिलौने वाला नन्हा घड़ा

स्टैंड बनाने का तरीका

- स्मोक धूप स्टैंड बनाने के लिए सबसे पहले बोतल के एक तरफ के ऊपरी हिस्से को काट लें।
- काटने के बाद ऊपर के हिस्से को काटकर वहां पर कैप लगाएं। इसके अलावा अंदर लगी पाइप को निकाल दें।
- अब थर्माकोल को छोटे-छोटे टुकड़े में काटकर बोतल के अंदर के हिस्से पर वॉल स्टैंड जैसा चिपकाएं।
- चिपकाने के बाद इसे कुछ देर सूखने दें। अब ब्रश की मदद से छोटी चादर ,उसका थोड़ा सा किनारा नली की तरह बनाकर थर्माकोल के ऊपर रखकर ब्रश की मदद से अच्छे से चिपकाएं।
- इसके बाद छोटे-छोटे पत्थर को डिब्बे के नीचे वाले हिस्से में ग्लू की मदद से चिपका दें।
- अब सफेद पेंट की मदद से पत्थर और डिब्बे को पेंट कर दें।
- पेंट के सूखने के बाद ब्राउन और ब्लैक कलर को मिक्स करके अंदर के हिस्से पर कलर करें।
- अब एक दियासलाई लेकर उसके गोल व चौकोर टुकड़े करके डिब्बे के बाहर चिपका दें।
- इसके बाद ब्राउन पेंट करके उसे सेट होने के लिए दो से तीन घंटे के लिए छोड़ दें।
- एक स्पंज लेकर बाहर के हिस्से पर हल्का-हल्का टैप करें।
- इस प्रोसेस को करने के बाद आप अपने हिसाब से इसे सजा सकती हैं।
- अगर नहीं तो आप छोटे-छोटे प्लास्टिक के फूल और पत्ती को लगाकर पत्थर के ऊपर मिट्टी का छोटा सा बर्तन या घड़ा दें।

इस तरह से आप बिना अधिक पैसा खर्च किए घर पर डिमांडिंग और यूनिक स्मोकी धूप स्टैंड बनाकर तैयार कर सकती हैं।

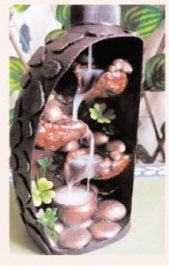

वेडिंग के लिए डिजाइनर आउटफिट खरीदने का है मन तो पहले इन बातों पर करें फोकस

अगर आप अपनी शादी को खास बनाने के लिए डिजाइनर आउटफिट खरीदना चाहती हैं तो किसी भी आउटफिट को सलेक्ट करने से पहले आपको कुछ बातों का ध्यान देना चाहिए।

लड़कियां चाहे कितना भी पैसों की बचत करना चाहें, लेकिन जब बात उनकी शादी की होती है तो वह पैसों की बचत को दरकिनार कर हर चीज बेस्ट चाहती हैं। इसमें सबसे पहले नंबर आता है उनके वेडिंग आउटफिट का। शादी के दिन हर किसी की निगाहें दुल्हन पर होती है और ऐसे में वह अपने लुक को लेकर किसी तरह का समझौता नहीं कर सकतीं। यूं तो आपको कई तरह के फैशनेबल वेडिंग लहंगे आदि मिल जाएंगे, लेकिन एक एलीगेंट और ग्रेसफुल लुक पाने के लिए एक डिजाइनर वेडिंग आउटफिट खरीदना अच्छा आईडिया है। यह थोड़ा महंगा हो सकता है, लेकिन इस तरह के डिजाइनर आउटफिट में अलग-अलग कलर का परफेक्ट कॉम्बिनेशन, उसकी आर्टिस्टिक एंब्रायडरी और सुंदर मोटिफ व अन्य डिजाइन वेडिंग आउटफिट के बेहद खास बनाते हैं। हो सकता है कि आपने भी अपनी शादी के लिए एक डिजाइनर लहंगा लेने का मन बनाया हो, लेकिन किसी भी आउटफिट को खरीदने से पहले आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में

जरूर करें रिसर्च

जब आप एक डिजाइनर वेडिंग आउटफिट खरीद रही हैं तो पहले कुछ रिसर्च करनी जरूरी है। मसलन, आप अपने वेडिंग डे के दिन किस तरह का लुक चाहती हैं और फिर आप अलग-अलग डिजाइनर के वेडिंग लहंगों पर नजर डालें। इससे आपको यह समझ में आएगा कि कौन से डिजाइनर के आउटफिट आपके बजट में आपकी अपेक्षाओं को पूरा करते हैं। इसके अलावा, आप किसी भी डिजाइनर आउटफिट को सलेक्ट करने से पहले उसे पहनकर जरूर देखें। इससे आपको अपने फाइनल लुक का काफी हद तक अंदाजा हो जाएगा।

डिजाइनर से ही खरीदें

अगर आप एक डिजाइनर वेडिंग आउटफिट खरीद रही हैं तो कोशिश करें कि आप इसे सीधे डिजाइनर से ही खरीदें। आजकल अलग-अलग ब्रांड और डिजाइनर्स के स्टोर्स अवेलेबल हैं। जहां से आपको सही पीस चुनने में आसानी होगी। लेकिन अगर आप इसे रिसेलर या फिर ऑनलाइन शॉप कर रही हैं तो आपको मैटीरियल की क्वालिटी को चेक करना चाहिए। उदाहरण के तौर पर अगर आप सिल्क आउटफिट खरीद रही हैं तो कुछ आसान टेस्ट के जरिए पहचान सकती हैं कि वह असली है या नकली। आप इसे अपने हाथों से रगड़ें। यदि आप गर्मी महसूस करती हैं तो आप इसे खरीद सकते हैं। सिंथेटिक कपड़े के साथ गर्मी को महसूस करना लगभग असंभव है।

अगर खरीदें ऑनलाइन

अगर आप अपने डिजाइनर वेडिंग आउटफिट को किसी कारणवश ऑनलाइन आर्डर कर रहे हैं जो इसके बारे में अधिकतम जानकारी प्राप्त कर लें। मसलन, आउटफिट बनाने और इसे आप तक पहुंचाने में लगने वाले समय को पहले ही जान लें। इसके अलावा, जिस ऑनलाइन स्टोर से आप आउटफिट खरीद रहे हैं, उसकी रिटर्न पॉलिसी को चेक करना न भूलें। कभी-कभी, जो आप ऑनलाइन खरीदते हैं, वह अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता है। ऐसे में नो रिटर्न पॉलिसी आपके लिए मुश्किल खड़ी कर सकती हैं।

ट्रैवल एंड टूरिज्म इंडस्ट्री में भी बेस्ट करियर ऑप्शन

अगर आप देश-दुनिया की सैर करने के शौकीन हैं और किसी करियर के तलाश में हैं, तो आप ट्रैवल एंड टूरिज्म इंडस्ट्री में भी बेस्ट करियर ऑप्शन को चुन सकते हैं।

अक्सर हम पढ़ाई या अपने करियर में ऐसी स्थिति पर आकर खड़े हो जाते हैं जब कुछ समझ नहीं आता है। किस दिशा में करियर बनाया जाए, इस बात को लेकर कुछ लोग काफी कंफ्यूज रहते हैं। सब लोग अलग-अलग राय दे रहे होते हैं। ऐसे में, समझ नहीं आता कि क्या करना कितना सही होगा। जबकि, आज का समय सिर्फ कोर्स या डिग्री तक ही सीमित नहीं है। अगर, आपके अंदर कोई स्किल है, तो आप उसमें भी अपना करियर देख सकती हैं। पर, आज हम बात कर रहे हैं ट्रैवलिंग में करियर बनाने की। यदि आप घूमने-फिरने की शौकीन हैं और अक्सर सैर-सपाटे पर निकलते रहते हैं, तो आप इस क्षेत्र में भी अपना करियर देख सकती हैं। चलिए आज हम आपको ट्रैवल से जुड़े कुछ करियर की ऑप्शन के बारे में बताते हैं।

टूर गाइड में बनाएं करियर

अगर आपको जगह-जगह पर घूमने और उसके बारे में जानने में दिलचस्पी है, तो आप टूर गाइड में अपना करियर बना सकती हैं। इसके लिए आपको नई जगहों की जानकारी होने के साथ ही कहानी कहने का हुनर भी आना चाहिए। दरअसल, टूर गाइड का काम पर्यटकों को विभिन्न पर्यटन स्थलों की जानकारी देना और उससे जुड़े इतिहास के बारे में बताना होता है। ऐसे में, आपको इन स्थलों के इतिहास की जानकारी होने के साथ उसे बताने का तरीका भी आना चाहिए, ताकि लोगों को आपकी बताई गई बातें आसानी से समझ आए।

ट्रैवल एजेंट की नौकरी भी कर सकते हैं आप

ट्रैवल एंड टूरिज्म के क्षेत्र में ट्रैवल एजेंट की नौकरी को सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। इस नौकरी के लिए आपके अंदर मैनेजमेंट और बजट स्किल का होना जरूरी है। ट्रैवल एजेंट का काम लोगों के लिए बढ़िया ट्रिप खोजना और उसके लिए टूर या ट्रैवल पैकेज तैयार करना होता है। इसमें रिसॉर्ट्स की बुकिंग से लेकर खाने-पीने और घूमने तक पूरा वैकेशन पैकेज तैयार किया जाता है।

ट्रैवल फोटोग्राफी है बेस्ट ऑप्शन

अगर आप ट्रैवल की शौकीन हैं, तो आप ट्रैवल फोटोग्राफर भी बन सकते हैं। इसके साथ ही आप अपना पर्सनल पेज बना सकते हैं, जिसमें कुछ क्रिएटिव फोटोग्राफ क्लिक करके अपलोड कर सकते हैं। आप एक फीलांस ट्रैवल फोटोग्राफर के रूप में काम कर सकते हैं। अपने काम को अलग-अलग ब्रैंड और कंपनियों को बेच सकते हैं। इसके अलावा, आप किसी ट्रैवल कंपनी या प्रकाशन के लिए भी काम कर सकते हैं।

मेडिकल लैब टेक्निशियन
चुनौती भरा कॅरियर

लैब टेक्नीशियन नमूनों की जांच का काम करते हैं, लेकिन वे इसके परिणामों के विश्लेषण के लिए प्रशिक्षित नहीं होते। नमूनों के परिणामों का विश्लेषण पैथोलॉजिस्ट या लैब टेक्नोलॉजिस्ट ही कर सकता है। जांच के दौरान एमएलटी कुछ सैंपलों को आगे की जांच या फिर जरूरत के अनुसार उन्हें सुरक्षित भी रख लेता है। एमएलटी का काम बहुत ही जिम्मेदारी और चुनौती भरा होता है। इसमें धैर्य और निपुणता की बड़ी आवश्यकता होती है। जमा किए गए डाटा की सुरक्षा और गोपनीयता की भी जिम्मेदारी उसकी होती है।

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में क्लिनिकल प्रयोगशाला एक महत्वपूर्ण रोल अदा करता है। छोटी से छोटी बीमारी के लिए डॉक्टर मरीजों का विभिन्न तरह की जांच कराते हैं, ताकि असली मर्ज और उसकी स्थिति का पता चल सके। ऐसे में सही इलाज और दवा के लिए क्लिनिकल प्रयोगशाला की भूमिका अहम हो जाती है। ऐसी प्रयोगशालाओं पर काम करने के लिए प्रशिक्षित तकनीशियनों की जरूरत होती है। इन प्रशिक्षित तकनीशियनों को चिकित्सा के क्षेत्र में मेडिकल लेबोरेट्री टेक्नोलॉजिस्ट (एमएलटी) कहा जाता है। एमएलटी की पढ़ाई में बायो केमेस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी और ब्लड बैंकिंग शामिल हैं। एमएलटी शरीर में खून, खून के प्रकार, सेल और अन्य की अवस्थाओं का विश्लेषण करता है।

नेचर ऑफ वर्क

मेडिकल लैब टेक्नीशियन, डाक्टरों के निर्देश पर काम करते हैं। उपकरणों के रख-रखाव और कई तरह के काम इनके जिम्मे होता है। लेबोरेट्री में नमूनों की जांच और विश्लेषण में काम आने वाला घोल भी लैब टेक्नीशियन ही बनाते हैं। इन्हें मेडिकल साइंस के साथ-साथ लैब सुरक्षा नियमों और जरूरतों के बारे में पूरा ज्ञान होता है। लैब टेक्नीशियन नमूनों की जांच का काम करते हैं, लेकिन वे इसके परिणामों के विश्लेषण के लिए प्रशिक्षित नहीं होते। नमूनों के परिणामों का विश्लेषण पैथोलॉजिस्ट या लैब टेक्नोलॉजिस्ट ही कर सकता है। जांच के दौरान एमएलटी कुछ सैंपलों को आगे की जांच या फिर जरूरत के अनुसार उन्हें सुरक्षित भी रख लेता है। एमएलटी का काम बहुत ही जिम्मेदारी और चुनौती भरा होता है। इसमें धैर्य और निपुणता की बड़ी आवश्यकता होती है। जमा किए गए डाटा की सुरक्षा और गोपनीयता की भी जिम्मेदारी उसकी होती है।

कोर्स के दौरान क्या पढ़ें

डीपीएमआई की प्रिंसिपल अरूणा सिंह के मुताबिक मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, डिग्री एवं मास्टर्स के दौरान बेसिक फिजियोलॉजी, बेसिक बायोकेमिस्ट्री एंड ब्लड बैंकिंग, एनाटोमी एंड फिजियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, पैथोलॉजी, एनवायरमेंट एंड बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट, मेडिकल लेबोरेट्री टेक्नोलॉजी एंव अस्पताल प्रशिक्षण की पढ़ाई जाती है।

कोर्स एवं योग्यता

सर्टिफिकेट इन मेडिकल लैब टेक्नालॉजी (सीएमएलटी) यह छह महीने का कोर्स है जिसके लिए योग्यता है 10वीं पास। वहीं डिप्लोमा इन मेडिकल लैब टेक्निनोलॉजी के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। इस कोर्स की अवधि है एक साल। 12वीं में प्रमुख विशय के रूप में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी (पीसीबी) तथा फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स (पीसीएम) के साथ पास होना अनिवार्य है। बीएससी इन एमएलटी के लिए 12वीं विज्ञान विशयों के साथ तो उत्तीर्ण होना जरूरी है ही साथ ही इस कोर्स की अवधि है तीन वर्श। एमएससी इन मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजिस्ट (एमएलटी) प्रोग्राम में प्रवेश करने के लिए अभ्यार्थी के पास पहले हाई स्कूल डिप्लोमा होना चाहिए। इसके बाद दो साल का एसोसिएट प्रोग्राम करना होता है। यह प्रोग्राम कम्युनिटी कॉलेज, टेक्निक्वल स्कूल, वोकेशनल स्कूल या विश्वविद्यालय द्वारा कराया जाता है।

कहां कहां है अवसर

मेडिकल लेबोरेट्री तकनीशियनों को काम में निपुणता और जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण की जरूरत पड़ती है। छात्र इस तरह क प्रशिक्षण लेबोरेट्री कार्यों के दौरान ही साथ ही साथ प्राप्त कर सकते हैं। अधिकतर प्रांतों में मेडिकल लेबोरेट्री तकनीशियनों के लिए कोई प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं होती लेकिन कुछ राज्यों में इन तकनीशियनों के पास काम करने के लिए प्रमाण पत्र होना जरूरी है। प्रमाण पत्र वाले तकनीशियनों के लिए इस क्षेत्र में बेहतर संभावनाएं होती हैं। आप किसी भी मेडिकल लेबोरेट्री, हॉस्पिटल, पैथोलॉजिस्ट के साथ काम कर सकते हैं। ब्लड बैंक में इनकी खासी डिमांड रहती है। आप बतौर रिसर्चर व कंसल्टेंट के अलावा खुद का क्लिनिक खोल सकते हैं ऐसा कहना है डीपीएमआई की प्रिंसिपल अरूणा सिंह का।

आमदनी

सामान्य तौर पर एक एमएलटी का वेतन दस हजार से शुरू होता है जबकि पैथोलॉजिस्ट को तीस हजार से चालीस हजार तक सैलरी मिल जाती है। साथ ही योग्यता और तजुर्बे के आधार पर उनके वेतन में इजाफ़ा होता चला जाता है। देष के साथ साथ विदेषों में भी इनकी खासी डिमांड है।

प्रमुख संस्थान

- उल्ही पारामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट (डीपीएमआई), नई दिल्ली
- षिवालिक इंस्टीट्यूट ऑफ पारामेडिकल टेक्नोलॉजी, चंडीगढ़
- पारा मेडिकल कॉलेज, दुर्गापुर, पष्चिम बंगाल
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पारामेडिकल साइंसेज, लखनऊ
- डिपार्टमेंट ऑफ पैथालॉजी, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़।

पहली जॉब ज्वॉइन करने से पहले इन बातों का रखें रखना

यह सच है कि पहली जॉब अपने साथ एक उमंग लेकर आता है। लेकिन इस उमंग और उत्साह के बीच आपको अपनी समझदारी को नहीं खोना चाहिए। चूंकि आप अभी-अभी अपने प्रोफेशनल जीवन की शुरूआत कर रहे हैं, इसलिए आपको कई बातों का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए। याद रखें कि एक अच्छी जॉब मिलना जितना मुश्किल है, उससे भी कठिन है उसमें बने रहना और समय के साथ ग्रोथ करना। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही टिप्स बता रहे हैं, जो पहली जॉब में आपको ग्रोथ करने में मदद करेंगे-

जॉब आपके अनुकूल है या नहीं

कुछ लोगों के मन में अपनी प्रोफेशनल लाइफ को शुरू करने को लेकर इतना उत्साह होता है कि वह अन्य कुछ भी सोचना नहीं चाहते। जबकि आपको यह गलती नहीं करनी चाहिए। जब आप अपनी जॉब ज्वॉइन कर रहे हैं तो यह अवश्य देखें कि ऑफिस आपके घर से कितना दूर है। क्या आप हर दिन सुविधापूर्वक ऑफिस जा सकते हैं। इसके अलावा, आपके काम की टाइमिंग क्या है। हर छोटे-बड़े पहलू पर ध्यान देकर ही जॉब ज्वॉइन करें। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो कुछ ही दिनों में आपको तनाव होने लगेगा।

सीखते रहने पर दें जोर

कुछ लोग जॉब शुरू करते हैं तो उनके कोई खास टास्क दिया जाता है और वह केवल उसे ही करते चले जाते हैं। लेकिन आपको यह ध्यान देना चाहिए कि यह आपकी पहली जॉब है और इसलिए ऐसा बहुत कुछ है, जिसे अभी सीखा जाना बाकी है। इसलिए, जब आप अपनी प्रोफेशनल लाइफ में कदम रख दें, तब भी अपने सीखने के प्रोसेस को स्टॉप ना करें। ऑफिस के अलावा इंटरनेट, किताबों व शॉर्ट टर्म कोर्सेस के जरिए ऐसी चीजें सीखने की कोशिश करें, जो आपको एक अच्छी ग्रोथ दे सकें।

ऑफिस वियर का ध्यान रखना

जो लोग अपनी फर्स्ट जॉब में होते हैं, वह अक्सर प्रोफेशनल लाइफ को लेकर बेहद सजग नहीं होते। खासतौर से, जिन ऑफिस में ड्रेस कोड नहीं होता है, वहां पर अक्सर न्यूकमर्स कुछ भी पहन लेते हैं। जबकि आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। ध्यान दें कि इससे आपकी प्रोफेशनल इमेज डैमेज होती है। भले ही यह आपकी पहली जॉब है, लेकिन फिर भी आपको अपने आउटफिट से लेकर बातचीत करने के अंदाज यहां तक कि बॉडी लैंग्वेज आदि हर चीज का ख्याल रखना चाहिए। यह सभी चीजें आपके करियर को बहुत अधिक इफेक्ट करती हैं।

कंपनी पॉलिसी को करें चेक

अगर नई जॉब ज्वॉइन करते समय आप कोई कॉन्ट्रैक्ट साइन कर रहे हैं तो यह बेहद आवश्यक है कि आप सभी नियमों व कंपनी पॉलिसी को अवश्य पढ़ें। अक्सर पहली जॉब में लोग इसे पढ़ना जरूरी नहीं समझते। लेकिन वास्तव में यह बेहद अहम है। कभी-कभी कंपनी के ऐसे कुछ नियम होते हैं, जो बाद में आपके लिए परेशानी का सबब बन सकते हैं। इसके अलावा, आपको कंपनी की सोशल मीडिया पॉलिसी भी अवश्य चेक करनी चाहिए। दरअसल, इन दिनों कई कंपनियां काम के घंटों में कर्मचारियों को सोशल मीडिया साइट्स चलाने की अनुमति नहीं देती हैं। ऐसे में अगर आप उस समय सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट करते हैं तो यह आपके काम व जॉब के लिए भी नुकसानदायक हो सकता है।

बैंक एग्जाम में इंग्लिश की तैयारी के टिप्स

बैंकिंग या अन्य सरकारी जॉब पाने के इच्छुक युवाओं को रिटन टेस्ट व इंटरव्यू के दौर से गुजरना ही होता है। ऐसी परीक्षाएं मुख्य रूप से ऑब्जेक्टिव टाइप होती हैं और उनमें 4 से 5 पेपर होते हैं। इनमें इंग्लिश लैंग्वेज पेपर भी होता है, जिसमें आप सही तरह से तैयारी करके काफी अच्छा स्कोर कर सकते हैं।

इंग्लिश के पेपर में इंग्लिश कॉम्प्रिहेंशन, ग्रामेटिकल रिकल्स तथा वोकैब्युलरी रिकल्स को परखने के लिए प्रश्न पूछे जाते हैं। प्रश्न इस तरह सेट किए जाते हैं कि आपके अंगरेजी ज्ञान को अच्छी तरह जांचा जा सके। आम तौर पर यह पेपर 40 अंक का होता है और इसमें वोकैब्युलरी सेक्शन प्रमुख होता है। इसी से सबसे ज्यादा प्रश्न पूछे जाते हैं। उम्मीदवार की वोकैब्युलरी रिकल्स को जांचने के लिए एंटोनिम्स, सिनोनिम्स, कॉमन एरर्स, मिसस्पेल्ट वर्ड्स एंड फ्रेजेस से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। इन्हें हल करने के लिए जरूरी है कि उम्मीदवार को भाषा की अच्छी समझ हो। एक नजर डालते हैं वोकैब्युलरी सेक्शन में अच्छा स्कोर करने के लिए जरूरी बातों पर।

पढ़ने की आदत

अपनी वोकैब्युलरी सुधारने का सबसे अच्छा तरीका यही है कि लगातार इंग्लिश पढ़ते रहें। चाहे अखबार हो या मैग्जीन, ब्लॉग हो या वेबसाइट या फिर किताबें... आपको चाहिए कि आप जहां, जो मिले, उसे पढ़ डालें। जो भी पढ़ें, उसमें नए शब्दों और वाक्यों में उनके प्रयोग पर गौर करें।

नए शब्द सीखें

जब भी, जो भी नया शब्द दिखे, उसका अर्थ डिक्शनरी में देखें। इससे आपकी वोकैब्युलरी सुधरेगी और आपका शब्द भंडार समृद्ध होगा।

लिखते रहें

पढ़ने के साथ ही लिखने की आदत भी डालें। लिखने का अभ्यास भाषा पर आपकी पकड़ को मजबूत करेगा। इससे, जब आप कंपोजिशन लिखेंगे, तो नए शब्दों का प्रयोग करना आपके लिए आसान हो जाएगा। इससे आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

किताबें, मैग्जीन आदि पढ़ना अच्छी बात है लेकिन इसके साथ ही आपको इंग्लिश फिल्में, टीवी सीरियल व नाटक भी देखने चाहिए और इंग्लिश गाने भी सुनने चाहिए। कुल मिलाकर, भाषा को जिस भी रूप में ग्रहण कर सकते हैं, करें। इससे आप और वृहद स्तर पर भाषा का ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं।

प्रैक्टिस करें

अनेक कॉम्पिटिशन गाइड बुक्स में इंग्लिश लैंग्वेज के मॉक टेस्ट पेपर तथा सैंपल क्वेश्चन पेपर उपलब्ध होते हैं। इन्हें हल करते रहने से भी आपको काफी मदद मिलेगी। आपको परीक्षा के वोकैब्युलरी सेक्शन के बारे में भी अंदाजा हो जाएगा और नए शब्द व वाक्य भी सीखने को मिलेंगे।

संक्षिप्त समाचार

एलन मस्क के 13 बच्चों के नाम पढ़कर हो जाएंगे हैरान, आप भी पूछेंगे- नाम है या पासवर्ड?

वाशिंगटन, एजेंसी। एलन मस्क अपने काम के अलावा अपनी पर्सनल जिंदगी को लेकर भी चर्चा में रहते हैं। फिलहाल वो अपने 13 बच्चों को लेकर चर्चा में है, उनके बच्चे के नाम भी अनोखे हैं, जिसे सुन आप हैरान हो जाएंगे। अब आपको उनके बच्चों के नाम उनकी पत्नी और परिवार के बारे में विस्तार से बताते हैं। उनकी पहली पत्नी जस्टिन विल्सन से छह बच्चे हैं, पूर्व प्रेमिका ग्रिम्स से तीन, न्यूरालिंक की कार्यकारी शिवोन जिलिस से दो और रिपोर्ट के अनुसार, लेखिका एशले सेंट क्लेयर से एक बच्चा है। एलन मस्क और कनाडाई लेखिका जस्टिन विल्सन ने जनवरी 2000 में शादी की और 2002 में उनके बेटे नेवादा अलेक्जेंडर मस्क का जन्म हुआ। लेकिन नेवादा की मृत्यु 10 हफ्ते की उम्र में अचानक शिशु मृत्यु सिंड्रोम (एसआईडीएस) से हो गई। एलन मस्क के सबसे बड़े बच्चे की उम्र 20 साल है। इतने भरे-पूरे परिवार के बाद भी एलन को एक दुख भी है। उनके बड़े बेटे का देहांत जन्म लेने के दस हफ्ते में ही हो गया था। इस तरह से एलन मस्क के कुल 13 बच्चे अब तक पैदा हुए। इनमें एक की मौत हो गई है। इनमें दो एक साथ और तीन बच्चे एक साथ पैदा हुए। जुड़वां बच्चों के नाम जेवियर और डेमियन हैं और दोनों लड़के हैं। इसके अलावा तीन बच्चे हुए। ये तीनों भी लड़के हैं। इनके नाम काई, सैक्सन और डेमियन हैं। एलन-जस्टिन के सबसे बड़े बच्चे का नाम नेवादा अलेक्जेंडर मस्क था, उनकी मौत हो चुकी है। एलन की कंपनी न्यूरालिंक की कर्मचारी शिवोन जिलिस के साथ उनके जुड़वां बच्चे हुए। इस साल हुए इनके तीसरे बच्चे के नाम के बारे में अभी किसी को पता नहीं है। ग्रिफिन मस्क मशहूर बिजनेसमैन एलन मस्क के बेटे हैं। उनका जन्म 2004 में हुआ था और वर्तमान में वह एक कॉलेज छात्र हैं। सैक्सन मस्क का एक जुड़वां भाई है, जिसका नाम जेवियर है और उनका जन्म 2006 में हुआ था। उनकी मां जस्टिन मस्क हैं, जिनकी शादी एलन मस्क से हुई थी। एक्सा डार्क साइडरल मस्क का उपनाम या क्यों या ? है। इनकी जन्मतिथि दिसंबर 2021 है। इनकी मां का ग्रिम्स है। एक्सा का जन्म सरोगेसी के जरिए हुआ था। वह प्यार से अपने उपनाम वाई से जानी जाती हैं।

भारत में टेस्ला की फैक्ट्री नहीं लगने देंगे ट्रंप? मस्क के सामने ही कहा- ये अमेरिका के लिए सही नहीं

वाशिंगटन , एजेंसी। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे के दौरान उनकी टेस्ला के सीईओ एलन मस्क से मुलाकात को लेकर खूब चर्चा हुई थी। मोदी की मुलाकात के बाद मस्क भारत में टेस्ला के जरिए निवेश को तैयार हैं। अब इसको लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बयान सामने आया है। ट्रंप ने कहा है कि एलन मस्क की टेस्ला का भारत जाना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत द्वारा टैरिफ में उल्लेखनीय वृद्धि करने के कदमों के बीच भारत में फैक्ट्री लगाना बहुत अनुचित कदम होगा। फॉक्स न्यूज के एंकर सीन हैनिटी के साथ डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क के साक्षात्कार के दौरान की गई यह टिप्पणी टेस्ला के सीईओ द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे के दौरान उनसे मुलाकात के कुछ दिनों बाद आई है। ट्रंप ने भारत के उच्च टैरिफ दर के बारे में बात करते हुए ये बात कही। ट्रंप ने कहा कि हर देश ने टैरिफ के साथ अमेरिका का फायदा उठाया है। उन्होंने भारत में कारों पर टैरिफ का उदाहरण देते हुए शुरुआत की। भारत में व्यावहारिक रूप से कार बेचना असंभव है। मुझे नहीं पता कि यह सच है या नहीं, लेकिन मुझे लगता है। अगर मस्क भारत में कोई कारखाना बनाना चाहते हैं, तो यह ठीक है, लेकिन अमेरिका के लिए अनुचित भी है। इसके बाद मस्क ने तुरंत हस्तक्षेप करते हुए ट्रंप की बात पूरी की और कहा, टैरिफ 100 फीसद आयात शुल्क की तरह हैं। कम से कम 35,000 डॉलर की लागत वाली ईवी कार पर आयात शुल्क भारत में 15 फीसद है। बता दें कि एलन मस्क की टेस्ला ने पहले ही नई दिल्ली और मुंबई में शोरूम के लिए स्थानों की पहचान कर ली है। टेस्ला ने इसी के साथ भारत में 13 मध्यम स्तर के पद के लिए वैकेंसी की घोषणा की है।

ऑस्ट्रेलिया के तट पर पहुंचा 150 से अधिक व्हेल का झुंड, 90 को दी जाएगी इच्छामृत्यु

सिडनी एजेंसी।
ऑस्ट्रेलिया के तस्मानिया में 157 डॉल्फ़िन समुद्र तट पर फंस गई हैं। इनमें से 50 की मौत हो चुकी है, जबकि 90 अभी जीवित हैं। हालांकि, रेस्क्यू प्रयास विफल होने के कारण अधिकारियों ने इन्हें इच्छामृत्यु देने का निर्णय लिया है। रेस्क्यू वर्कर्स ने इन व्हेल्स को वापस समुद्र में भेजने की कई कोशिशें कीं, लेकिन तेज हवाओं और लहरों के कारण वे दोबारा तट पर लौट आईं। बचाव कार्य के लिए भारी मशीनरी नहीं भेजी जा सकी क्योंकि यह क्षेत्र दुर्गम है। जीवित व्हेल्स को समुद्र में सुरक्षित छोड़ना अब संभव नहीं है। अधिकारियों के अनुसार, इन्हें तड़पने से बचाने के लिए इच्छामृत्यु देना ही एकमात्र विकल्प है।

व्हेल विशेषज्ञों के अनुसार, झुंड में रहने वाली व्हेल अक्सर एक-दूसरे को बचाने की कोशिश में फंस जाती हैं। एक व्हेल के किनारे आने पर, वह संकट में अन्य को संकेत भेजती है, जिससे पूरी टोली फंस जाती है। समुद्र के जलस्तर में कमी या दिशा भ्रम भी इस घटना का कारण हो सकता है। व्हेल के शव इंसानों के लिए खतरनाक माने जाते हैं क्योंकि मृत व्हेल के शरीर में मीथेन गैस बनने लगती है, जिससे यह फट सकती है। इससे संक्रमण और गंध फैल सकती है, जो इंसानों के लिए हानिकारक है। कई बार ऐसी घटनाओं में लोग घायल भी हो चुके हैं। जानकारी के मुताबिक, ज्यादातरये व्हेल हमेशा साथ रहती हैं। अगर कोई एक व्हेल कहीं फंस जाती है तो बाकी सब भी उसके पीछे जाने लगती हैं। यही वजह है कि समुद्री तट के किनारे एक साथ इतनी सारी व्हेल्स की मौत होती है। कई बार कोई एक व्हेल किनारे पर आ जाती है और फिर तकलीफ में दूसरी व्हेलों के पास संकेत भेजती है। उस व्हेल के सिग्नल्स मिलने पर दूसरी व्हेल्स भी उसके पास आने लगती हैं और फंसती चली जाती हैं। व्हेल एक्सपर्ट का कहना है कि पानी का स्तर कम होने पर भी कई बार ये भटक जाती हैं। तस्मानिया पार्क्स एंड वाइल्डलाइफ सर्विस के अधिकारी ब्रेंडन क्लार्क ने बताया, हमने पहले मैक्वेरी हार्बर और पश्चिमी तट पर व्हेल स्ट्रैंडिंग के मामलों में सफलता पाई थी। लेकिन इस बार पर्यावरणीय और भौगोलिक चुनौतियां हैं, जिससे पहले की तकनीकों का इस्तेमाल मुश्किल हो सकता है। ब्रेंडन क्लार्क ने कहा, अधिकतर सामूहिक फंसाव पायलट व्हेल में देखने को मिलता है, लेकिन स्रडुद्यह्यद्र चद्वद्यद्यदद्दह ड्ढद्धडुद्यदद्धद्य का यह पहला बड़ा मामला है। यह घटना 50 साल बाद हुई है और अभी जांच जारी है। वैज्ञानिकों का मानना है कि पोस्ट-मॉर्टम रिपोर्ट इस घटना के कारणों को स्पष्ट कर सकती है।

ग्रीस में किसानों ने ट्रैक्टरों से यातायात किया अवरुद्ध , पुलिस के साथ हाथापाई की

ग्रीस , एजेंसी। यूनान के दूसरे सबसे बड़े शहर तेसालोनिकी में बुधवार देर रात प्रदर्शनकारी किसानों की पुलिस के साथ झड़प हो गई। इससे पहले उन्होंने उस स्थान के पास सुरक्षा घेरा तोड़ने का प्रयास किया, जहां प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोताकिस भाषण दे रहे थे।इस घटना में किसी के घायल होने या गिरफ्तारी की तत्काल कोई खबर नहीं है। मध्य यूनान से 1,000 से अधिक प्रदर्शनकारी लगभग 50 ट्रैक्टरों के काफिले के साथ उत्तरी शहर पहुंचे। काले झंडे दिखाते हुए किसानों ने आपातकालीन लाइटें जलाकर रात को रैली के दौरान तेसालोनिकी में मुख्य सड़कों को अपने ट्रैक्टरों से अवरुद्ध किया। हाल के महीनों में पूरे यूरोप में किसानों ने इसी तरह की शिकायतें और प्रदर्शन किए हैं। यूनान में कृषि संघ कई हफ्तों से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, जिसमें जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाले फसल नुकसान सहित विभिन्न मुद्दों पर सरकार से समर्थन की मांग की गई है। मध्य यूनान के तेसली में आंदोलन ने गति पकड़ ली है, जहां किसान अब भी 2023 के आखिर में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद के विषम हालात से जूझ रहे हैं।

अमेरिका में एक और प्लेन क्रैश से हड़कंप: अचानक हवा में टकराए प्लेन और बन गए आग के गोले, राख बन कर गिरे

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका के एरिजोना में बुधवार को एक और भयानक विमान हादसा हुआ, जहां दो विमानों की हवा में टक्कर हो गई। आपस में टकराते ही विमान आग के गोलेबन गए और राख के ढेर में नीचेआ गिरे। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना टक्सन के उत्तर-पश्चिम में स्थित माराना रीजनल एयरपोर्ट पर हुई जिसके बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया।यह हादसा टक्सन शहर के उत्तर-पश्चिम में हुआ। सेसना विमान सुरक्षित उतर गया, जबकि लैंसेयर विमान ज़मीन से टकराने के बाद उसमें आग लग गई।

मराना पुलिस विभाग ने इस हादसे में दो लोगों की मौत की पुष्टि की है। हालांकि, विमान में कुल कितने लोग सवार थे, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी नहीं दी गई है। हादसे के कारण मराना रीजनल एयरपोर्ट को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। मराना एयरपोर्ट के अधीक्षक गैलेन बीम ने कहा, हम इस हादसे से प्रभावित सभी लोगों और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। यह एक अप्रत्याशित घटना है और हम मराना पुलिस और फायर डिपार्टमेंट के त्वरित प्रतिक्रिया के लिए आभारी हैं।

संघीय विमानन प्रशासन के अनुसार, मराना रीजनल एयरपोर्ट एक अनियंत्रित हवाई क्षेत्र है, जहां कोई एयर ट्रैफिक कंट्रोल टावर नहीं होता। ऐसे एयरपोर्ट पर पायलट सामान्यतः कॉमन ट्रैफिक एडवायजरी फ्रिक्वेंसी का उपयोग करके अन्य पायलटों को अपनी स्थिति की जानकारी देते हैं। हज्रस्क और स्न्न के अधिकारी इस हादसे की जांच कर रहे हैं। हज्रस्कका एक जांचकर्ता गुरुवार सुबह मौके पर पहुंचकर मलबे की जांच करेगा। यह घटना हाल के दिनों में अमेरिका में हुई कई विमान दुर्घटनाओं में से एक है। इससे पहले, 29 जनवरी को वॉशिंगटन डीसी के रोनाल्ड रीगन एयरपोर्ट पर एक सैन्य हेलीकॉप्टर और अमेरिकन एयरलाइंस के एक क्षेत्रीय जेट की टक्कर में 67 लोगों की मौत हुई थी। इसके अलावा, कुछ अन्य बड़ी घटनाएं इस प्रकार हैं- फिलाडेल्फिया में एक मेडिकल इमरजेंसी विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ । अलास्का के नोम में एक विमान हादसे में 10 लोगों की मौत हुई।

स्कॉट्सडेल, एरिजोना में एक निजी विमान रनवे से फिसल गया, जिसमें पायलट की मौत हो गई । टोरंटो में डेल्टा एयरलाइंस का एक विमान लैंडिंग के दौरान पलट गया । हालांकि, हज्रस्कके मुताबिक, जनवरी 2025 में अमेरिका में विमान हादसों की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर सबसे कम रही। फिर भी, छोटे विमानों के साथ दुर्घटनाएं अधिक होती हैं, क्योंकि वे बड़े एयरलाइंस विमानों की तुलना में कम नियमों के दायरे में आते हैं।

हमास ने इजराइली बंधकों के शव सौंपने से पहले मंच पर रखे काले ताबूत, शव लेने गाज़ा पहुंचे रेड क्रॉस के वाहन

गाजा , एजेंसी। हमास के उग्रवादियों ने रेड क्रॉस को बंधकों के शव सौंपने से पहले मंच पर चार काले ताबूत प्रदर्शित किए। मंच के चारों ओर उग्रवादियों के बैनर लगे हुए थे। यह हस्तांतरण उस संघर्षविराम समझौते का हिस्सा है जो पिछले महीने प्रभाव में आया था। गाजा में संघर्षविराम समझौते के तहत हो रहे इस हस्तांतरण में एक मां और उसके दो छोटे बच्चों के शव शामिल हैं। साथ ही 80 वर्ष से अधिक उम्र के एक सेवानिवृत्त पत्रकार का शव भी इनमें शामिल है। इजराइल की सेना ने कहा है कि उसे उन चार बंधकों के शव मिल गए हैं जो हमास ने गाजा पट्टी में अंतर्राष्ट्रीय संस्था 'रेड क्रॉस को सौंपे गए थे। 'रेड क्रॉस संस्था का मुख्य उद्देश्य युद्ध के दौरान घायल सैनिकों की मदद और चिकित्सा करना है। बताया जाता है कि ये शव शीरी बीबास और उनके दो बच्चों और ओदेद लिफ्शित्ज के हैं। हमास द्वारा बंधक बनाए जाने के वक्त लिफ्शित्ज की उम्र 83 वर्ष थी। इजराइल के अधिकारी शवों की पहचान के लिए उनका डीएनए परीक्षण करेंगे। इस प्रक्रिया में दो दिन का समय लग सकता है। इस समझौते ने इजराइल और हमास के बीच 15 महीनों से चल रहे युद्ध को अस्थायी रूप से रोक दिया है। युद्ध की शुरुआत सात अक्टूबर 2023 को हमास के हमले के बाद हुई थी। रेड क्रॉस के वाहन गाज़ा पट्टी के उस स्थान पर पहुंच गए हैं जहां हमास चार इजराइली बंधकों के शव सौंपने वाला है। यह हस्तांतरण उस संघर्षविराम समझौते का हिस्सा है जो पिछले महीने प्रभाव में आया था। इस समझौते ने इजराइल और हमास के बीच 15 महीनों से चल रहे युद्ध को अस्थायी रूप से रोक दिया है। रेड क्रॉस के वाहन गाज़ा पट्टी के जिस स्थान पर पहुंचे हैं वहां सैकड़ों नकाबपोश लड़ाके और आम लोग झंडे और बैनर के साथ मौजूद हैं।

मोदी को हराना चाहते थे बाइडेन, इसलिए दे रहे थे करोड़ों का फंड

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एक फैसला लिया। इसमें उन्होंने भारत को मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए मिलने वाले 2.1 करोड़ डॉलर फंड को रद्द कर दिया। उनके इस फैसले को लेकर तरह-तरह की चर्चा हो रही है। इस बीच बुधवार रात सऊदी अरब सरकार के एफआईआई प्रायोरिटी समिट को संबोधित करते हुए ट्रंप ने अपने इस फैसले का बचाव किया। साथ ही उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन की सरकार पर भारत में चुनावी हस्तक्षेप का आरोप भी लगाया। ट्रंप ने कहा, हमें भारत में वोटर टर्नआउट के लिए 21 मिलियन डॉलर खर्च करने की जरूरत क्यों है? मुझे लगता है कि जो बाइडेन किसी और को चुनाव में जिताना चाहते थे। हमें भारत सरकार को यह बताना होगा। यह एक बड़ा मामला है। इससे पहले मंगलवार को भी उन्होंने इस मामले पर सफाई दी थी। डोनाल्ड ट्रंप का कहना था कि आज के समय में भारत खुद सक्षम हैं।

भारत के पास पैसे की कमी नहीं है। ऐसे में उसे फंड क्यों दिया जाए।उन्होंने कहा था, हम भारत को 21 मिलियन डॉलर क्यों दे रहे हैं? उनके पास बहुत पैसा है। वे दुनिया के सबसे अधिक कर लगाने वाले देशों में से एक हैं। उनके टैरिफ इतने अधिक हैं कि हम वहां व्यापार करने में मुश्किल से प्रवेश कर पाते हैं। मुझे भारत और उनके प्रधानमंत्री के लिए बहुत सम्मान है, लेकिन वोटर टर्नआउट के लिए 21 मिलियन डॉलर देना कितना सही? व्हाइट हाउस लौटने के कुछ दिनों बाद डोनाल्ड ट्रंप ने सभी विदेशी सहायता पर लगभग पूर्ण रोक लगाने का आदेश दिया। एलन मस्क ने भी डीओजीई के यूएसएआईडी को बंद करने की योजना का ऐलान किया। इसका वार्षिक बजट 40 अरब डॉलर से अधिक है। यह विशेष रूप से गरीब देशों में विकास, स्वास्थ्य और मानवीय कार्यक्रमों को समर्थन प्रदान करता है।

अज्ञात बंदूकधारियों ने बस पर चलाई अंधाधुंध गोलियां, पंजाब प्रांत के 7 लोगों की दर्दनाक मौत

इस्लामाबाद , एजेंसी।
पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में बुधवार को एक दर्दनाक घटना घटी, जब अज्ञात बंदूकधारियों ने एक बस में सवार सात यात्रियों की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, यह हमला तब हुआ जब बस प्रांतीय राजधानी क्वेटा से पंजाब प्रांत जा रही थी और बरखान क्षेत्र से गुजर रही थी। बंदूकधारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर अवरोधक लगाकर बस को रोका, फिर यात्रियों के पहचान पत्र की जांच की और सात लोगों को जबरन पास की पहाड़ी पर ले जाकर गोली मार दी। इसके बाद गोलियों की आवाज सुनाई दी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिन सात लोगों की हत्या की गई, वे सभी पंजाब प्रांत के रहने वाले थे और लाहौर जा रहे थे। घटना की जानकारी मिलते ही सुरक्षा बलों ने इलाके में पहुंचकर तलाशी अभियान शुरू किया, लेकिन फिलहाल हत्यारों का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। इस हमले की जिम्मेदारी अभी तक किसी भी समूह ने नहीं ली है, लेकिन बलूचिस्तान में जातीय बलूच आतंकवादी समूह अक्सर पंजाब के लोगों को निशाना बनाते रहते हैं। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस हमले की कड़ी निंदा की है। जरदारी ने इसे कायरतापूर्ण और जघन्य कृत्य बताया और कहा कि आतंकवादी शांति और मानवता के दुश्मन हैं। वहीं, प्रधानमंत्री शरीफ ने कहा कि बेगुनाह नागरिकों की कुर्बानी व्यर्थ नहीं जाएगी और सरकार तथा सुरक्षाबल आतंकवाद को समाप्त करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने भी इस हमले की कड़ी निंदा की और अपराधियों को जल्द पकड़ने का आश्वासन दिया।

सिंगापुर के स्कूल में छात्रों को जहरीला खाना परोसने पर हड़कंप, राष्ट्रीय भोजन कार्यक्रम निलंबित

सिंगापुर, एजेंसी।
सिंगापुर के एक स्कूल में छात्रों को जहरीला खाना परोसने पर हड़कंप मच गया। सिंगापुर ने खाद्य विषाक्तता के मामले के बाद अपने राष्ट्रीय भोजन कार्यक्रम को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। यह निर्णय स्कूल ऑफ आर्ट्स (एसओटीए) में छात्रों द्वारा खाए गए भोजन के कारण खाद्य विषाक्तता के मामले सामने आने के बाद लिया गया।

सिंगापुर फूड एजेंसी शिक्षा मंत्रालय, एजेंसी फॉर इंटीग्रेटेड केयर और खाद्य आपूर्तिकर्ता एसएटीएस ने एक संयुक्त बयान जारी किया, जिसमें कहा गया कि जब तक स्कूल ऑफ आर्ट्स में खाद्य विषाक्तता के मामलों की जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक सिंगापुर फूड रेजिलिएंस प्रिपेयर्डनेस प्रोग्राम को एहतियातन निलंबित किया जा रहा है।यह कार्यक्रम फूड रेजिलिएंस प्रिपेयर्डनेस प्रोग्राम के तहत 90 से अधिक स्कूलों के 1 लाख से अधिक छात्रों और शिक्षकों को तैयार भोजन वितरित करने के लिए था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों को आपातकालीन स्थितियों, जैसे बिजली कटौती और खाद्य आपूर्ति में रुकावट, के लिए तैयार करना था।

सिंगापुर में यह मामला मंगलवार को सामने आया, जब स्कूल ऑफ आर्ट्स के छात्रों को एक्सरसाइज एसजी रेडी के तहत भोजन प्रदान किया गया था। इस अभ्यास को टोटल डिफेंस पहल के तहत किया गया था, जिसमें आपातकालीन परिस्थितियों में खुद को तैयार करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। इस भोजन को खाने के बाद, 20 छात्रों में डायरिया और उल्टी जैसे लक्षण दिखाई दिए। स्न्न, शिक्षा मंत्रालय, स्वास्थ्य मंत्रालय और एसएटीएस ने बताया कि प्रभावित छात्रों की संख्या स्कूल में उन छात्रों का करीब 1% थी जिन्होंने यह तैयार भोजन खाया था। सिंगापुर फूड एजेंसी और अन्य संबंधित विभागों ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पूरी घटना की जांच शुरू कर दी है। जांच के परिणाम आने तक, सिंगापुर फूड रेजिलिएंस प्रिपेयर्डनेस प्रोग्राम को निलंबित करने का निर्णय लिया गया है। यह भी बताया कि इस घटना के बाद से एसओटीए के छात्रों को किसी प्रकार की गंभीर स्वास्थ्य समस्या का सामना नहीं करना पड़ा है। हालांकि, प्रशासन ने यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए हैं कि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। इस निलंबन के बाद, सिंगापुर सरकार ने यह भी संकेत दिया है।

बांग्लादेश में छात्रों के बीच हिंसक झड़प, 100 से अधिक घायल; कुलपति के इस्तीफे की मांग

ढाका। बांग्लादेश के खुलना यूनिवर्सिटी आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी (केयूईटी) में मंगलवार से चल रही हिंसक झड़पों में 100 से अधिक छात्र घायल हो गए हैं। स्थानीय मीडिया ने बुधवार को बताया कि विभिन्न राजनीतिक विचारधाराओं का समर्थन करने वाले छात्र संगठनों के बीच विश्वविद्यालय परिसर में छात्र राजनीति पर प्रतिबंध लगाने के मुद्दे पर टकराव हुआ है।

छात्र कुलपति मोहम्मद मशूद के इस्तीफे की भी मांग कर रहे हैं

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की छात्र शाखा जातीयतावादी छात्र डोल (जेसीडी) के नेताओं ने बुधवार शाम मीडिया को संबोधित करते हुए स्टूडेंट अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन (एसएडी) और इस्लामी पार्टी जमात-ए-इस्लामी की छात्र शाखा बांग्लादेश छात्र शिविर पर केयूईटी परिसर में हाल ही में हुए हमले की शुरुआत करने का आरोप लगाया है। परिसर में अशांति तब और बढ़ गई जब प्रदर्शनकारियों ने संस्थान का कामकाज और सभी शैक्षणिक गतिविधियां रोक दीं। छात्र कुलपति मोहम्मद मशूद के इस्तीफे की भी मांग कर रहे हैं। मंगलवार रात को विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने मशूद और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को केयूईटी परिसर में बंद कर दिया। स्थानीय मीडिया के अनुसार, प्रदर्शनकारी छात्रों ने कुलपति के साथ हाथापाई भी की और कथित तौर पर उन पर जूते भी फेंके गए।

हाफिज ने चोटिल फखर को मौका देने के पाकिस्तान के फैसले की आलोचना की

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मोहम्मद हफीज़ ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ़ आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में फ़खर ज़मान को मौका देने के लिए टीम प्रबंधन की कड़ी आलोचना की है, जिसके कारण स्टार ओपनर को अब पूरे टूर्नामेंट से हटना पड़ रहा है।

न्यूज़ीलैंड के खिलाफ़ पाकिस्तान के ओपनर के पहले ओवर में आउटफील्ड में गेंद का पीछा करते समय फ़खर को घुटने में चोट लग गई, जिसके कारण उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। हालांकि, पाकिस्तान के पीछा करने के दौरान वे वापस आ गए, लेकिन आईसीसी के नियमों के कारण उन्हें पाकिस्तान के लिए ओपनिंग करने से रोक दिया गया। इसके बजाय, उन्हें नंबर 4 पर भेजा गया, हफ़ीज़ का मानना ??है कि यह एक बड़ी ग़लती थी।

हफीज ने पीटीवी स्पोर्ट्स पर कहा,आप चैंपियंस ट्रॉफी उस व्यक्ति को देते हैं जिसने फ़खर को नंबर 4 पर बल्लेबाज़ी करने के लिए भेजा। वह ठीक से दौड़ नहीं पा रहा था। यह एक लंबा मैच था, और वह दर्द में था। आप उससे यह उम्मीद नहीं कर सकते कि वह बस वहां खड़ा रहे और हर गेंद को पार्क के बाहर मारे। वह विकेटों के बीच दौड़ने में संघर्ष कर रहा था, जिससे बाबर आजम पर और दबाव बढ़ गया।

फखर की चोट के अलावा, हफीज ने पाकिस्तान की 60 रन की हार के दौरान बाबर के दृष्टिकोण पर भी चिंता जताई। पाकिस्तान के कप्तान ने 90 गेंदों पर 64 रन बनाए, लेकिन जरूरत पड़ने पर तेजी से रन बनाने में विफल रहे। उन्होंने कहा, बाबर एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। उनके नाम लगभग 18,000 से 20,000 अंतरराष्ट्रीय रन हैं, लेकिन आज उनका इरादा क्या था- हफीज ने सवाल उठाया। उन्होंने अर्धशतक बनाया और संतुष्ट दिखे, लेकिन पाकिस्तान मैच हार गया। अगर उनकी पारी ने खेल को आगे बढ़ाया होता, तो यह मूल्यवान होता। इसके बजाय, उनके अर्धशतक ने पाकिस्तान को मैच गंवाने पर मजबूर कर दिया। हमने पावरप्ले में उस इरादे से बल्लेबाजी क्यों नहीं शुरू की?

भगवान हर बार मुझे बचा लेता है, जानें युजवेंद्र चहल की इस इंस्टाग्राम

इंस्टाग्राम स्टोरी का धनश्री ने दिया क्या जवाब?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर धनश्री वर्मा और युजवेंद्र चहल की शादीशुदा जिंदगी को लेकर अफवाहें आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि दोनों अलग हो चुके हैं। चहल और धनश्री ने तलाक की अफवाहों पर कोई सफाई नहीं दी है हालांकि दोनों ही सोशल मीडिया पर इशारों-इशारों में एक-दूसरे पर तंज करते जरूर नजर आते हैं।

युजवेंद्र चहल ने पहले शेयर की तस्वीर

युजवेंद्र चहल ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, 'मैं जितना गिन सकता हूं भगवान ने मुझे उससे ज्यादा बचाया है। तो मैं सिर्फ वो ही समय याद कर सकता हूं जब मुझे बचाया गया, जिसके बारे में मुझे पता भी नहीं है। मेरे साथ होने के लिए थैंक्यू भगवान, तब भी जब मुझे पता नहीं था।'

धनश्री ने दिया जवाब – धनश्री ने इस स्टोरी के लगभग एक घंटे बाद इंस्टाग्राम पर भगवान से जुड़ा ही पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा, 'स्ट्रेस से सौभाग्यशाली होने तक। ये कितना अच्छा है कि भगवान कैसे आपकी चिंताओं को खुशियों में बदल देते हैं? अगर आप आज किसी चीज को लेकर टेंशन में हैं तो ये जान लीजिए कि आपके पास ऑप्शन है। आप या तो टेंशन ले सकते हैं या फिर आप भगवान को खुद को समर्पित कर सकते हैं और हर चीज के लिए प्रार्थना कर सकते हैं। इस बात पर विश्वास करने में शक्ति है कि ईश्वर आपकी भलाई के लिए सभी चीजें एक साथ कर सकते हैं।'

लंबे समय से साथ नहीं दिखे चहल-धनश्री

धनश्री वर्मा एक दूसरे को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर चुके हैं। इसके अलावा दोनों ने अपने-अपने सोशल मीडिया अकाउंट से एक दूसरे के साथ वाली कई तस्वीरें भी डिलीट कर दी हैं। हालांकि दोनों ने अफवाहों को लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ साफ नहीं कहा है। चहल ने जनवरी में स्टोरी शेयर करते फैंस से अपील की थी। उन्होंने कहा, 'एक बेटे, एक भाई और एक मित्र के रूप में, मैं सभी से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करता हूं कि आप इन अटकलों में न पड़ें, क्योंकि इनसे मुझे और मेरे परिवार को बहुत दुख पहुंचा है। मेरे पारिवारिक मूल्यों ने मुझे हमेशा सभी के लिए अच्छी कामना करना, शॉर्टकट अपनाने के बजाय समर्पण और कड़ी मेहनत से से सफलता हासिल करने का प्रयास करना सिखाया है और मैं इन मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध हूं।'

चैंपियंस ट्रॉफी

दक्षिण अफ्रीका को कड़ी टक्कर देने के लिए उतरेगा अफगानिस्तान

कराची, एजेंसी। पहली बार चैंपियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट में भाग ले रही अफगानिस्तान की टीम सीमित ओवरों की क्रिकेट में अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखकर शुक्रवार को यहां होने वाले मैच में दक्षिण अफ्रीका की मजबूत टीम को चौंकाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। दक्षिण अफ्रीका की टीम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के टूर्नामेंट में महत्वपूर्ण मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं करती रही है। दक्षिण अफ्रीका की टीम में कई दिग्गज खिलाड़ी रहे हैं लेकिन इसके बावजूद वह अभी तक केवल चैंपियंस ट्रॉफी ही जीत पाई है। इस बार भी दक्षिण अफ्रीका की टीम बेहद संतुलित नजर आ रही है और उसकी बल्लेबाजी काफी मजबूत है। दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी में कप्तान टेम्बा बावुमा, टोनी डी जोरजी, रासी वैन डेर डुसेन और एडेन मार्करम शीर्ष क्रम में जबकि हेनरिक क्लासेन, डेविड मिलर और ट्रिस्टन स्टब्स मध्यक्रम की जिम्मेदारी संभालेंगे।

दक्षिण अफ्रीका के लिए सबसे बड़ी चिंता उसका गेंदबाजी विभाग है क्योंकि तेज गेंदबाज एनरिक नोर्किया, नांद्रे बर्गर और गेराल्ड कोएत्जी चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। ऐसे में अपनी आक्रामकता के लिए मशहूर तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा को अतिरिक्त जिम्मेदारी निभानी होगी तथा मार्को यानसन और लुंगी एनगिडी को उनका अच्छी तरह से साथ देना होगा। स्पिन विभाग में केशव महाराज और तबरेज शम्सी की अहम भूमिका होगी। दक्षिण अफ्रीका का हाल में वनडे में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। उसने वनडे विश्व कप 2023 के बाद जो 14 वनडे खेले हैं उनमें से उसे केवल चार मैच में जीत मिली। वह लगातार छह मैच में हार सामना करके इस टूर्नामेंट में उतर रहा है। लेकिन इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है कि वह इन मैचों में विभिन्न कारणों से अपने कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के बिना उतरा था। इस रूप की अन्य दो टीम ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड है जो खिलाड़ियों के चोटिल होने की समस्या से जूझ रहे हैं और ऐसे में दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान के पास नॉकआउट चरण में पहुंचने का यह शानदार मौका होगा। अफगानिस्तान ने हाल में आईसीसी प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन किया है। उसने वनडे विश्व कप 2023 में इंग्लैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका को हराया और पिछले साल टी20 विश्व कप के सेमी फाइनल में जगह बनाई। अफगानिस्तान ने इस तरह से साबित कर दिया है कि उसकी टीम को अब केवल छुआ रुस्तम तक सीमित रखना सही नहीं होगा। अफगानिस्तान का मजबूत पक्ष उसका स्पिन विभाग है जिसमें राशिद खान, मोहम्मद नबी और बाएं हाथ के नूर अहमद और नांगेयालिया खरोटे शामिल हैं। वे तीनों रूप मैच पाकिस्तान में खेलेंगे जहां स्पिन निर्णायक कारक होगा।

तेज गेंदबाज अजमतुल्लाह उमरजई ने अफगानिस्तान की एक दिवसीय क्रिकेट में सफलता में अहम भूमिका निभाई है। उनके अलावा तेज गेंदबाजी विभाग में फ़ज़लहक फ़ारूक़ी भी अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। बल्लेबाजी विभाग में रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान से एक बार फिर ठोस शुरुआत की उम्मीद होगी। अफगानिस्तान के मध्यक्रम के बल्लेबाज अपेक्षित योगदान देने में नाकाम रहे हैं जो टीम के लिए चिंता का विषय होगा।

टीमें

दक्षिण अफ्रीका:- टेम्बा बावुमा (कप्तान), टोनी डी जोरज़ी, मार्को यानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, कैगिसो रबाडा, रयान रिकेलटन, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स, रासी वैन डेर डुसेन, कॉर्बिन बॉश।

अफगानिस्तान: - हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), इब्राहिम जादरान, रहमानुल्लाह गुरबाज, सेदिकुल्लाह अटल, रहमत शाह, इकराम अलीखिल, गुलबदीन नायब, अजमतुल्ला उमरजई, मोहम्मद नबी, राशिद खान, नांग्याल खरोती, नूर अहमद, फजलहक फारूकी, फरीद मलिक, नवीद जादरान।

स्टार भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी के पिता का हुआ निधन

नई दिल्ली, एजेंसी। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी जिनकी गिनती इस समय देश के सबसे बेहतरीन बैडमिंटन प्लेयर्स में की जाती है उनके लिए 20 फरवरी का दिन किसी बड़े झटके से कम नहीं है। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी जो अभी दिल्ली में चल रहे 43वें पीएसपीबी इंटर यूनिट बैडमिंटन टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं उन्हें गुरुवार यानी 20 फरवरी के दिन खेल रत्न पुरस्कार भी मिलना था जिसमें उनका परिवार भी दिल्ली पहुंचने वाला था, लेकिन उससे पहले सात्विकसाईराज के पिता काशी विश्वनाथम का 65 साल की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। 24 साल के सात्विकसाईराज अपने पिता के निधन की खबर मिलने के बाद टूर्नामेंट को बीच में छोड़कर घर के लिए रवाना हो गए हैं।

सात्विकसाईराज के पिता रिटायर्ड फिजिकल एजुकेशन टीचर थे

भारतीय बैडमिंटन स्टार खिलाड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी को लेकर बात की जाए तो उनके पिता काशी विश्वनाथम एक रिटायर्ड फिजिकल एजुकेशन टीचर थे। समाचार एजेंसी पीटीआई की खबर के अनुसार सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी के पिता के निधन की खबर उनके परिवार के एक करीबी सूत्र ने दी जिसमें उन्होंने कहा कि यह बेहद दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है कि सात्विक के पिता का आज सुबह निधन हो गया। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी का घर आंध्र प्रदेश के अमलापुरम में है। सात्विकसाईराज को इस साल के लिए घोषित हुए मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवॉर्ड की लिस्ट में शामिल किए गए नामों में उनका नाम भी शामिल था।

हम बाबर को कुछ कहते हैं तो लोग हमें गद्दार कहते हैं

पाकिस्तान की हार के बाद भड़का पूर्व खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। मेजबान टीम होने के बावजूद पाकिस्तान की चैंपियंस ट्रॉफी में शुरुआत खराब रही। टीम को पहले ही मैच में न्यूजीलैंड के हाथों करारी शिकस्त मिली। इस हार के बाद टीम के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम की काफी आलोचना हो रही है। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ 90 गेंदों में केवल 64 रन बनाए। पूर्व पाकिस्तानी बल्लेबाज बासित अली ने बाबर की नीयत पर सवाल उठाए। साथ ही उन्होंने फैंस को भी लताड़ा जो कि उन्हें गद्दार कहते हैं। बासित अली ने एआरवाई न्यूज क्रिकेट शो पर कहा, '81 बॉल पर 50 करा बाबर ने, उन्होंने कूल 90 बॉल में 64 रन बनाए। क्या वह सिर्फ 50 के लिए खेल रहे थे। क्या उन्हें अपने मुल्क के लिए नहीं खेलना था। मुल्क पहले या बाबर आजम पहले। कोई पूछेगा उनसे?'

रंजी ट्रॉफीः

यश राठौड़ के शतक से मुंबई के खिलाफ मजबूत स्थिति में विदर्भ, रहाणे की टीम के लिए मैच जीतना होगा मुश्किल!

नई दिल्ली, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी के इस सीजन के सेमीफाइनल मुकाबले में दूसरी पारी में मुंबई के खिलाफ विदर्भ की टीम ने यश राठौड़ की शतकीय पारी के दम पर 292 रन बनाए। 292 रन के साथ इस मैच में विदर्भ की कुल बढ़त 405 रन की हो गई और अब मुंबई को फाइनल में पहुंचने के लिए 406 रन की जरूरत है जो आसान नहीं दिखता है। मुंबई की तरफ से दूसरी पारी में शम्स मुलानी ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 6 विकेट लिए जबकि तनुष कोटियान ने 3 विकेट चटकाए।

इस मैच में विदर्भ ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फैसला किया था और फिर इस टीम ने पहली पारी में 383 रन बनाए। इसके जवाब में मुंबई की टीम ने पहली पारी में 270 का स्कोर विदर्भ के खिलाफ खड़ा किया और विदर्भ को पहली पारी में 113 रन की बढ़त मिली। इसके बाद विदर्भ की टीम ने दूसरी पारी में 292 रन बनाए और इस टीम की कुल बढ़त अब 405 रन की हो गई है। रहाणे को सेमीफाइनल में जीत दर्ज करने के लिए अब 406 रन बनाने हैं।

मुंबई के खिलाफ विदर्भ की टीम ने दूसरी पारी में 292 रन बनाए। दूसरी पारी में विदर्भ के लिए मध्यक्रम के बल्लेबाज यश राठौड़ ने बेहतरीन पारी खेली और टीम को संभालने का काम किया। यश ने दूसरी पारी में 11 चौकों की मदद से 151 रन की पारी खेली और इस दौरान उन्होंने 252 गेंदों का सामना किया। दूसरी पारी में इस टीम के कप्तान व विकेटकीपर अक्षय वाडेकर ने 52 रन की अच्छी पारी खेली जबकि करुण नायर ने सिर्फ 6 रन बनाए।

दूसरी पारी में विदर्भ के खिलाफ मुंबई के स्पिनर शम्स मुलानी की गेंदबाजी बेहतरीन रही और उन्होंने 44 ओवर में 85 रन देकर 6 विकेट झटक लिए जबकि तेज गेंदबाज तनुष कोटियान ने दूसरी पारी में 81 रन देकर 3 विकेट लिए तो वहीं शार्दुल ठाकुर को एक सफलता मिली। इस मैच की पहली पारी में मुंबई के लिए ओपनर बल्लेबाज आकाश आनंद ने 106 रन की पारी खेली थी जबकि कप्तान रहाणे ने पहली पारी में 18 रन बनाए थे। सूर्यकुमार यादव और शिवम दुबे पहली पारी में डक पर आउट हो गए थे जबकि शार्दुल ठाकुर ने पहली पारी में 37 रन बनाए थे।

सीजन के अंत में संन्यास लेंगे एथलेटिक क्लब बिलबाओ के डिफेंडर ऑस्कर डी मार्कोस

मैड्रिड, एजेंसी। एथलेटिक क्लब बिलबाओ के अनुभवी डिफेंडर ऑस्कर डी मार्कोस ने बुधवार को घोषणा की कि वह मौजूदा सीजन के अंत में फुटबॉल से संन्यास ले लेंगे। अप्रैल में 36 साल के होने जा रहे डी मार्कोस इस समय क्लब के साथ अपने 16वें सीजन में खेल रहे हैं।

पिछले रविवार को एस्पेनयोल के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने 560वीं बार क्लब के लिए मैदान पर उतरकर खुद को एथलेटिक के इतिहास में दूसरा सबसे ज्यादा मैच खेलने वाला खिलाड़ी बना लिया। इस सूची में वह इकर मुनिएन के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं, जबकि जोसे एंजेल इरिबार (614 मैच) इस सूची में शीर्ष पर हैं।

जनवरी में कर लिया था फैसला

डी मार्कोस ने क्लब के लेज़ामा प्रशिक्षण मैदान में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि उन्होंने जनवरी की शुरुआत में कोच अर्नेस्टो वाल्वरडे को अपने संन्यास के फैसले की जानकारी दे दी थी। उन्होंने कहा, यह फैसला पहले से ही मेरे मन में था, लेकिन बीच-बीच में मैंने जारी रखने के बारे में भी सोचा। हालांकि, इस बार मुझे पूरा यकीन था कि यही सही समय है।

शानदार करियर का समापन

इस सीजन में डी मार्कोस ने ला लीगा में 19 और यूरोपा लीग में छह मुकाबले खेले हैं। उनकी टीम एथलेटिक बिलबाओ इस समय ला लीगा में चौथे स्थान पर बनी हुई है और यूरोपा लीग के अंतिम-16 में भी जगह बना चुकी है। डी मार्कोस ने कहा, मुझे लगता है कि यह मेरे लिए सही समय है। मैंने यह देखने के लिए इंतजार किया कि मेरा शरीर क्या कहता है, और इसने मुझे संकेत दिया कि अब समय आ गया है। मैं चाहता था कि जब तक खेलूं, तब तक उपयोगी बना रहूं, और मुझे खुशी है कि मैं ऐसा कर पाया।

अलग-अलग भूमिकाओं में चमका करियर

ऑस्कर डी मार्कोस ने अपने करियर की शुरुआत एक फॉरवर्ड के रूप में की थी। अपने 16 साल के करियर में वह विंगर और अटैकिंग मिडफील्डर के रूप में भी खेले, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने राइट बैक की भूमिका निभाई। इस दौरान उन्होंने क्लब के लिए 39 गोल भी किए।

दान कार्यों में भी रहे सक्रिय

डी मार्कोस न केवल अपने खेल के लिए बल्कि मानवीय कार्यों के लिए भी जाने जाते हैं। उन्होंने स्थानीय अस्पतालों में बच्चों से मुलाकात, और अफ्रीका व लैटिन अमेरिका में चैरिटी यात्राओं जैसी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। अब, जब वह अपने शानदार करियर को अलविदा कहने की तैयारी कर रहे हैं, तो फुटबॉल जगत में उनकी जगह हमेशा सम्मान के साथ याद की जाएगी।